नई दिल्ली । सोमवार, 20 जुलाई, 2026
आषाढ़ शुक्ल पक्ष सप्तमी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :195 / मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...
नई दिल्ली संस्करण
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल पीवी सिंधु ने जीता जापान ओपन का खिताब, फाइनल...
@ विचार सोनम वांगचुक और सुर्खियों से आगे का सच...
@ व्यापार भारतीय शेयर बाजार की शीर्ष 10 में से पांच कंपनियों...

ईरान के न्यूक्लियर प्लांट पर अमेरिकी हमले का दावा, होर्मुज स्ट्रेट में बढ़ा तनाव

ईरान की राष्ट्रीय संप्रभुता और अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन

एजेंसी ■ तेहरान

ईरान के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से के खुजेस्तान प्रांत में बन रहे डार्कहोविन न्यूक्लियर पावर प्लांट की साइट पर रविवार को यूएस प्रोजेक्टाइल से हमला किया गया। ईरान के एटॉमिक एनर्जी ऑर्गनाइजेशन (एईओआई) ने इसकी जानकारी दी।

शिन्हुआ समाचार एजेंसी की जानकारी के अनुसार, एईओआई ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर जारी बयान में कहा कि यह हमला स्थानीय समय के अनुसार सुबह 3:39 बजे (जीएमटी के अनुसार 24:09 बजे) हुआ। संगठन ने इसे 'आक्रामक और क्रूर कार्रवाई' बताया और कहा कि यह ईरान की राष्ट्रीय संप्रभुता और अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है।

हालांकि, संगठन ने यह नहीं बताया कि इस हमले में कोई हताहत हुआ है या किसी तरह का नुकसान हुआ है।

इस बीच, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की नौसेना ने रविवार को कहा कि उसने होर्मुज स्ट्रेट से असुरक्षित रास्ते से गुजरने की कोशिश कर रहे दो 'नियमों का उल्लंघन करने वाले' जहाजों को रोक दिया। आईआरजीसी के आधिकारिक समाचार आउटलेट 'सेपा' न्यूज पर जारी बयान में कहा गया कि चार ऐसे जहाजों ने चेतावनी को नजरअंदाज किया, अपने नेविगेशन सिस्टम बंद कर दिए और अमेरिका के समर्थन से जलडमरूमध्य में 'अव्यवस्था पैदा करने' और गलत रास्ते से गुजरने की कोशिश की।

बयान के मुताबिक, इनमें से दो जहाजों का 'हादसा हो गया' और उन्हें रोक लिया गया, जबकि बाकी दो जहाजों को आगे बढ़ने से रोक दिया गया।

ईरानी नौसेना ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट पर उसकी सेनाओं का पूरा नियंत्रण है और इस जलमार्ग से गुजरने का एकमात्र सुरक्षित रास्ता वही है जिसे ईरान ने तय किया है।

उसने यह भी कहा कि ईरान की अनुमति और उसके साथ तालमेल के बिना इस जलडमरूमध्य से तेल, गैस या रासायनिक खाद की ढुलाई नहीं की जा सकती।

इससे पहले शनिवार को अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा था कि अमेरिकी सेनाओं ने ईरान के सैन्य तटीय निगरानी केंद्रों, वायु रक्षा ठिकानों, समुद्री क्षमताओं और मिसाइल और ड्रोन भंडारण स्थलों पर हमलों का आठवां दौर पूरा कर लिया है। उसने कहा कि मध्य पूर्व में तैनात 50,000 से अधिक अमेरिकी सैनिक 'पूरी तरह सतर्क' हैं।

रविवार को ही ईरानी सेना ने दावा किया कि उसने अमेरिका की ओर से ईरान और वहां के नागरिक ढांचे, जैसे पुलों, पर किए गए हमलों के जवाब में कुवैत में मौजूद अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाया।

ईरानी सेना ने अपनी वेबसाइट पर जारी बयानों में कहा कि उसकी सेनाओं ने ड्रोन हमलों के दो दौर में अल-अदिरी कैंप और अली अल सलेम एयर बेस को निशाना बनाया।

हाईकोर्ट का सोनम वांगचुक को मेदांता शिफ्ट करने से इनकार

24 जुलाई को होगी अगली सुनवाई

एजेंसी ■ नई दिल्ली

दिल्ली हाईकोर्ट ने सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को सफदरजंग अस्पताल से निजी अस्पताल मेदांता स्थानांतरित किए जाने की मांग पर फिलहाल राहत देने से इनकार कर दिया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि मौजूदा परिस्थितियों में वांगचुक का इलाज सरकारी अस्पताल सफदरजंग में ही जारी रहेगा। कोर्ट ने उनकी पत्नी गीतांजलि आंगमो की याचिका पर केंद्र सरकार, दिल्ली सरकार और दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया है। मामले की अगली सुनवाई 24 जुलाई को होगी।

जस्टिस मिनी पुष्कर्णा की बेंच ने सुनवाई के दौरान कहा कि सोनम वांगचुक को स्वास्थ्य कारणों से अस्पताल में भर्ती करने का निर्णय पूरी तरह कानून के दायरे में लिया गया था। अदालत ने यह भी कहा कि हर जीवन अनमोल है और वांगचुक के इलाज में किसी तरह की लापरवाही नहीं बरती जा रही है।

कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि सोनम वांगचुक इलाज के दौरान डॉक्टरों का सहयोग करेंगे। यदि वह चिकित्सकीय आवश्यकता के अनुरूप दवाएं लेने से इनकार करते हैं, तो डॉक्टर उनके स्वास्थ्य हित में आवश्यक उपचार उपलब्ध कराएंगे। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि उनकी सेहत को लेकर अंतिम निर्णय अस्पताल की मेडिकल टीम ही करेगी। साथ ही कहा गया कि सफदरजंग अस्पताल में डॉक्टर लगातार उनकी निगरानी कर रहे हैं और ऐसा कोई आधार नहीं है जिससे यह कहा जा सके कि उन्हें जबरन दवा या इलाज दिया जा रहा है। सुनवाई के दौरान एम्स की चिकित्सा टीम से जुड़े असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अक्षय ने अदालत को बताया कि वांगचुक की लगातार निगरानी की जा रही है। उन्हें ओरल फ्लूइड्स और पोटैशियम क्लोराइड दिया जा रहा है। हालांकि डॉक्टर लगातार उन्हें आईवी फ्लूइड्स देने के लिए समझा रहे हैं, लेकिन उन्होंने फिलहाल इसकी सहमति नहीं दी है। डॉक्टर ने बताया कि लंबे उपवास के कारण वांगचुक कीटोसिस की स्थिति में हैं, जिससे शरीर में पानी और कार्बोहाइड्रेट की कमी हो गई है। उन्होंने कहा कि फिलहाल उन्हें पोटैशियम, कार्बोहाइड्रेट और विटामिन की आवश्यकता है। सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) चेतन शर्मा ने अदालत को बताया कि वांगचुक की तबीयत बिगड़ने और शरीर में पोटैशियम की गंभीर कमी को देखते हुए उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यदि आवश्यकता हुई तो सरकार और दिल्ली पुलिस उन्हें एम्स में स्थानांतरित करने के लिए भी तैयार हैं। एएसजी ने यह भी बताया कि वांगचुक की स्थिति अब स्थिर है और उनमें हल्का सुधार देखा जा रहा है।

पारंपरिक भारतीय शिल्प कौशल आर्थिक विकास में निभा सकती है अहम भूमिका : पीएम मोदी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि इनोवेशन और वैश्विक साझेदारियों के जरिए पारंपरिक भारतीय शिल्प कौशल आर्थिक विकास में अहम भूमिका निभा सकती है।

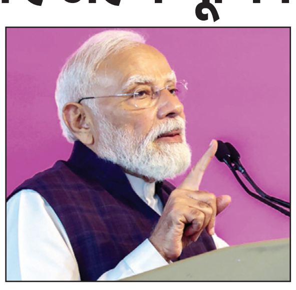

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से लिखे गए आर्टिकल को साझा किया, जिसमें उन्होंने बताया कि 'एक जिला, एक उत्पाद' पहल स्थानीय शिल्पों को बाजार तक पहुंच हासिल करने, स्थायी आजीविका सृजित करने, विरासत को संरक्षित करने और भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करने में मदद कर रही है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि चेन्नई स्थित 'वस्त्रकला' इस बात का उदाहरण है कि फ्रांस जैसे देशों के साथ सहयोग भारतीय कारीगरों को वैश्विक बाजारों से जोड़ने में कैसे मदद कर सकता है।

उन्होंने बताया कि हाल ही में पेरिस में आयोजित एक निवेशकों की बैठक के दौरान भारत में फ्रांस के राजदूत ने 'वस्त्रकला' का जिक्र किया था। यह भारत-फ्रांस की साझेदारी का एक अनूठा उदाहरण है, जिसने फ्रांस की हाउट कूचर यानी उच्चस्तरीय फैशन कला को भारत की सदियों पुरानी कढ़ाई परंपरा के साथ जोड़ा है। भारत लौटने के बाद वित्त मंत्री चेन्नई के निकट तिरुवल्लूर जिले के गुडापक्कम स्थित वस्त्रकला की कार्यशाला गई थीं। वित्त मंत्री ने कहा कि कारीगरों की टीम के साथ दोपहर का भोजन करते समय उन्हें पता चला कि वस्त्रकला ने जानबूझकर अपनी पहली चेन्नई स्थित कार्यशाला को गुडापक्कम स्थानांतरित किया, ताकि पीढ़ियों से इन पारंपरिक कौशलों को संजोए हुए गांवों के लोगों तक उच्च मूल्य वाले रोजगार पहुंचाए जा सकें। यह मानो समय का पहिया उल्टा घूम गया हो। आमतौर पर युवा रोजगार के लिए गांवों से शहरों की ओर पलायन करते हैं, लेकिन यहां एक कंपनी ने शहर छोड़कर गांव में बसने का फैसला किया। वित्त मंत्री ने बताया कि वस्त्रकला कांचीपुरम-श्रीपेरंबुदूर-तिरुवल्लूर के सूखा-प्रभावित क्षेत्र में स्थित है। उन्होंने कहा, 'पुराने समय में जब बारिश नहीं होती थी, तो खेती का काम रुक जाता था। जब हल चलना बंद हो जाता था, तब किसान सुई-धागा उठाकर सूती और रेशमी कपड़ों पर सुंदर कढ़ाई किया करते थे। अपनी रचनात्मकता के बल पर ग्रामीण सूखे की कठिनाइयों का सामना कर लेते थे।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह राज्यसभा में वंदे मातरम बिल पेश करेंगे

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह संसद के मानसून सत्र के दौरान सोमवार को राज्यसभा में वंदे मातरम बिल पेश करेंगे। प्रस्तावित कानून का मकसद राष्ट्रीय गीत, वंदे मातरम को वही कानूनी और कानूनी सुरक्षा देना है, जो अभी राष्ट्रीय गान, जन गण मन को मिली हुई है। अगर यह बिल लागू होता है, तो यह राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम एक्ट में बदलाव करेगा, ताकि वंदे मातरम का अपमान करना एक सजा वाला अपराध बन जाए और कानूनी सुरक्षा के मामले में इसे राष्ट्रीय गान के बराबर लाया जा सके। प्रस्तावित कानून के तहत, अगर कोई व्यक्ति जानबूझकर राष्ट्रीय गीत का अपमान करता है या गाने में रुकावट डालता है, तो उसे तीन साल तक की जेल, जुर्माना या दोनों हो सकते हैं। अभी, राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम एक्ट राष्ट्रीय गान का सम्मान करना जरूरी बनाता है, जिसमें लोगों को इसे गाते समय खड़ा होना जरूरी है।

टीएमसी के बागी सांसदों को बुलाने पर विपक्ष का विरोध, किया वॉकआउट

एजेंसी ■ नई दिल्ली

संसद के मानसून सत्र से पहले बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में विपक्षी दलों ने एकजुट होकर सरकार के खिलाफ विरोध जताया। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद महुआ मोइत्रा ने आरोप लगाया कि बैठक में पार्टी के कथित बागी सांसदों को आमंत्रित किए जाने के विरोध में विपक्षी दलों ने वॉकआउट किया।

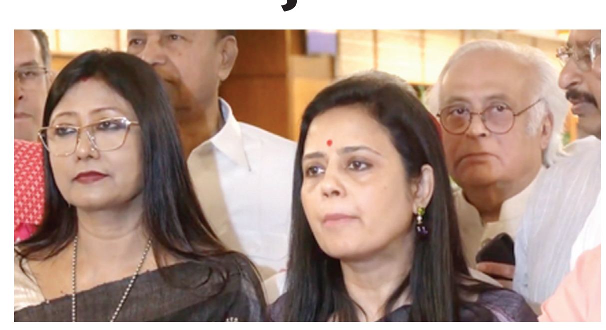

महुआ मोइत्रा ने पत्रकारों से कहा कि कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, डीएमके, आम आदमी पार्टी, नेशनल कॉन्फ्रेंस, वामपंथी दलों और शिवसेना (यूबीटी) समेत कई विपक्षी दलों ने बैठक से बाहर निकलने का फैसला किया। उनका आरोप था कि एक गैर-मान्यता प्राप्त गुट को बैठक में स्थान दिया गया, जबकि लोकसभा टेबल ऑफिस की सूची में ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस के 28 सांसद दर्ज हैं। मोइत्रा ने सवाल उठाया कि पार्टी के 20 कथित बागी सांसदों को संसदीय कार्य मंत्री ने किस आधार पर बैठक में आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि इन सांसदों के विलय को लोकसभा अध्यक्ष की मंजूरी नहीं मिली है और उनके खिलाफ दायर 20 अयोग्यता याचिकाएं अभी भी लंबित हैं। उन्होंने यह भी कहा कि संविधान के 91वें संशोधन के बाद अलग गुट के आधार पर मान्यता देने का कोई प्रावधान नहीं है।

कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने भी विपक्ष के वॉकआउट को लेकर सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने संविधान की रक्षा तथा आम आदमी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस और शिवसेना के समर्थन में यह कदम उठाया है। उनका कहना था कि किसी मामले में अंतिम फैसला आने से पहले कोई निष्कर्ष निकालना पूरी तरह असंवैधानिक है। बैठक के बाद समाजवादी पार्टी के सांसद धर्मेंद्र यादव ने भी सरकार पर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि टीएमसी नेताओं ने बैठक में यह मुद्दा उठाया कि आधिकारिक तृणमूल कांग्रेस सांसदों के बजाय पहले कथित बागी सांसदों की सूची क्यों दिखाई गई। उन्होंने इसे सरकार का अलोकतांत्रिक कदम बताया। सर्वदलीय बैठक से विपक्ष के वॉकआउट पर झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) की सांसद महुआ माजी ने कहा कि आज देश में विभिन्न तरीकों से सांसदों को लालच देकर राजनीतिक दलों को सुनियोजित ढंग से तोड़ा जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र में बगावत करने वाले सांसदों को सर्वदलीय बैठक में बुलाया गया, जबकि स्पीकर ने अभी तक उन्हें मान्यता नहीं दी है। महुआ माजी ने परिसीमन के मुद्दे का भी जिक्र करते हुए कहा कि यदि 2011 की जनगणना के आधार पर परिसीमन किया जाता है तो झारखंड जैसे राज्यों में अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए आरक्षित सीटों का काफी नुकसान होगा। उन्होंने कहा कि यदि सरकार यह भरोसा दिलाए कि किसी भी राज्य की सीटें कम नहीं होंगी और सभी विपक्षी दल इस पर सहमत हों, तो उनकी पार्टी अपने रुख पर पुनर्विचार कर सकती है।

नागालैंड के मोन जिले में भीषण भूस्खलन, 8 लोगों की मौत

जम्मू के पुंछ-किश्तवाड़ में बादल फटे, 11 की मौत

एजेंसी ■ नई दिल्ली/कोहिमा

जम्मू-कश्मीर के पुंछ और किश्तवाड़ में शनिवार रात बादल फट गए। बाढ़-लैंडस्लाइड में अब तक 11 लोगों की मौत हो गई है। जबकि नागालैंड में लैंडस्लाइड से 8 लोगों की जानें चली गई है।

किश्तवाड़ के सुर्नू इलाके में बादल फटने से लोगों के घरों और खेतों को नुकसान पहुंचा। राजौरी में भी भारी बारिश के बाद धारहाल नदी का जलस्तर बढ़ गया। करीब 200 से 250 गाड़ियां बह गईं। उत्तराखंड में शनिवार को लैंडस्लाइड के बाद केदारनाथ यात्रा के रूट पर घोड़े- खच्चरों की सेवाएं रोक दी गईं और कैलाश-मानसरोवर यात्रियों का एक जत्था भी रुक गया।

वहीं नागालैंड के मोन जिले में रविवार को हुए भीषण भूस्खलन में बच्चों समेत कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई। डिफेंस कॉलोनी में हुए इस हादसे में कई मकान मलबे में दब गए और बड़े पैमाने पर राहत एवं बचाव अभियान चलाया जा रहा है। राज्य आपदा प्रबंधन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अब तक चार शव बरामद किए जा चुके हैं, जबकि चार अन्य शव अभी भी मलबे में दबे हुए हैं। लगातार बारिश और बेहद चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बीच बचाव दल अन्य संभावित फंसे लोगों की तलाश में जुटे हैं। रक्षा प्रवक्ता के अनुसार, भूस्खलन से डिफेंस कॉलोनी के करीब 15 मकान गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गए हैं। राहत कार्य में असम राइफल्स, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ), राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ), नागालैंड पुलिस, सेना, जिला प्रशासन और स्थानीय स्वयंसेवक संयुक्त रूप से लगे हुए हैं। राज्य सरकार ने मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। वहीं, हादसे में घायल प्रत्येक व्यक्ति को 74,000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। इसके अलावा प्रभावित परिवारों को भोजन, अस्थायी आश्रय, आवश्यक वस्तुएं और अन्य राहत सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। सरकार ने घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना जताई और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। सरकार ने कहा कि राज्य के कई हिस्सों में लगातार खराब मौसम की स्थिति पर नजर रखी जा रही है। मोन जिले के अलावा मोकोकचुंग जिले के तुली उपमंडल सहित कई अन्य क्षेत्रों में भी लगातार बारिश के कारण भूस्खलन, अचानक आई बाढ़, सड़क अवरुद्ध होने और सार्वजनिक एवं निजी संपत्तियों को नुकसान पहुंचा है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु यूरोपीय देशों के दौरे पर, भारत के साथ संबंधों को मिलेगी नई रफ्तार

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत की राष्ट्रपति और प्रथम नागरिक द्रौपदी मुर्मु की तीन देशों की यात्रा की शुरुआत हो चुकी है। विदेश मंत्रालय की ओर से साझा जानकारी के अनुसार, राष्ट्रपति मुर्मु रविवार की सुबह राजधानी नई दिल्ली से रवाना हुई। विदेश मंत्रालय ने कहा कि राष्ट्रपति के दौरे से इन देशों के साथ भारत के संबंधों को नई रफ्तार मिलेगी।

विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी देते हुए लिखा, 'राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु मोल्दोवा गणराज्य, उत्तरी मैसेडोनिया गणराज्य और रोमानिया के राजकीय दौरे पर गई हैं। यह भारत के किसी राष्ट्रपति का मोल्दोवा और नॉर्थ मैसेडोनिया का पहला दौरा है और तीन दशकों में रोमानिया का पहला राष्ट्रपति दौरा है। इस दौरे से इन देशों के साथ भारत के संबंधों को नई रफ्तार मिलेगी।'

वहीं, विदेश यात्रा के लिए रवाना होने से पहले राष्ट्रपति कार्यालय की तरफ से जानकारी साझा की गई कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु मोल्दोवा गणराज्य, उत्तरी मैसेडोनिया गणराज्य और रोमानिया के राजकीय दौरे पर जा रही हैं। यह किसी भारतीय राष्ट्रपति का मोल्दोवा और उत्तरी मैसेडोनिया का पहला दौरा है। भारत के राष्ट्रपति का रोमानिया दौरा तीन दशकों से ज्यादा समय के बाद हो रहा है।

भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 19 से 25 जुलाई 2026 तक मोल्दोवा, उत्तर मैसिडोनिया और रोमानिया की राजकीय यात्रा पर रहेंगी। इस दौरे का उद्देश्य यूरोप के इन देशों के साथ भारत के राजनीतिक, आर्थिक, व्यापारिक और तकनीकी संबंधों को मजबूत करना है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने विशेष प्रेस ब्रीफिंग में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की यूरोपीय देशों की यात्रा के दौरान होने वाले कार्यक्रमों पर बात की। इस दौरान सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज, राष्ट्रपति की प्रेस सचिव डॉ. मनीषा वर्मा और विदेश मंत्रालय में दक्षिणी यूरोप क्षेत्र की संयुक्त सचिव अल्पना दुबे भी मौजूद रहीं।

विश्व केसरी | देश | नई दिल्ली | सोमवार, 20 जुलाई 2026

राम मंदिर मामला : राहुल-खड़गे के पत्र पर एनडीए का पलटवार, विपक्ष बोला- जवाबदेही मांगना हमारा कर्तव्य

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। अयोध्या के राम मंदिर दान चोरी मामले को लेकर सियासी घमासान तेज हो गया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर स्वतंत्र जांच की मांग किए जाने के बाद सत्तारूढ़ एनडीए और विपक्षी इंडी गठबंधन आमने-सामने आ गए हैं।

राहुल गांधी और खड़गे ने अपने पत्र में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कामकाज पर सवाल उठाते हुए कहा कि मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाए गए नकद, सोना, चांदी और अन्य दान का पूरा सार्वजनिक लेखा-जोखा सामने लाया जाना चाहिए। उन्होंने राजनीतिक प्रभाव से परे स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच की मांग भी की।

इस मांग पर भाजपा विधायक राम कदम ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि राहुल गांधी और उनकी पार्टी पहले भगवान राम के अस्तित्व पर सवाल उठाती रही है और अब अचानक राम की चिंता जताना महज राजनीतिक ड्रामा है। उन्होंने कहा कि दान चोरी के मामले की जांच पहले से चल रही है और दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। शिवसेना प्रवक्ता संजय निरुपम ने भी कांग्रेस पर राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राम मंदिर में दान चोरी जैसे गंभीर मामले में किसी का बचाव नहीं किया जा रहा है। मामले की जांच के लिए गठित एसआईटी कार्रवाई कर रही है। सात से आठ लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है और प्रारंभिक रिपोर्ट भी सौंप दी गई है। अंतिम रिपोर्ट जल्द आएगी तथा सभी दोषियों को कड़ी सजा मिलेगी।

निरुपम ने कहा कि जो लोग पहले भगवान राम के अस्तित्व पर सवाल उठाते थे, वे अब इस मुद्दे पर खुद को राम भक्त दिखाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने इसे कांग्रेस की राजनीतिक कोशिश बताया। शिवसेना नेता शाइना एनसी ने कहा कि मामले की स्वतंत्र जांच जरूर होनी चाहिए और दोषियों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए, लेकिन इस मुद्दे का राजनीतिकरण नहीं होना चाहिए। उनके मुताबिक सबसे महत्वपूर्ण यह पता लगाना है कि श्रद्धालुओं का दान कहां गया।

वहीं कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने विपक्ष के रुख का बचाव करते हुए कहा कि अयोध्या राम मंदिर में कथित दान चोरी पूरे देश के लिए दुखद और शर्मनाक मामला है। उन्होंने कहा कि सरकार को इस विषय पर संवेदनशीलता दिखानी चाहिए और निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित करनी चाहिए।

शिवसेना (यूबीटी) के प्रवक्ता आनंद दुबे ने कहा कि राहुल गांधी विपक्ष के नेता हैं और मल्लिकार्जुन खड़गे कांग्रेस अध्यक्ष हैं। ऐसे में इस मामले पर चिंता जताना और प्रधानमंत्री को पत्र लिखना लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि एसआईटी जांच कर रही है, लेकिन निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए प्रधानमंत्री को भी इस मामले पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने याद दिलाया कि राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों हुई थी। दुबे ने कहा कि उनकी पार्टी पहले ही इस मामले में सीबीआई जांच की मांग कर चुकी है।

'हम 20 सांसदों को कैसे वंचित कर सकते हैं?' विपक्ष के वॉकआउट के बाद किरेन रिजिजू ने एनसीपीआई के निमंत्रण का बचाव किया

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने रविवार को संसद के मानसून सत्र से पहले सर्वदलीय बैठक में 'नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया' (एनसीपीआई) के सदस्यों को बुलाने के केंद्र सरकार के फैसले का बचाव किया। उन्होंने कहा कि विपक्ष को वॉकआउट करने का पूरा अधिकार है लेकिन 20 चुने हुए सांसदों को चर्चा से बाहर रखना सही नहीं होता।

यह घटनाक्रम तब हुआ जब 'इंडिया' ब्लॉक ने केंद्र द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक से वॉकआउट किया। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के बागी गुट नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) के सदस्यों की मौजूदगी का विरोध किया था। वॉकआउट के बारे में पत्रकारों से बात करते हुए रिजिजू ने कहा, 'वह बहिष्कार कुछ समय के लिए था; यह औपचारिक था। मुझे नहीं लगता कि यह बुरा है क्योंकि उन्हें अपनी राय व्यक्त करने का अधिकार है। एनसीपीआई के 20 लोकसभा सांसदों ने हस्ताक्षर किए हैं और लोकसभा अध्यक्ष से नई पार्टी में शामिल होने और संसद में अलग बैठने की मांग की है। यह नियमों के अनुसार है और यह अध्यक्ष के विचाराधीन है।' 20 सांसदों के महत्व पर जोर देते हुए केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा, 'जब यह मामला अध्यक्ष के विचाराधीन है और 20 सांसद हैं, तो हम उन्हें कैसे वंचित कर सकते हैं? लोकसभा सभी की है तो हम 20 सांसदों को नहीं बुलाएंगे; ऐसा कैसे हो सकता है? उन्हें मान्यता देना या न देना एक प्रक्रिया है। लोकसभा अध्यक्ष के सचिवालय से जो भी होगा, उस पर मैं अभी कोई टिप्पणी नहीं कर रहा हूं।' उन्होंने कहा कि सरकार ने संसद में प्रतिनिधित्व करने वाली सभी पार्टियों को आमंत्रित किया था और एनसीपीआई को कोई विशेष निमंत्रण नहीं भेजा था।

उन्होंने कहा, 'यह सरकार का कर्तव्य है कि यदि सभी पार्टियां और आम सहमति एक साथ आती हैं, तो हम चाहेंगे, इसलिए हमें सभी को बुलाना होगा। मैं किसी को अलग से नहीं बुला रहा हूं; चूंकि उनके सदस्य वहां हैं और उनकी मांगें हैं। हम अपनी ओर से किसी को अलग से नहीं बुला रहे हैं; वे लोकसभा सदस्य हैं, इसलिए उन्हें बुलाना ही होगा।'

उन्होंने बताया कि विभिन्न राजनीतिक दलों के 40 फ्लोर लीडर्स सर्वदलीय बैठक में शामिल हुए और मानसून सत्र के दौरान चर्चा किए जाने वाले मुद्दों पर अपने विचार रखे। रिजिजू के अनुसार, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सभी राजनीतिक दलों से राष्ट्रीय हित में मिलकर काम करने की अपील की। खासकर पश्चिम एशिया में संघर्ष से उत्पन्न मौजूदा वैश्विक अनिश्चितताओं को देखते हुए। उन्होंने कहा, 'कई राजनीतिकदलों ने अपनी बातें रखी हैं; हमने उन्हें सुना और नोट किया है। कई सुझाव आए हैं; हमने उन सुझावों को नोट किया है... आपने देखा होगा कि अगर कोई भी राजनीतिक दल किसी विषय पर चर्चा करने के बजाय सिर्फ नारेबाजी करता है।

संक्षिप्त खबरें

थाना दिवस : जनसुनवाई के दौरान पर 116 का शिकायतों का पुलिस ने मौके पर किया निपटारा

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। 'थाना दिवस' के मौके पर 18 जुलाई को मध्य दिल्ली के सभी पुलिस स्टेशनों में 'जन सुनवाई' का आयोजन किया गया। इस दौरान 116 शिकायतों का तुरंत निपटारा किया गया, जबकि बाकी शिकायतों पर वरिष्ठ अधिकारियों की देखरेख में तेजी से कार्रवाई करने का निर्णय लिया गया। जन शिकायत निवारण कार्यक्रम की देखरेख एडिशनल डीसीपी प्रथम और असिस्टेंट कमिश्नर ऑफ़ पुलिस ने की। उन्होंने संबंधित पुलिस स्टेशनों पर शिकायतकर्ताओं से व्यक्तिगत रूप से बातचीत की और उनकी बातें सुनीं। हर शिकायत की बारीकी से जांच की गई और नागरिकों को वरिष्ठ अधिकारियों के सामने सीधे अपनी चिंताएं रखने का मौका दिया गया। जहां भी संभव हुआ, शिकायतों का समाधान किया गया और मौके पर ही उचित कार्रवाई की गई। जिन मामलों में आगे की जांच की जरूरत थी, उन्हें तय प्रक्रियाओं के अनुसार तेजी से आगे की कार्रवाई के लिए लिया गया। जन सुनवाई के दौरान कुल 133 शिकायतकर्ताओं की बातें सुनी गईं। इस दौरान 116 शिकायतों का समाधान किया गया जबकि बाकी मामलों को वरिष्ठ अधिकारियों की कड़ी निगरानी में तेजी से समाधान के लिए चिह्नित किया गया।

दिल्ली पुलिस ने साइबर ठगी का मामला सुलझाया, तीन आरोपी गिरफ्तार

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने साइबर ठगी के एक मामले का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान राजेश (18), कुणाल (22) और इमरान (23) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, तीनों एक सेक्सटॉर्शन (यौन शोषण के बहाने ब्लैकमेलिंग) आधारित साइबर ठगी गिरोह से जुड़े थे। दिल्ली पुलिस के अनुसार, गंगा विहार इलाके के 44 वर्षीय एक व्यक्ति ने एक शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि 6 मई को उन्हें व्हाट्सएप पर एक अज्ञात महिला की वीडियो कॉल आई। महिला ने खुद को उनके सोशल मीडिया की एक परिचित बताकर विश्वास में लिया और उन्हें कपड़े उतारने के लिए उकसाया। इस दौरान उनकी आपत्तिजनक वीडियो गुप्त रूप से रिकॉर्ड कर ली गई। इसके बाद उन्हें कई अनजान नंबरों से कॉल आए, जिनमें कॉल करने वालों ने खुद को पुलिस अधिकारी, सोशल मीडिया अधिकारी और सरकारी अधिकारी बताया। उन्होंने वीडियो वायरल करने, कानूनी कार्रवाई में फंसाने और गिरफ्तार करवाने की धमकी दी। लगातार डराने-धमकाने और डर के कारण शिकायतकर्ता ने आरोपियों के खातों में लगभग 5.80 लाख रुपए ट्रांसफर कर दिए।

टाटा-हावड़ा स्टील एक्सप्रेस पर टूटा ओएचई तार, टला बड़ा हादसा, रेलवे पुल पर बीच रास्ते रुकी ट्रेन

विश्व केसरी■

जमशेदपुर। झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले में रविवार सुबह टाटा-हावड़ा स्टील एक्सप्रेस के साथ एक बड़ा रेल हादसा टल गया। गालूडीह थाना क्षेत्र में स्वर्णरेखा नदी पर बने रेलवे पुल के पास ट्रेन के गुजरने के दौरान ओवरहेड इलेक्ट्रिक (ओएचई) तार टूटकर कोच की छत पर गिर गया, जिससे ट्रेन बीच पुल पर ही रुक गई।

घटना में किसी यात्री के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन इसके कारण टाटा-हावड़ा रेलखंड पर रेल परिचालन प्रभावित हो गया। रेलवे सूत्रों के अनुसार, घटना सुबह करीब सात बजे चंद्ररेखा गांव के समीप घाटर रेलवे पुल पर हुई। टाटानगर से हावड़ा जा रही स्टील एक्सप्रेस के गुजरने के दौरान अचानक ओएचई तार टूट गया। बिजली आपूर्ति बाधित होने के कारण ट्रेन तत्काल रोक दी गई।

प्रत्यक्षदर्शी यात्रियों ने बताया कि घटना से पहले तेज चरमराहट की आवाज सुनाई दी और इसके बाद चिंगारियां निकलती दिखाई दीं।

कुछ ही क्षणों में, हाई-टेंशन ओएचई तार ट्रेन की छत पर आ गिरा। इससे यात्रियों में कुछ देर के लिए अफरातफरी मच गई। हालांकि, सुरक्षा व्यवस्था के कारण कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। ट्रेन लंबे समय तक पुल पर खड़ी रहने के कारण कई यात्री नीचे उतर गए। वे रेलवे ट्रैक के सहारे पैदल गालूडीह की ओर बढ़े और राष्ट्रीय राजमार्ग तक पहुंचकर आगे की यात्रा के लिए वैकल्पिक साधनों का सहारा लिया।

घटना की सूचना मिलते ही रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी, तकनीकी टीम, ट्रैक्शन रोलिंग डिस्ट्रीब्यूशन (टीआरडी) इकाई और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के जवान मौके पर पहुंचे। मरम्मत कार्य शुरू करने से पहले संबंधित सेक्शन की विद्युत आपूर्ति बंद कर दी गई।

आरएफसीएल में एक हफ्ते से ज्यादा समय के बाद यूरिया का उत्पादन फिर से शुरू हुआ

विश्व केसरी■

हैदराबाद। तेलंगाना के पेड्डापल्ली जिले में रामागुंडम फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड (आरएफसीएल) ने अमोनिया पाइपलाइन में लीकेज और तकनीकी समस्याओं के कारण एक सप्ताह से अधिक समय तक बंद रहने के बाद उत्पादन फिर से शुरू कर दिया है।

रिपेयर के बाद प्लांट के फिर से खुलने के साथ, पब्लिक सेक्टर कंपनी में यूरिया का प्रोडक्शन फिर से शुरू हो गया है। अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने यह पक्का करने के लिए सभी कदम उठाए हैं कि टेक्निकल प्रॉब्लम दोबारा न हों।

उन्होंने कहा कि वे मौजूदा खेती के मौसम में यूरिया की डिमांड को पूरा करने के लिए प्रोडक्शन बढ़ाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। लीकेज की वजह से, 9 जुलाई को प्लांट की सभी यूनिट्स के बंद होने के बाद यूरिया का प्रोडक्शन रुक गया था। क्योंकि प्रॉब्लम ठीक नहीं हो सकी, इसलिए प्लांट को बंद कर दिया गया। अधिकारियों ने कहा था कि प्रोडक्शन फिर से शुरू होने में कम से कम एक हफ्ता लग सकता है। इस शटडाउन से तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और पांच दूसरे राज्यों में फर्टिलाइजर की सप्लाई रुक गई है, जिससे मौजूदा खरीफ फसल के मौसम में किसानों को सप्लाई को लेकर चिंता बढ़ गई है। इस साल यह दूसरी बार था जब अमोनिया लीक की वजह से आरएफसीएल प्लांट को बंद करना पड़ा। मार्च में प्लांट एक हफ्ते के लिए बंद रहा था। प्लांट की कैपेसिटी 3,850 टन हर दिन है, लेकिन मिडिल ईस्ट में चल रहे झगड़े की वजह से गैस की कमी के कारण यह कुछ समय से 50 परसेंट कैपेसिटी पर काम कर रहा था।

सुंदरबन में मैंग्रोव काटकर बने अवैध मछली फार्म पर सख्ती, 1,600 एकड़ क्षेत्र को फिर से हराभरा बनाने की तैयारी

विश्व केसरी■

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार ने सुंदरबन क्षेत्र में मैंग्रोव जंगलों को नुकसान पहुंचाकर बनाए गए अवैध खारे पानी के मछली पालन केंद्रों (ब्रैकिश वाटर फिशरीज) के खिलाफ बड़ा अभियान शुरू किया है। राज्य के वन विभाग ने ऐसे सभी अवैध मछली फार्मों की पहचान कर उन्हें बंद करने और वहां दोबारा मैंग्रोव के पौधे लगाने का आदेश दिया है।

राज्य के नए वन मंत्री मनोज उरांव ने वन विभाग के अधिकारियों को व्यक्तिगत रूप से निर्देश दिया है कि वे दक्षिण 24 परगना और उत्तर 24 परगना में फैले सुंदरबन क्षेत्र में ऐसे सभी अवैध मछली पालन केंद्रों की पहचान करें। इसके बाद पुलिस की मदद से इन्हें बंद कराया जाए और जिन जगहों पर मैंग्रोव जंगलों को काटकर ये फार्म बनाए गए हैं, वहां फिर से मैंग्रोव के पौधे लगाए जाएं। वन विभाग के शुरुआती अनुमान के अनुसार, ऐसे अवैध मछली फार्म करीब 1,600 एकड़ क्षेत्र में फैले हुए हैं। इनमें से अधिकांश दक्षिण 24 परगना जिले के सुंदरबन इलाके में स्थित हैं। मनोज उरांव ने बताया कि इन अवैध फार्मों की पहचान, उन्हें बंद कराने और संबंधित क्षेत्रों में दोबारा मैंग्रोव लगाने की पूरी प्रक्रिया इस वर्ष नवंबर तक पूरी करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा, 'राज्य वन विभाग जिला प्रशासन के साथ मिलकर इन क्षेत्रों को उनकी मूल स्थिति में वापस लाने का काम करेगा, जहां फिर से मैंग्रोव के जंगल विकसित किए जाएंगे। साथ ही भविष्य में वन विभाग और जिला प्रशासन पूरे क्षेत्र पर कड़ी निगरानी रखेंगे, ताकि मैंग्रोव को नुकसान पहुंचाकर दोबारा अवैध मछली फार्म या अन्य निर्माण न हो सके।'

फतेहपुर बेरी अग्निकांड : घंटों की मशक्कत के बाद आग नियंत्रित, कूलिंग ऑपरेशन जारी

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। दिल्ली के फतेहपुर बेरी इलाके में एक टेंट गोदाम में रविवार सुबह अचानक आग लग गई। सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची। घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया और अब मौके पर कूलिंग ऑपरेशन जारी है।

फायर ऑफिसर राजेश कुमार शुक्ला ने आईएएनएस से बातचीत के दौरान बताया कि फतेहपुर बेरी के हर स्वरूप कॉलोनी स्थित एक इवेंट मैनेजमेंट और टेंटेज गोदाम में आग लगी थी। इसकी सूचना सुबह करीब 6:42 बजे दमकल विभाग मिली थी। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं और राहत-बचाव अभियान शुरू किया गया। उन्होंने बताया कि आग को लगभग एक घंटे के भीतर नियंत्रण में ले लिया गया था, लेकिन पूरी तरह स्थिति सामान्य करने के लिए कूलिंग का काम जारी रखा गया।

राजेश कुमार शुक्ला ने बताया कि आग की श्रेणी मेक फोर की थी। गोदाम में टेंट से जुड़ा सामान रखा हुआ था, जिसकी वजह से आग तेजी से फैलने की आशंका थी। आग को आसपास के इलाकों तक फैलने से रोकने के लिए अतिरिक्त दमकल गाड़ियों को मौके पर बुलाया गया। उन्होंने बताया कि संकरी गलियों के कारण दमकल कर्मियों को ऑपरेशन में काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। बड़ी गाड़ियों को अंदर तक ले जाने में परेशानी हो रही थी, इसलिए मुख्य सड़क से करीब 400 मीटर लंबी होज लाइन बिछाकर पानी पहुंचाया गया। इसके लिए बीच में एक इंटरवेंशन जंक्शन बनाया गया, जहां से पानी की सप्लाई आगे बढ़ाई गई।

अमताला में पार्टी ऑफिस तोड़े जाने के खिलाफ अभिषेक बनर्जी की याचिका पर कलकत्ता हाईकोर्ट में होगी तत्काल सुनवाई

विश्व केसरी■

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के महासचिव और लोकसभा सदस्य अभिषेक बनर्जी की याचिका पर रविवार को सुनवाई होगी। अभिषेक बनर्जी ने दक्षिण 24 परगना जिले के अमताला में अपने पार्टी ऑफिस को तोड़े जाने के मामले को लेकर कलकत्ता हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

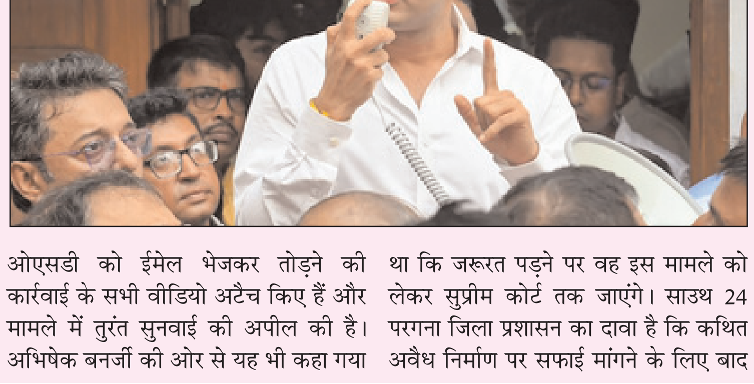

अभिषेक बनर्जी के पार्टी ऑफिस को तोड़ने का काम शनिवार को शुरू हुआ था, जो रविवार सुबह भी जारी रहा। इस मामले की सुनवाई रविवार को जस्टिस राजा बसु चौधरी की स्पेशल बेंच में होगी। पत्रकारों से बातचीत करते हुए अभिषेक बनर्जी ने शनिवार को बताया था कि उन्होंने कलकत्ता हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस के ओएसडी को ईमेल भेजकर तोड़ने की कार्रवाई के सभी वीडियो अटैच किए हैं और मामले में तुरंत सुनवाई की अपील की है। अभिषेक बनर्जी की ओर से यह भी कहा गया था कि जरूरत पड़ने पर वह इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट तक जाएंगे। साउथ 24 परगना जिला प्रशासन का दावा है कि कथित अवैध निर्माण पर सफाई मांगने के लिए बाद में भेजे गए दो नोटिसों (पहला 30 जून को और दूसरा 7 जुलाई को) का कोई जवाब नहीं मिला, जिसके बाद प्रशासन ने अवैध निर्माण को तोड़ने का फैसला किया। जिला प्रशासन की ओर से यह भी दावा किया गया है कि इमारत बिना सही बिल्डिंग मंजूरी प्लान के बनाई गई थी। उनके अनुसार, नोटिस पाने वाले को 15 जुलाई को जिला प्रशासन के ऑफिस में पेश होकर मामले पर सफाई देनी थी, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि टीएमसी से जुड़े जहांगीर खान जैसे कुख्यात 'अपराधी' यहां से अपनी गतिविधियां चलाते थे। स्थानीय लोगों का आरोप है कि गैर-कानूनी और जबरदस्ती तरीके से ऑफिस बनाया गया था।

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट : किसानों के विरोध के बाद भी अधिकारी नहीं रुके, हैदराबाद एयरपोर्ट के पास फेंसिंग तेज

विश्व केसरी■

हैदराबाद। तेलंगाना के शमशाबाद में हैदराबाद एयरपोर्ट के पास बहादुरगुडा गांव में रविवार को भी तनाव बना रहा, क्योंकि अधिकारियों ने प्रस्तावित हाई-स्पीड ट्रेन हब के लिए तय 650 एकड़ जमीन पर बाड़ लगाना जारी रखा।

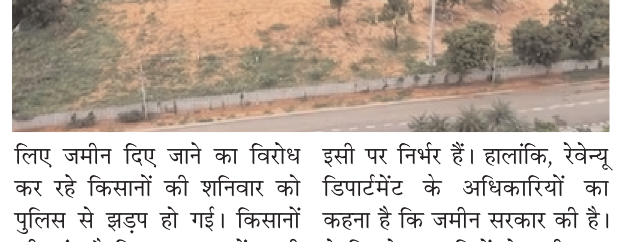

हैदराबाद डिजास्टर रिस्पॉन्स एंड एसेट प्रोटेक्शन एजेंसी ने शनिवार देर रात किसानों की भूख हड़ताल का कैंप हटा दिया और कड़ी सुरक्षा के बीच, जिसे वह सरकारी जमीन कहती है, उस पर बाड़ लगाना जारी रखा। पुलिस ने गांव को अपने कंट्रोल में ले लिया है और बाहरी लोगों की एंट्री पर रोक लगा दी है। बुलेट ट्रेन हब के लिए जमीन दिए जाने का विरोध कर रहे किसानों की शनिवार को पुलिस से झड़प हो गई। किसानों की मांग है कि सरकार उन्हें दूसरी जमीन दे या मार्केट रेट पर मुआवजा दे। उन्होंने दावा किया कि उनके पास मालिकाना हक नहीं है, लेकिन वे सालों से जमीन पर खेती कर रहे हैं और अपनी रोजी-रोटी के लिए इसी पर निर्भर हैं। हालांकि, रेवेन्यू डिपार्टमेंट के अधिकारियों का कहना है कि जमीन सरकार की है। वे पिछले आठ दिनों से जमीन पर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। शनिवार को जब रेवेन्यू डिपार्टमेंट और हाइड्रा के लोगों ने जमीन पर बाड़ लगाना शुरू किया तो उन्होंने उनका विरोध किया।

पेपर लीक मामला : केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग

बड़ी संख्या में युवाओं ने अंबेडकर चौक पर बारिश में भीगते हुए तख्तियां लेकर किया प्रदर्शन

विश्व केसरी

रायपुर। दिल्ली के जंतर-मंतर से सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक को हटाए जाने के बाद छत्तीसगढ़ के रायपुर में रविवार को युवाओं ने उनके समर्थन और पेपर लीक मुद्दे पर प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में युवाओं ने अंबेडकर चौक पर बारिश में भीगते हुए तख्तियां और पोस्टर के साथ नारेबाजी की। इस दौरान केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र से इस्तिफे की भी मांग की गई।

प्रदर्शन में शामिल हुए युवाओं का कहना है कि बार-बार पेपर लीक से लाखों छात्रों का भविष्य प्रभावित हो रहा है। केंद्र सरकार से परीक्षा प्रणाली को पूरी तरह पारदर्शी और जवाबदेह बनाने की जाए। साथ ही नीट पेपर लीक में दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की गई। वहीं भर्ती और प्रवेश परीक्षाओं में निष्पक्षता सुनिश्चित करने को लेकर आवाज बुलंद की गई।

छात्रों की हितों में कदम उठाए सवाल

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि पेपर लीक के मामलों में अनियमितताओं की नैतिक जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। हाल में सोनम वांगचुक भी प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं, पेपर लीक और शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर भूख हड़ताल कर रहे थे। सरकार को छात्रों के हितों की रक्षा के लिए प्रभावी और स्थायी कदम उठाने चाहिए, ताकि भविष्य में किसी भी परीक्षा की विश्वसनीयता पर सवाल न उठे। प्रदर्शनस्थल पर पुलिस बल तैनात रहा। हालांकि पूरे कार्यक्रम में स्थिति पूरी तरह शांतिपूर्ण रही और किसी प्रकार की अप्रिय घटना सामने नहीं आई। छात्र-युवा संगठनों ने अपनी मांगों को लेकर आगे भी लोकतांत्रिक तरीके से आवाज उठाने की बात कही।

4,536 करोड़ खर्च, फिर भी 754 गांव विकास से वंचित

विश्व केसरी

रायपुर। खनन प्रभावित क्षेत्रों के विकास के लिए शुरू की गई प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना के क्रियान्वयन को लेकर भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (सीएजी) की रिपोर्ट ने गंभीर सवाल खड़े किए हैं। रिपोर्ट के अनुसार छत्तीसगढ़ में योजना के तहत 4,536 ।58 करोड़ रुपये खर्च किए गए, लेकिन खनन प्रभावित बड़ी आबादी तक इसका अपेक्षित लाभ नहीं पहुंच सका।

सीएजी की ऑडिट रिपोर्ट बताती है कि जिन 11 जिलों की जांच की गई, वहां प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित 1,734 गांवों में से 754 गांव करीब 44% विकास कार्यों से पूरी तरह वंचित रहे। रिपोर्ट में बिना समग्र योजना के धन खर्च करने, निगरानी की कमी और नियमों के उल्लंघन जैसी कई गंभीर अनियमितताओं का उल्लेख किया गया है।

PMKKKY के उद्देश्य से भटका खर्च

रिपोर्ट के अनुसार कई जिलों में बिना वार्षिक कार्ययोजना और स्वीकृत बजट के ही जिला खनिज संस्थान न्यास की राशि खर्च की गई। इसके अलावा केंद्र सरकार के दिशा-निर्देशों के विपरीत 1 ।68 करोड़ रुपए राज्य स्तरीय डीएमएफ प्रकोष्ठ को हस्तांतरित किए गए। मार्च 2024 तक वहां 10 ।82 करोड़ रुपए की राशि उपयोग के बिना पड़ी रही। सीएजी ने यह भी पाया कि प्रभावित लोगों के कल्याण के लिए निर्धारित ?30 ।73 करोड़ का उपयोग सरकारी कार्यालयों के निर्माण और सौंदर्यीकरण जैसे कार्यों में किया गया। सरकार

अधूरे प्रोजेक्ट बने चिंता का कारण

रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रभावी निगरानी के अभाव में कई परियोजनाएं अधूरी रह गईं। कला एवं संस्कृति केंद्र, बायोगैस संयंत्र और मुर्गी पालन जैसी परियोजनाएं पूरी नहीं हो सकीं। कई स्थानों पर ये परियोजनाएं उपयोग से पहले ही बेकार होने लगीं। इसके अलावा गैर-योजनाबद्ध गतिविधियों पर 41 ।80 करोड़ रुपए का निष्फल व्यय दर्ज किया गया। सीएजी ने खरीद प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए हैं। रिपोर्ट के अनुसार छत्तीसगढ़ भंडार क्रय नियम, 2002 का पालन किए बिना खरीद की गई। इससे 56 करोड़ रुपए से अधिक की वित्तीय अनियमितताएं सामने आईं।

पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए बनाई गई डीएमएफ वेबसाइटों पर भी आवश्यक जानकारी उपलब्ध नहीं मिली। 12 जिलों की वेबसाइटों की समीक्षा में कार्यों की प्रगति, स्वीकृत परियोजनाओं और बैठकों का पूरा विवरण उपलब्ध नहीं था। इससे आम लोगों के लिए योजनाओं की निगरानी करना मुश्किल हो गया। रिपोर्ट के अनुसार योजना की निगरानी के लिए पर्याप्त कर्मचारी भी उपलब्ध नहीं हैं। इसके अलावा बेमेतरा और महासमुंद में स्वीकृत पद 100 प्रतिशत खाली पाए गए। वहीं बलोद, बिलासपुर, रायगढ़ और राजनांदगांव में 50 प्रतिशत से अधिक महत्वपूर्ण पद रिक्त हैं। सीएजी का मानना है कि कर्मचारियों की कमी के कारण परियोजनाओं की निगरानी और मूल्यांकन काम प्रभावित हुआ।

सोशल मीडिया में लगी गुहार, डॉ. वर्णिका ने बच्चों को सिखाए संस्कार के सबक

विश्व केसरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा द्वारा ग्राम बोहरडीह, आरंग में बाल चौपाल का आयोजन किया गया। इस बाल चौपाल की विशेष बात यह रही कि कुछ दिनों पूर्व सोशल मीडिया पर बाल चौपाल से संबंधित एक पोस्ट पर ग्राम के रूपचंद बंजारे द्वारा अपने क्षेत्र में भी बाल चौपाल आयोजित करने का आग्रह किया गया था। आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा ने इस आग्रह को सहर्ष स्वीकार करते हुए ग्राम बोहरडीह में बाल चौपाल आयोजित करने का निर्णय लिया। भारी बारिश के बावजूद बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ कार्यक्रम में सहभागिता की। बच्चों के साथ उनके अभिभावक, ग्राम के गणमान्य नागरिक एवं संबंधित विभागों के अधिकारी भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। बाल चौपाल के दौरान डॉ. वर्णिका शर्मा ने बच्चों से आत्मीय संवाद स्थापित किया, उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया तथा उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। चर्चा के दौरान बच्चों ने गांव के मिडिल स्कूल में शौचालय के अभाव तथा स्थायी पेयजल व्यवस्था नहीं होने की समस्या प्रमुखता से रखी। इन दोनों सुविधाओं को बच्चों के मूलभूत अधिकारों से जुड़ा विषय मानते हुए आयोग की अध्यक्ष ने तत्काल प्रकरण दर्ज कराया तथा आरंग के खंड शिक्षा अधिकारी एवं विद्यालय के प्राचार्य को आयोग के समक्ष उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करने के लिए निर्देशित किया।

बाल चौपाल में बच्चों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ बाल विवाह, बाल श्रम, गुड टच-बैड टच, व्यक्तिगत सुरक्षा एवं आत्मरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम का सबसे भावुक क्षण तब आया, जब एक नन्ही बच्ची ने अपने साथ घटित एक व्यक्तिगत अनुभव आयोग अध्यक्ष के समक्ष साझा किया।

मंत्रीगण बंद करें अपनी दुकानदारी : डॉ. चरणदास महंत

विश्व केसरी

रायपुर। सदन में अविश्वास प्रस्ताव से गिरने के बाद नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत मीडिया के समक्ष सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि सुधार जाओ तो अच्छी बात है। नहीं सुधरोगे तो हमारी सरकार आएगी, हम सुधारेंगे।

नीट की अनियमितताओं को लेकर राहुल गांधी के कैंपेन को लेकर कांग्रेस भवन में आयोजित प्रेस वार्ता में नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत पूर्व मंत्री शिव कुमार डहरिया, कुमार मेनन, पंकज शर्मा, आकाश शर्मा, पप्पू बंजारे, सहित कई नेताओं की मौजूदगी में नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत ने मीडिया से चर्चा की।

अविश्वास प्रस्ताव को लचर बताए जाने के आरोप पर उन्होंने कहा कि पता नहीं मुख्यमंत्री किस धुन में रहते हैं, किस नशे में रहते हैं। अगर अविश्वास प्रताव इतना लचर था तो 10-10 घंटा जवाब क्यों दे रहे थे। अपनी सरकार की एक उपलब्धि नहीं बताई, बस, भूपेश बघेल सरकार की बुराई बताते रहे।

नेता प्रतिपक्ष ने इसके साथ सरकार के मंत्रियों को भी आगाह करते हुए कहा कि मंत्रीगण सोंचे और दुकानदारी बंद कर दें। लोगों की गलती से सरकार बना लिए हैं। हम भी देखेंगे कितनी सीट में आएगी। मैं सब जानता हूं, कौन क्या कर रहा है। मै कहना चाहता हूं कि दुकानदारी मत चलाओ। मैं सब जानता हूं कि धान, कोयला, शराब से लेकर रेत तक कौन दुकानदारी चला रहा है।

पेपर लीक सत्ता के संरक्षण में पनपने वाली महामारी

राहुल गांधी के कैंपेन पर चर्चा करते हुए डॉ. महंत ने कहा कि ह्श्वश्वञ्ज में हुई अनियमितताओं की जानकारी देंगे। हमारे छात्रों की चीख, पीड़ा और दुख को संबल प्रदान करने राहुल गांधी दौरा कर रहे हैं। करोड़ों बच्चों के दुख को राहुल गांधी ने सुना है। महामारी के रूप में हमारे देश में ये पीड़ा है, जिसे समाप्त करना जरूरी है। 2014 से 152 पेपर लीक हो चुके हैं। ये कोई प्रशासनिक चूक नहीं हो सकती है, यह सत्ता के संरक्षण में पनपने वाली एक महामारी है।

बच्चों के भविष्य को समाप्त करने का षड्यंत्र

उन्होंने कहा कि हमारे बच्चों के कई सालों मेहनत की है। हमारे बच्चों के रोज के 10 घंटे की मेहनत पर पानी फिरा है। भारत के बच्चों के भविष्य को समाप्त करने का ये षड्यंत्र है।

श्री मंगलमय वेलफेयर सोसाइटी के सिलाई सेंटर का शुभारंभ

विश्व केसरी

रायपुर। श्री मंगलमय वेलफेयर सोसाइटी के द्वारा 17 जुलाई को सिलाई सेंटर का शुभारंभ किया गया तथा सभी बच्चों और महिलाओं के द्वारा हनुमान चालीसा का पाठ कर सेंटर का शुभारंभ किया गया जिसमें निम्न वर्ग की महिलाएं शामिल हुई जो महिलाओं के पार्ट टाईम रोजगार में सहयोग करेगी तथा हमारी संस्था श्री मंगलमय वेलफेयर सोसाइटी की (संस्थापक और अध्यक्ष) प्रिया सिंह का लक्ष्य महिलाओं को हर क्षेत्र में आगे बढ़ाना हैं। इसमें सीमा छाबड़ा का भी बहुत योगदान रहा। रोटरी एलिगेन्स क्लब रायपुर (संयोजक) रहे । (वरिष्ठ अतिथि) डिजी आरटीएन आलम सिंग रूपरा और हरपाल सिंग रूपरा रहे। क्लब सलाहकार विनय अग्रवाल , (अध्यक्ष) - प्रियंका गुप्ता, सचिव - स्वाती अग्रवाल, कोषाध्यक्ष - शिवानी मिश्रा, चेयर पर्सन - राखी काबरा तथा रोटरी क्लब की पूरी टीम की उपस्थिति रही। श्री मंगलमय वेलफेयर सोसाइटी की (अध्यक्ष) - प्रिया सिंह, सचिव - पूनम मेश्राम कोषाध्यक्ष - अमित सिंह राजपूत तथा संस्था के सभी सदस्य गण उपस्थित रहे।

बढ़ती बिजली दरों के खिलाफ पूर्व विधायक ने खोला मोर्चा

विश्व केसरी

रायपुर। रायपुर पश्चिम के पूर्व विधायक और रायपुर लोकसभा के छाया सांसद विकास उपाध्याय ने राज्य की भाजपा सरकार और अडानी स्मार्ट मीटर के खिलाफ एक बड़ा अभियान शुरू किया है। उन्होंने बढ़ती बिजली दरों और स्मार्ट मीटरों की कथित मनमानी रीडिंग को लेकर जनता से एकजुट होने की अपील की है।विकास उपाध्याय ने आम जनता के लिए एक विशेष शिकायत प्रारूप (फॉर्म) तैयार किया है। इसके माध्यम से लोग अपने बढ़े हुए बिजली बिलों और प्रीपेड स्मार्ट मीटरों के खिलाफ बिजली दफ्तरों में विरोध दर्ज करा सकेंगे।

आंदोलन की मुख्य बातें और शिकायत की प्रक्रिया

महंगाई का विरोध: देश और राज्य में बढ़ रही भीषण महंगाई के बीच बिजली बिलों के बोझ को आम जनता और छोटे दुकानदारों के साथ बड़ा अन्याय बताया गया है।

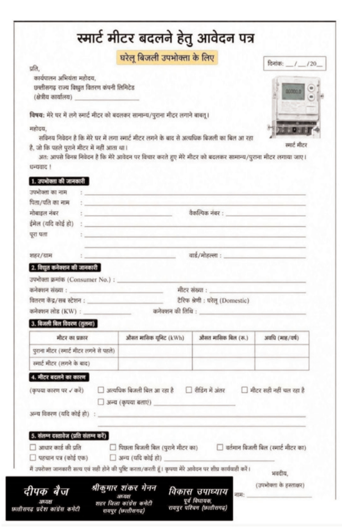
स्मार्ट मीटर बदलने हेतु आवेदन पत्र
घरेलू बिजली उपभोक्ता के लिए
दिनांक: __/__/20__
प्रति,
कार्यपालन अभियंता महोदय,
छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड
(क्षेत्रीय कार्यालय)
विषय: मेरे घर में लगे स्मार्ट मीटर को बदलकर सामान्य/पुराना मीटर लगाने बाबत्।
महोदय,
सविनय निवेदन है कि मेरे घर में लगा स्मार्ट मीटर लगने के बाद से अत्यधिक बिजली का बिल आ रहा है, जो कि पहले पुराने मीटर में नहीं आता था।
अतः आपसे विनम्र निवेदन है कि मेरे आवेदन पर विचार करते हुए मेरे मीटर को बदलकर सामान्य/पुराना मीटर लगाया जाए।
धन्यवाद !
1. उपभोक्ता की जानकारी
उपभोक्ता का नाम :
पिता/पति का नाम :
मोबाइल नंबर : वैकल्पिक नंबर :
ईमेल (यदि कोई हो) :
पूरा पता :
शहर/ग्राम : वार्ड/मोहल्ला :
2. विद्युत कनेक्शन की जानकारी
उपभोक्ता क्रमांक (Consumer No.) :
कनेक्शन संख्या : मीटर संख्या :
वितरण केंद्र/सब स्टेशन : टैरिफ श्रेणी : घरेलू (Domestic)
कनेक्शन लोड (KW) : कनेक्शन की तिथि :
3. बिजली बिल विवरण (तुलना)

मीटर का प्रकार	औसत मासिक यूनिट (kWh)	औसत मासिक बिल (रु.)	अवधि (माह/वर्ष)
पुराना मीटर (स्मार्ट मीटर लगने से पहले)			
स्मार्ट मीटर (लगने के बाद)			

4. मीटर बदलने का कारण
(कृपया कारण पर ✓ करें) ☐ अत्यधिक बिजली बिल आ रहा है ☐ रीडिंग में अंतर ☐ मीटर सही नहीं चल रहा है ☐ अन्य (कृपया बताएं)
अन्य विवरण (यदि कोई हो) :
5. संलग्न दस्तावेज (प्रति संलग्न करें)
☐ आधार कार्ड की प्रति ☐ पिछला बिजली बिल (पुराने मीटर का) ☐ वर्तमान बिजली बिल (स्मार्ट मीटर का)
☐ पहचान पत्र (कोई एक) ☐ अन्य (यदि कोई हो)
मैं उपरोक्त जानकारी सत्य एवं सही होने की पुष्टि करता/करती हूं। कृपया मेरे आवेदन पर शीघ्र कार्यवाही करें।
भवदीय,
(उपभोक्ता के हस्ताक्षर)
नाम:
दीपक बैज, अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी
श्रीकुमार शंकर मेनन, अध्यक्ष, शहर जिला कांग्रेस कमेटी रायपुर (छत्तीसगढ़)
विकास उपाध्याय, पूर्व विधायक, रायपुर पश्चिम (छत्तीसगढ़)

स्मार्ट मीटर पर आरोप: अपील में आरोप लगाया गया है कि 'साय-साय' चलते अडानी स्मार्ट मीटर मनमानी और तेज रीडिंग देकर घरों का बजट बिगाड़ रहे हैं। सरकार को घेरा: राज्य की वर्तमान भाजपा सरकार को गरीब विरोधी बताते हुए उन पर जनता पर महंगाई थोपने का आरोप लगाया गया है। जनता से फॉर्म भरने की अपील: पूर्व विधायक ने हर परिवार से हाथ जोड़कर आग्रह किया है कि वे इस शिकायत प्रारूप को भरें। इसके साथ अपने बिजली बिल की कॉपी लगाएं और अपने नजदीकी जोन बिजली ऑफिस में जाकर जोरदार विरोध दर्ज कराएं।विकास उपाध्याय ने इस अभियान को जन-आंदोलन बनाने के लिए इस शिकायत फॉर्म को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक शेयर करने और पहुंचाने की भी

जमीन के सभी लीगल दस्तावेज मौजूद, फिर भी मिल रही धमकियां

विश्व केसरी

परेशान महिला ने आत्महत्या की दी चेतावनी

रायपुर। राजधानी के ठक्कर बापा वार्ड निवासी एवं नगर पालिक निगम एक महिला कर्मचारी को उसकी लीगल प्रॉपर्टी में अवैध बताकर परेशान किया जा रहा है। जबकि महिला के पास जमीन के सभी लीगल कागज मौजूद है महिला ने मीडिया से रूबरू होते हुए परेशानी की बातों को साझा किया और न्याय की गुहार लगाई।

बता दे की ठक्कर बापा वार्ड निवासी जयंती दुर्गा पिता दुकालू भारती की ठक्कर बापा वार्ड में 1300 वर्ग फुट जमीन है जिसमें बैंक से ऋण प्राप्त करने के बाद तथा सभी विधि पूर्ण कार्रवाई करने के बाद महिला मकान बना कर रह रही है। अब इस महिला को एक अन्य महिला जिसका नाम उषा वर्मा बताया जा रहा है, ने जमीन पर जयंती दुर्गा का अवैध कब्जा बताकर प्रशासनिक कार्रवाई की चेतावनी और धमकियां दी जा रही है और लगातार परेशान भी किया जा रहा है। महिला का कहना है कि उसने नगर पालिक निगम सभी प्रक्रियाओं का पालन करते हुए बैंक से ऋण प्राप्त कर मकान बनाया है और उनके पास कागजात मौजूद हैं। ऐसे में उक्त महिला का अनायास परेशान करना व्यक्तिगत साजिश का हिस्सा हो सकता है।उन्होंने कहा कि मामला कोर्ट में विचाराधीन है। इसके बावजूद महिला परेशान करने में लगी हुई है।

कीमती लकड़ियों की तस्करी, वन विभाग की दबिश बाद खुला मामला

विश्व केसरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में वन विभाग ने लकड़ी की अवैध तरीके से तस्करी का बड़ा खुलासा किया है। कोरबा के सीएसईबी क्षेत्र से काटे गए साल के पेड़ों की कीमती लकड़ियों को सरकारी डिपो में जमा करने के बजाय अभनपुर के एक आरा मिल में भेज दिया गया। इस कार्रवाई में 8 से 10 लाख रुपये की लकड़ी की जब्ती के साथ ही आरा मिल को सील करते हुए आरोपी सुनील गुप्ता को गिरफ्तार कर लिया गया है।

वन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, यह पूरा मामला कोरबा जिले के सीएसईबी क्षेत्र से जुड़ा हुआ है। यहाँ नियमानुसार अनुमति लेकर साल प्रजाति के 206 पेड़ों की कटाई की गई थी। सरकारी प्रावधानों के मुताबिक, कटाई के बाद प्राप्त होने वाली पूरी लकड़ी को वन विभाग के निर्धारित डिपो में जमा कराया जाना अनिवार्य था, ताकि उसका विधिवत रिकॉर्ड रखा जा सके। मगर पेड़ों की कटाई करने वाले कोरबा निवासी सुनील गुप्ता ने नियमों को ताक पर रख दिया। उसने लकड़ी को सरकारी डिपो में जमा करने के बजाय, चुपके से रायपुर के अभनपुर स्थित एक आरा मिल में भिजवा दिया।

डिपो के निरीक्षण से खुली पोल

इस मामले का खुलासा कोरबा डीएफओ प्रेमलता यादव के डिपो निरीक्षण के दौरान हुआ। दरअसल स्टॉक में साल की लकड़ी कम मिली और कुछ गायब थीं। संदेह पर विशेष टीम बनी। पूछताछ और तकनीकी जांच में पता चला कि लकड़ी अभनपुर की आरा मिल में पहुंचा दी गई हैं।

अभनपुर में मारा छापा, मिल सील

वन विभाग की टीम ने अभनपुर आरा मिल में औचक दबिश दी। वहां से करीब 20 घन मीटर साल की लकड़ी बरामद हुई।

जब्त लकड़ी की कीमत 8 से 10 लाख रुपये आंकी गई है। मौके पर आरा मिल को

सील कर दिया गया और लकड़ी वापस कोरबा डिपो में सुरक्षित रखवाई गई।

वन अमले की मिलीभगत की आशंका

नियम के मुताबिक पेड़ों की कटाई की अनुमति मिलने के बाद वन अमले की मौजूदगी पेड़ों को काटकर उनका स्टॉक किया जाता है, मगर जिस तरह भारी मात्रा में लकड़ियां सीधे आरा मिल में पहुंचा दी गई, उससे मामले में वन कर्मियों और अफसरों की भूमिका होने की आशंका जताई जा रही है। डीएफओ प्रेमलता यादव ने बताया कि शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज कर सुनील गुप्ता को गिरफ्तार कर लिया गया है। अब जांच की जा रही है कि इस अवैध निकासी में और कौन-कौन लोग शामिल थे।

किसी भी स्थान पर पेड़ों की विधिवत कटाई की अनुमति कैसे मिलती है?

पेड़ों की कटाई के लिए संबंधित राज्य के वन विभाग या राजस्व विभाग जैसे अनुविभागीय अधिकारी से अनुमति लेनी होती है। निजी जमीन पर स्वयं लगाए गए पेड़ों (जैसे कृषि वानिकी) को काटने में छूट होती है, लेकिन प्राकृतिक रूप से उगे या प्रतिबंधित पेड़ों के लिए आवेदन और स्थल निरीक्षण आवश्यक है।

अनुमति मिलने के बाद पेड़ों की कटाई के क्या प्रावधान हैं?

अनुमति पत्र में एक निश्चित समय-सीमा दी जाती है (आमतौर पर 30 से 60 दिन)। आपको उसी अवधि के भीतर पेड़ों की कटाई पूरी करनी होती है।

पेड़ काटने के बाद उस लकड़ी को बेचने या ले जाने के लिए वन विभाग से ट्रांजिट पास लेना अनिवार्य है। कटाई के समय वन विभाग या स्थानीय निकाय के अधिकारी/कर्मचारी मौके पर उपस्थित रह सकते हैं। काटे गए पेड़ों के ठूंठ की तस्वीरें भी विभाग को देनी पड़ सकती हैं>

सबसे आखिरी में आएगा कवर्धा का रिजल्ट, 30 चक्रों में होगी मतों की गिनती, जिला मुख्यालयों में तैयारियां पूरी हो गई है।

पेड़ों की कटाई के बाद उनकी बिक्री के लिए क्या नियम हैं?

यदि पेड़ प्राकृतिक रूप से उगा है या शीशम, साल, और महुआ जैसे प्रतिबंधित/मूल्यवान पेड़ हैं, तो उन्हें काटने और बेचने के लिए वन विभाग या राजस्व विभाग (एसडीएम/ तहसीलदार) से अनुमति लेना अनिवार्य है। अमूमन सार्वजनिक या निजी उद्योग के लिए काटे गए पेड़ों की कटाई के बाद वन विभाग उसे स्टॉक करता है और विधिवत ढंग से उनकी नीलामी कराई जाती है। इससे मिली रकम जिसके हक में होती है उसके सुपुर्द किया।

संपादकीय

मंदिरों में भ्रष्टाचारः वहां सुशासन की नई क्रांति का सूत्रपात हो

ललित गर्ग

भारत की पहचान केवल उसकी प्राचीन सभ्यता, सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक दर्शन से नहीं है, बल्कि उन मंदिरों से भी है जो करोड़ों लोगों की आस्था, विश्वास और जीवन का आधार हैं। अयोध्या का श्रीराम मंदिर, बद्रीनाथ धाम, माता वैष्णोदेवी, तिरुपति, काशी विश्वनाथ, सोमनाथ, सालासर बालाजी, खाटू श्यामजी जैसे मंदिर केवल धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि भारतीय आत्मा के जीवंत प्रतीक हैं। इन मंदिरों में प्रतिदिन लाखों श्रद्धालु इस विश्वास के साथ पहुंचते हैं कि यहां उन्हें केवल भगवान के दर्शन ही नहीं, बल्कि आत्मिक शांति और नैतिक ऊर्जा भी प्राप्त होगी। लेकिन जब इन्हीं मंदिरों से चढ़ावे की चोरी, वित्तीय अनियमितताओं, वीआईपी संस्कृति, पुजारियों अथवा कर्मचारियों के अनुचित आचरण और श्रद्धालुओं के साथ दुर्व्यवहार की खबरें सामने आती हैं, तब केवल कोई संस्था बदनाम नहीं होती, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था घायल होती है। हाल के वर्षों में श्रीराम मंदिर, बद्रीनाथ और अब माता वैष्णोदेवी मंदिर में चढ़ावे से जुड़े कथित भ्रष्टाचार के मामलों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि मंदिरों की व्यवस्था को केवल धार्मिक भावना के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। जिस धन को श्रद्धालु भगवान का अर्पण मानकर समर्पित करते हैं, वह किसी व्यक्ति या समूह की निजी संपत्ति नहीं है। उस धन का प्रत्येक रुपया सार्वजनिक विश्वास की धरोहर है। यदि उसी में अपारदर्शिता या चोरी का संदेह पैदा हो जाए तो यह केवल आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि धार्मिक विश्वास के साथ विश्वासघात है। सरकार

मंदिरों में बढ़ती अव्यवस्था का दूसरा गंभीर पक्ष है-वीआईपी दर्शन संस्कृति। आज देश का सामान्य श्रद्धालु कई-कई घंटे कतार में खड़ा रहता है। वृद्ध, महिलाएं, दिव्यांग और छोटे बच्चों के साथ आए परिवार कठिन परिस्थितियों में अपनी बारी की प्रतीक्षा करते हैं। लेकिन जैसे ही कोई

मंत्री, विधायक, अधिकारी या प्रभावशाली व्यक्ति पहुंचता है, सामान्य दर्शन रोक दिए जाते हैं और वीआईपी दर्शन शुरू हो जाते हैं। आम श्रद्धालु की लाइन रोक दी जाती है, उसके दर्शन का समय बाधित होता है और उसे यह एहसास कराया जाता है कि भगवान के दरबार में भी सभी बराबर नहीं हैं। यह स्थिति भारतीय संस्कृति और धर्म की मूल भावना के विपरीत है। हमारे शास्त्र कहते हैं कि ईश्वर के समक्ष राजा और रंक में कोई भेद नहीं होता। यदि मंदिरों में भी सामाजिक और राजनीतिक विशेषाधिकार का प्रदर्शन होगा तो यह धर्म के मूल स्वरूप का अपमान है। मंदिरों को लोकतांत्रिक समानता और आध्यात्मिक समरसता का सर्वोच्च उदाहरण बनना चाहिए, न कि सामाजिक असमानता का मंच।

आज आवश्यकता इस बात की है कि पूरे देश में 'समान मन्दिर दर्शन नीति' लागू की जाए। राष्ट्रीय सुरक्षा या अत्यंत विशिष्ट संवैधानिक परिस्थितियों को छोड़कर किसी भी व्यक्ति को सामान्य श्रद्धालुओं की कतार से अलग विशेष दर्शन का अधिकार नहीं मिलना चाहिए। यदि किसी कारणवश सुरक्षा व्यवस्था आवश्यक हो, तब भी आम श्रद्धालुओं के दर्शन बाधित नहीं होने चाहिए। भगवान के दरबार में सबसे बड़ा वीआईपी केवल श्रद्धा होनी चाहिए, पद और सत्ता नहीं। इसी प्रकार मंदिरों की चढ़ावा व्यवस्था में व्यापक सुधार की आवश्यकता है। आज डिजिटल भारत का युग है, फिर भी अनेक मंदिरों में दान और चढ़ावे की पारदर्शी व्यवस्था विकसित नहीं हो सकी है। प्रत्येक बड़े मंदिर में दान-पात्रों की इलेक्ट्रॉनिक निगरानी, सीसीटीवी कैमरे, बारकोड आधारित सीलिंग, नियमित स्वतंत्र ऑडिट तथा प्रत्येक माह आय-व्यय का सार्वजनिक विवरण वेबसाइट और सूचना पट्ट पर उपलब्ध कराया जाना चाहिए। श्रद्धालु को यह जानने का अधिकार है कि उसके द्वारा दिया गया धन कहां और किस उद्देश्य में उपयोग किया जा रहा है। भौगोलिकसंदर्भ

इसके साथ ही मंदिर प्रशासन में केवल धार्मिक पहचान ही नहीं, बल्कि चरित्र, ईमानदारी और प्रशासनिक दक्षता को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। मंदिर प्रबंधन समितियों में ऐसे व्यक्तियों को स्थान मिले जिनकी सामाजिक प्रतिष्ठा निष्कलंक हो, जिनका सार्वजनिक जीवन पारदर्शी रहा हो और जिन पर किसी प्रकार के भ्रष्टाचार या आपराधिक आरोप न हों। समय-समय पर उनके कार्यों का स्वतंत्र मूल्यांकन भी किया जाए। मंदिर प्रबंधन किसी का विशेषाधिकार नहीं, बल्कि समाज के प्रति उत्तरदायित्व है। मंदिरों में सेवा करने वाले पुजारियों, कर्मचारियों और सुरक्षा कर्मियों के लिए भी आचार-संहिता बनाई जानी चाहिए। श्रद्धालुओं के साथ दुर्व्यवहार, अभद्र भाषा, दलालों से मिलीभगत, नशाखोरी या किसी भी प्रकार का अनुशासनहीन व्यवहार पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई हो।

सोनम वांगचुक और सुर्खियों से आगे का सच

डॉ. प्रियंका सौरभ

लोकतंत्र में किसी भी आंदोलन की सफलता का सबसे बड़ा आधार उसका वास्तविक जनसमर्थन होता है। कैमरों की चमक, सोशल मीडिया की ट्रेंडिंग सूची, यूट्यूब की लाखों व्यूज़ या टीवी चैनलों की लगातार बहसें किसी आंदोलन को चर्चा का विषय तो बना सकती हैं, लेकिन वे स्वयं जनमत का प्रमाण नहीं होतीं। इतिहास गवाह है कि अनेक ऐसे आंदोलन रहे जिन्हें मीडिया ने बहुत कम स्थान दिया, फिर भी वे समाज में व्यापक परिवर्तन का कारण बने। वहीं कुछ ऐसे आंदोलन भी रहे जो मीडिया में छाए रहे, लेकिन समाज में स्थायी आधार नहीं बना सके।

पिछले कुछ वर्षों में लद्दाख और वहां के पर्यावरण, संवैधानिक अधिकारों तथा स्थानीय प्रतिनिधित्व को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक चर्चा हुई है। इस विमर्श में सोनम वांगचुक एक प्रमुख चेहरा बनकर उभरे। उन्होंने जलवायु परिवर्तन, हिमालयी पारिस्थितिकी, स्थानीय संस्कृति और प्रशासनिक व्यवस्था से जुड़े मुद्दों को राष्ट्रीय मंच पर रखा। देशभर में अनेक लोगों ने उनके विचारों का समर्थन किया, जबकि दूसरी ओर ऐसे लोग भी हैं जो मानते हैं कि उनकी राष्ट्रीय पहचान और स्थानीय जनसमर्थन के बीच पर्याप्त अंतर है।

यही प्रश्न आज लोकतांत्रिक विमर्श के केंद्र में है—क्या किसी व्यक्ति की राष्ट्रीय लोकप्रियता ही उसके स्थानीय जनाधार का प्रमाण है? या फिर किसी आंदोलन की वास्तविक शक्ति उसके अपने समाज के विश्वास और भागीदारी से तय होती है?

हाल ही में लद्दाख के एक सामाजिक संगठन के पदाधिकारी से हुई बातचीत में यह मत सामने आया कि लद्दाख में सोनम वांगचुक के समर्थन में वैसी व्यापक जन-लहर नहीं दिखाई देती जैसी राष्ट्रीय मीडिया में प्रस्तुत की जाती है। यदि यह आकलन सही है, तो यह विचारणीय है कि राष्ट्रीय विमर्श और स्थानीय वास्तविकता के बीच इतना अंतर क्यों दिखाई देता है। साथ ही यह भी उतना ही आवश्यक है कि किसी एक संगठन

या व्यक्ति की राय को पूरे लद्दाख की सामूहिक राय मान लेने से भी बचा जाए। लोकतंत्र में समाज बहुआयामी होता है और किसी भी क्षेत्र में अनेक मत, अनेक समूह और अनेक दृष्टिकोण मौजूद रहते हैं।

आज मीडिया का स्वरूप पहले जैसा नहीं रहा। पहले समाचारों का चयन संपादकीय विवेक से होता था, अब एल्गोरिद्म, क्लिक, व्यूज़ और ट्रेंड भी यह तय करने लगे हैं कि कौन-सा मुद्दा अधिक दिखाई देगा। परिणामस्वरूप कई बार किसी व्यक्ति की छवि उसके वास्तविक सामाजिक प्रभाव से कहीं अधिक बड़ी दिखाई देने लगती है। दूसरी ओर, कई ऐसे स्थानीय मुद्दे जो वास्तव में जनता के जीवन से जुड़े होते हैं, राष्ट्रीय विमर्श से गायब रहते हैं।

सोशल मीडिया ने अभिव्यक्ति का लोकतंत्रीकरण किया है, लेकिन इसके साथ ही उसने 'नैरेटिव निर्माण' को भी नई गति दी है। कुछ मिनट का वीडियो, भावनात्मक अपील, प्रभावशाली संगीत और लगातार साझा किए जाने वाले संदेश किसी भी व्यक्ति को राष्ट्रीय पहचान दिला सकते हैं। किंतु लोकतंत्र केवल डिजिटल लोकप्रियता से नहीं चलता। लोकतंत्र का आधार वास्तविक समाज, वास्तविक नागरिक और वास्तविक जनभागीदारी है।

आज अनेक यूट्यूब चैनल स्वयं को स्वतंत्र पत्रकारिता का प्रतिनिधि बताते हैं। उनमें से कई उत्कृष्ट कार्य भी कर रहे हैं, लेकिन कुछ ऐसे भी हैं जो किसी वैचारिक, राजनीतिक या व्यावसायिक उद्देश्य से एकतरफा सामग्री प्रस्तुत करते हैं। ऐसे में दर्शकों के सामने चुनौती यह होती है कि वे सूचना और प्रचार के बीच अंतर कैसे करें। यदि कोई चैनल केवल एक ही पक्ष को दिखाए और दूसरे पक्ष की उपेक्षा करे, तो वह पत्रकारिता के मूल उद्देश्य से भटक जाता है।

इसी प्रकार मुख्यधारा का मीडिया भी कई बार व्यक्तियों को मुद्दों से बड़ा बना देता है। परिणाम यह होता है कि पर्यावरण, स्थानीय प्रशासन, रोजगार, शिक्षा, पर्यटन और सीमावर्ती क्षेत्रों की समस्याओं जैसे गंभीर विषय पीछे छूट जाते हैं और चर्चा केवल किसी एक चेहरे तक सीमित रह जाती है। लोकतंत्र में यह प्रवृत्ति स्वस्थ नहीं मानी जा सकती।

यह भी ध्यान रखना चाहिए कि किसी भी आंदोलन की सफलता केवल उसके नेता की लोकप्रियता पर निर्भर नहीं करती। यदि स्थानीय समाज सक्रिय रूप से उसके साथ नहीं जुड़ता, तो आंदोलन की गति सीमित हो सकती है। वहीं यदि जनता व्यापक रूप से उसके साथ खड़ी हो, तो मीडिया चाहे जितना मौन रहे, आंदोलन अपनी दिशा स्वयं बना लेता है। भारत के स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर अनेक सामाजिक आंदोलनों तक यही अनुभव सामने आया है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि मीडिया किसी भी आंदोलन का मूल्यांकन केवल उसके चर्चित चेहरे के आधार पर न करे। उसे यह भी देखना चाहिए कि उस आंदोलन से स्थानीय लोग कितनी संख्या में जुड़े हैं, उनके जीवन पर उसका क्या प्रभाव पड़ रहा है और उनके भीतर उसके प्रति कितना विश्वास है। इसी प्रकार किसी आंदोलन के आलोचकों को भी तथ्यों और प्रमाणों के आधार पर अपनी बात रखनी चाहिए, न कि केवल भावनात्मक प्रतिक्रियाओं के आधार पर।

लोकतंत्र में असहमति का अधिकार उतना ही महत्वपूर्ण है जितना समर्थन का। यदि कोई व्यक्ति सरकार की नीतियों की आलोचना करता है, तो उसे अपनी बात रखने का अधिकार है। उसी प्रकार यदि समाज का कोई वर्ग उसकी बात से असहमत है, तो उसे भी अपनी राय रखने का समान अधिकार है। लोकतांत्रिक परंपरा का अर्थ ही यही है कि विभिन्न मत सम्मानपूर्वक सामने आएँ और जनता स्वयं निर्णय करे।

लद्दाख जैसे संवेदनशील सीमावर्ती क्षेत्र में विकास, पर्यावरण, सुरक्षा और स्थानीय पहचान के प्रश्न अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इन विषयों पर गंभीर और तथ्याधारित चर्चा होनी चाहिए। यदि पूरा विमर्श केवल किसी एक व्यक्ति के समर्थन या विरोध तक सीमित हो जाए, तो वास्तविक समस्याएँ पीछे छूट जाती हैं। इससे न समाज का भला होता है और न ही लोकतंत्र का।

आज डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म पर किसी भी विषय को लेकर कुछ ही घंटों में राष्ट्रीय अभियान चलाया जा सकता है।

हैशटैग ट्रेंड होने लगते हैं, वीडियो वायरल हो जाते हैं और यह भ्रम पैदा हो सकता है कि पूरा देश किसी एक मत पर सहमत है। किंतु वास्तविक जनमत का आकलन केवल डिजिटल गतिविधियों से नहीं किया जा सकता। गाँव, कस्बे, स्थानीय संस्थाएँ, नागरिक संगठन और जनता की प्रत्यक्ष भागीदारी कहीं अधिक महत्वपूर्ण संकेतक हैं।

पत्रकारिता का मूल धर्म सत्ता से प्रश्न पूछना है, लेकिन उतना ही आवश्यक यह भी है कि वह आंदोलनों और उनके नेताओं से भी प्रश्न पूछे। यदि पत्रकारिता केवल किसी एक पक्ष की प्रवक्ता बन जाए, तो उसकी विश्वसनीयता कम हो जाती है। लोकतंत्र में मीडिया की सबसे बड़ी पूँजी उसकी निष्पक्षता और विश्वसनीयता है।

आज आवश्यकता संतुलित विमर्श की है। किसी भी व्यक्ति को देवता बनाना भी उचित नहीं और बिना पर्याप्त तथ्यों के उसे पूरी तरह खारिज कर देना भी लोकतांत्रिक दृष्टि से उचित नहीं है। व्यक्तियों से अधिक महत्वपूर्ण वे मुद्दे हैं जिनके लिए वे आवाज़ उठाते हैं। यदि मुद्दे सही हैं, तो उन पर चर्चा होनी चाहिए; यदि तर्क कमजोर हैं, तो उनकी आलोचना भी तथ्यों के आधार पर होनी चाहिए।

अंततः लोकतंत्र में अंतिम निर्णय जनता करती है। मीडिया केवल सूचना का माध्यम हो सकता है, निर्णय का स्थानापन्न नहीं। सोशल मीडिया किसी व्यक्ति को प्रसिद्ध बना सकता है, लेकिन स्थायी सम्मान वही प्राप्त करता है जिसे समाज का विश्वास मिलता है। इसलिए किसी भी आंदोलन का मूल्यांकन कैमरों की संख्या, व्यूज़, लाइक या ट्रेंडिंग हैशटैग से नहीं, बल्कि उसके वास्तविक जनाधार, स्थानीय सहभागिता, लोकतांत्रिक स्वीकार्यता और समाज पर पड़े प्रभाव से किया जाना चाहिए।

लोकतंत्र का भविष्य भी इसी संतुलन में सुरक्षित है—जहाँ मीडिया तथ्य प्रस्तुत करे, समाज विवेक से निर्णय ले और किसी भी व्यक्ति या आंदोलन का मूल्यांकन प्रचार नहीं, बल्कि प्रमाण और जनविश्वास के आधार पर किया जाए। यही स्वस्थ लोकतांत्रिक संस्कृति की पहचान है और यही पत्रकारिता का वास्तविक दायित्व भी।

क्या बलूचिस्तान पाकिस्तान के नियंत्रण से फिसल रहा है?

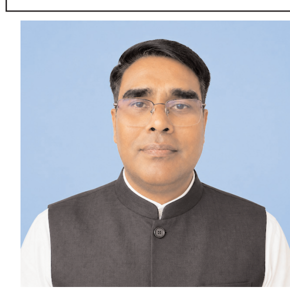

महेन्द्र तिवारी

पाकिस्तान का सबसे बड़ा और संसाधन संपन्न प्रांत बलूचिस्तान एक बार फिर गहरी अशांति और अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक चर्चा के केंद्र में आ गया है। पिछले कुछ समय में इस क्षेत्र से छनकर आ रही खबरें, विद्रोही गुटों के दावे और पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान की प्रतिक्रियाएं इस बात का स्पष्ट संकेत हैं कि यह विवाद अब एक नए और अधिक हिंसक चरण में प्रवेश कर चुका है। बलूच राष्ट्रवादियों द्वारा पाकिस्तानी सैन्य चौकियों पर हमलों के दावे और इसके जवाब में सेना के व्यापक अभियानों ने पूरे क्षेत्र की सुरक्षा स्थिति को बेहद नाजुक बना दिया है। इंटरनेट और सोशल मीडिया के इस आधुनिक युग में दोनों पक्षों की ओर से सूचना और दुष्प्रचार का जो युद्ध लड़ा जा रहा है, उसने जमीनी हकीकत को समझना और भी चुनौतीपूर्ण कर दिया है। हालांकि यह विवाद केवल हालिया सैन्य झड़पों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसकी जड़ें दशकों पुराने राजनीतिक असंतोष, आर्थिक वंचना और पहचान के संकट में गहराई तक समाहित हैं जो अब एक नासूर का रूप ले चुकी हैं।

पाकिस्तान के निर्माण के समय से ही बलूचिस्तान का प्रश्न इस्लामाबाद के लिए गले की हड्डी बना रहा है। बलूच लोगों का एक बड़ा वर्ग यह मानता है कि वर्ष उन्नीस सौ सैंतालीस में उनके तत्कालीन राज्य कलात का पाकिस्तान में विलय उनकी स्पष्ट इच्छा के विरुद्ध किया गया था। इसी ऐतिहासिक असंतोष ने समय के साथ एक मजबूत राष्ट्रवादी आंदोलन को जन्म दिया, जो हर गुजरते दशक के साथ अधिक उग्र और हिंसक होता गया। बलूच राष्ट्रवादियों की सबसे मुख्य शिकायत यह है कि उनके क्षेत्र को पाकिस्तान द्वारा केवल एक आर्थिक उपनिवेश के रूप में देखा जाता है। बलूचिस्तान प्राकृतिक गैस, तांबे, सोने और अन्य बहुमूल्य खनिजों का अथाह भंडार है। इसके बावजूद इन विशाल संसाधनों से प्राप्त होने वाले राजस्व का एक बहुत ही नगण्य हिस्सा स्थानीय विकास कार्यों पर खर्च किया जाता है। स्थानीय निवासियों को रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं से योजनाबद्ध तरीके से वंचित रखा गया है, जबकि इस्लामाबाद और पंजाब प्रांत के अभिजात्य वर्ग इन संसाधनों का भरपूर लाभ उठा रहे हैं। यह घोर आर्थिक असमानता उस गुस्से को और भड़काती है जो अंततः आम युवाओं को मुख्यधारा से काटकर विद्रोही गुटों की ओर धकेलता है।

हाल के वर्षों में बलूच लिबरेशन आर्मी जैसे कई विद्रोही संगठनों ने अपनी रणनीतिक क्षमता और मारक शक्ति में अप्रत्याशित वृद्धि की है। पहले जहां ये हमले केवल छिटपुट और प्रतीकात्मक होते थे, वहीं अब ये बेहद सुनियोजित और बड़े पैमाने पर किए जा रहे हैं। वर्तमान विद्रोह की एक और विशेष बात यह है ।

पाठकनामा

फिर बलि चढ़ गई दो बेटियाँ

बेटियों के लिए बड़े-बड़े स्लोगन लिखने वाले बेटियों पर प्रेम दिखलाने वालों समाज अभी भी नहीं बदला है। बेटियों की जो बुरी दशा वह अभी भी चल रही है कुछ लालची भेड़िये अभी भी बेटियों को दहेज की बलि चढ़ा ही रहे हैं। उनका जीवन खिलवाड़ करके समाप्त कर रहे हैं,लेकिन इसमें समझने वाली बात यह है कि जो माता-पिता बेटियों को पालते है,शिक्षा देते हैं पढ़ाते लिखाते हैं वे उन्हें एडजस्टमेंट की सीख क्यों देते हैं?

और एडजस्टमेंट भी किस सीमा तक ?क्या इसका भी कोई पैमाना निर्धारित है अथवा जान जाने तक करना होगा ?दीपिका नागर,नोएडा,(उ.प्र) की यह बेटी जब ससुराल गई तो उससे 50 लाख नगदी और फॉर्च्यूनर की मांग कर प्रताड़ित किया जाने लगा।वह अपने घर वापस आना चाहती थी ।लेकिन उसकी माँ द्वारा उसे यह कहा गया की एडजस्ट करो । वह खुद को सुरक्षित महसूस नहीं कर रही थी, इसलिए उसने माँ से कहा था कि मुझे यहां से ले चलो । उसकी बातों को गंभीरता से लेने की बजाय सीख दे दी गई। परिणाम सबके सामने है। दीपिका के सिर के अंदर यानी मस्तिष्क के मध्य और बाईं ओर खून का थक्का जमा हुआ था. मार-पीट इस कदर बेरहमी से की गई थी कि शरीर के अंदर मौजूद तिल्ली फट चुकी थी और अंदरूनी अंगों में भारी ब्लीडिंग हुई थी. चोटों की तीव्रता इतनी भयानक थी कि शरीर का दिल बिल्कुल खाली पाया गया.अगर दीपिका की बातों को गंभीरता से ले लिया होता तो आज दीपिका जिंदा होती।

दूसरी घटना भोपाल की ट्वीशा शर्मा की है उसकी सास एक जज थी। अब जज के यहां पर भी बेटियां सुरक्षित नहीं रही

ट्विशा को मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया और उनके चरित्र पर सवाल उठाए गए।उसके शरीर पर भी चोट के निशान पाये गये।उसकी मौत के बाद भी उसके सास का यह बयान चौंकाने वाला था कि ट्वीशा पौधों में पानी नहीं डालती थी।क्या उसकी मृत्यु मात्र एक छोटी सी घटना थी ? जो घट गई और इतनी सहज थी कि उसे भूला भी दिया जाये।

सवाल यह है कि समाज में पढ़े लिखे और धनी वर्ग भी पैसे के लालच में इतना गिर चुके हैं कि वह किसी की जान लेने में भी शर्म नहीं कर रहे, मानव के नाम पर भी कलंक है । यह घटनायें मानवता को शर्मसार कर रही है।यहाँ पर यही कहना उचित होगा कि यदि आपकी औकात किसी को रखने की नहीं है तो विवाह मत करो लेकिन किसी की बेटी का जीवन मत छीनो।

कविता चौहान, इंदौर (म. प्र)

तीर तेवर — सागर कुमार

व्यंग्य केसरी

ट्रेन बनाम शादीघर!

वीरेंद्र बहादुर सिंह

रेलवे अधिकारियों को बुलेट ट्रेन की रफ्तार से मीटिंग में पहुंचने का आदेश मिला। एक अधिकारी ने पहला सवाल किया, 'इतनी इमरजेंसी क्यों? क्या फिर कोई ट्रेन दुर्घटना हो गई? या बारिश के कारण ट्रेनें बंद हो गई हैं?'

दूसरे अधिकारी ने कहा, 'अरे यार, ऐसे फालतू जनहित वाले सवालों के लिए हम कब से दौड़ने लगे?'

तभी साहब गंभीर होते हुए बोले, 'शांत रहिए। रेलवे से जुड़ी एक बहुत बड़ी घटना सामने आई है। बहुत ही बड़ी...'

एक अधिकारी फिर बोल पड़ा, 'इतनी बड़ी कि उस पर एक साथ दस-बीस रील बनानी पड़ जाए?'

बॉस ने झुंझलाकर कहा, 'उससे भी बड़ी। महाराष्ट्र में एक दंपति ने फर्स्ट क्लास कूपे में डेकोरेटर बुलाकर गुब्बारों और 'आई लव यू' की सजावट करवा दी और उसे हनीमून कोच बना दिया।'

एक अधिकारी उत्साहित होकर बोला, 'ग्रेट, अब लोगों को मनाली, बाली और गोवा जैसे पुराने हनीमून फोटो के बजाय कुछ अलग तस्वीरें देखने को मिलेंगी।'

दूसरे अधिकारी ने कहा, 'वाह, भारतीय सचमुच ट्रेन को अपना घर मानते हैं। रील बनाने के लिए तो यह शानदार आइडिया है।'

तीसरे अधिकारी ने कहा, 'मेरे पास तो आइडियाओं की पूरी एक्सप्रेस है। आखिर कब तक हम लोगों से आरएसी में आधी सीट का पूरा किराया और कैंसिलेशन चार्ज के नाम पर पैसा वसूलते रहेंगे? इससे अच्छा तो ट्रेनों को ही किराए पर वेन्यू की तरह देना शुरू कर दें। जैसे गांव में शादी घर होता है, वैसे ही रेलवे को पूरे देश का चलता-फिरता शादी घर या कम्युनिटी हॉल बना दें। लोग ट्रेन के अंदर ही शादी, गोद भराई, मुंडन, सगाई जैसे कार्यक्रमों के लिए कोच किराए पर ले सकें। मेहमानों के आने-जाने और ठहरने का झंझट भी खत्म। सिंगल डेस्टिनेशन वेडिंग नहीं, बल्कि मल्टीपल डेस्टिनेशन वेडिंग हो जाएगी।

चौथे अधिकारी ने कहा, 'मैं तो कहता हूं कि शोकसभा के लिए भी ट्रेन किराए पर दी जा सकती है। आम आदमी सेकंड क्लास में शोकसभा रखे, अमीर लोग फर्स्ट क्लास में और कोई वीवीआईपी हो तो पूरी ट्रेन ही बुक कर ले। शोकसभा की तरह कवि सम्मेलन या मुशायरे के लिए भी ट्रेन किराए पर दी जा सकती है। आखिर शोकसभा हो या कवि सम्मेलन, दोनों जगह ज्यादातर लोगों के चेहरे एक जैसे गंभीर ही दिखाई देते हैं।'

पांचवें अधिकारी ने कहा, 'आजकल नेताओं को सभाओं में भीड़ जुटाने के लिए पूरी-सब्जी खिलानी पड़ती है और 500 रुपए भी देने पड़ते हैं। उससे अच्छा तो ट्रेनें ही भाषण देने के लिए किराए पर दे दी जाएं। नेता जिस तेजी से पार्टियां बदलते हैं, उसी तरह ट्रेन में एक-एक कोच बदलते हुए भाषण देते रहेंगे।'

बॉस ने चींटी जैसी पतली आवाज में कहा, 'भाई, रहने दो। यह आइडिया मत देना। अगर मंत्रियों ने रोड शो की जगह ट्रेन शो शुरू कर दिया तो मैं और तुम सब उसी में लग जाएंगे। जैसे लाल सिग्नल मिलते ही ट्रेन रुक जाती है, वैसे ही बॉस की चेतावनी से मीटिंग एक्सप्रेस भी वहीं रुक गई।

जेड-436ए, सेक्टर-12,
नोएडा-201301 (उ.प्र.)
मो- 8368681336

इतिहास

19 जुलाई का दिन भारतीय और विश्व इतिहास में कई महत्वपूर्ण घटनाओं का साक्षी रहा है। आज ही के दिन 1969 में भारत के 14 बड़े निजी बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया गया था ?इसके अलावा, 1974 में महान क्रांतिकारी शहीद उधम सिंह के अवशेष लंदन से भारत लाए गए थे ?19 जुलाई की प्रमुख ऐतिहासिक घटनाओं का विवरण निम्नलिखित है:भारत के इतिहास में (19 जुलाई)1969: तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश के 14 प्रमुख निजी बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया ?1974: जलियांवाला बाग हत्याकांड का बदला लेने वाले महान क्रांतिकारी शहीद उधम सिंह के अवशेष लंदन से नई दिल्ली लाए गए ?1948: भारत और पाकिस्तान के बीच आवाजाही को नियंत्रित करने के लिए 'परमिट प्रणाली' लागू की गई ?2001: भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने पाकिस्तान के तत्कालीन राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ के साथ आगरा शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया।

तेंदूपत्ता बिक्री में टूटा 38 साल का रिकॉर्ड

तेंदूपत्ता बिक्री में टूटा 38 साल का रिकॉर्ड, 4 हजार परिवारों की चमकी किस्मत

विश्व केसरी

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले की गीदम समिति ने एक नया कीर्तिमान रचा है। यहां तेंदूपत्ता विक्रय में 38 वर्षों का पिछला रिकॉर्ड टूट गया है। राज्य लघु वनोपज संघ द्वारा हाल ही में आयोजित ऑनलाइन निविदा में यह ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की गई है।

इस निविदा के दौरान गीदम समिति के तेंदूपत्ता की भारी मांग देखी गई। समिति का माल 10,609 रुपये और 10,909 रुपये प्रति मानक बोरा की रिकॉर्ड दर पर बिका। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने इसे एक बड़ी उपलब्धि बताया है। उन्होंने कहा कि यह वनाश्रित परिवारों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

4 हजार परिवारों को मिलेगा सीधा लाभ

इस रिकॉर्ड तोड़ बिक्री का सीधा फायदा स्थानीय स्तर पर काम करने वाले संग्रहकों को मिलेगा। प्राप्त अतिरिक्त राशि का वितरण बोनस के रूप में किया जाएगा। इसका लाभ समिति से जुड़े लगभग 4,000 वनाश्रित परिवारों को मिलेगा।

यही वजह है कि वन विभाग की इस सफलता से आदिवासी अंचलों में काफी उत्साह है बाढ़ प्रभावितों का हाल जानने सीधे उनके बीच पहुँचे मुख्यमंत्री विष्णु देव साय अधिकारियों को राहत एवं पुनर्वास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए।

पारदर्शी व्यवस्था का मिला परिणाम

मंत्री केदार कश्यप ने इस सफलता का श्रेय राज्य की पारदर्शी कार्यप्रणाली को दिया है। उन्होंने बताया कि अब तेंदूपत्ता संग्रहण से जुड़ी हर प्रक्रिया डिजिटल है। बता दें कि अब भुगतान की प्रक्रिया आसान हो गई है संग्राहकों के खाते में ही भुगतान किया जाता है। डीबीटी के माध्यम से राशि भेजने से बिचौलियों का खेल खत्म हुआ है। बोनस के अलावा बीमा और छात्रवृत्ति का लाभ भी संग्रहकों को समय पर मिल रहा है।

आगे क्या होगा?

सरकार अब इस मॉडल को अन्य समितियों में भी प्रभावी ढंग से लागू करने की तैयारी में है। मंत्री ने वन अमले, फड़ मुंशियों और जिला लघु वनोपज संघ के पदाधिकारियों को बधाई दी है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में भी छत्तीसगढ़ के वनाश्रित परिवारों की आय बढ़ाने के लिए सरकार हर संभव प्रयास करेगी। स्थानीय अधिकारी अब आने वाले सीजन के लिए भी ऐसी ही पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित करने में जुट गए हैं।

चिल्फी में रसोई पर संकट, एजेंसी बंद और ब्लैक मार्केटिंग पर उठ रहे सवाल

विश्व केसरी

कवर्धा (जगदंबिका साहू)। कबीरधाम जिले के छत्तीसगढ़-मध्यप्रदेश सीमा से लगे पर्यटन स्थल और प्रदेश के 'शिमला' के नाम से प्रसिद्ध चिल्फी क्षेत्र में रसोई गैस की व्यवस्था पूरी तरह से बदहाल होती नजर आ रही है। आदिवासी बाहुल्य इस इलाके में दो साल पहले आदिम जाति सेवा सहकारी समिति के माध्यम से गैस एजेंसी का संचालन किया जाता था, जिससे हजारों परिवारों को घरेलू गैस कनेक्शन, रिफिलिंग एवं अन्य सुविधाएं उपलब्ध हो रही थीं। लेकिन सहकारी समिति के तत्कालीन प्रबंधक की कथित लापरवाही और मनमानी के चलते गैस एजेंसी का संचालन बंद हो गया और आज तक दोबारा व्यवस्था शुरू नहीं हो सकी।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि गैस एजेंसी बंद होने के बाद संबंधित जिम्मेदार अधिकारी और विभागीय अमला पूरी तरह मौन साधे हुए हैं। न तो बंद हुई एजेंसी की जवाबदेही तय की गई और न ही यह जांच की गई कि आखिर हजारों उपभोक्ताओं की सुविधा अचानक क्यों बंद कर दी गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि तत्कालीन प्रबंधक व्यवस्था को बंद कर 'डकार' गए और इसके बाद पूरे मामले को ठंडे

बस्ते में डाल दिया गया। स्थिति यह है कि आज चिल्फी, धवाई पानी, बोककरखार, कुंड पानी, आमपनी, बेंदा, लूप, बहना खुदरा रेंगाखार, झलमला, सोमनपुर और आसपास के वनांचल क्षेत्रों में रहने वाले गरीब एवं आदिवासी परिवारों को रसोई गैस के लिए भटकना पड़ रहा है। इसका फायदा उठाकर कुछ किराना दुकान संचालक और बिचौलिए गैस कनेक्शन एवं सिलेंडर ब्लैक में बेच रहे हैं। ग्रामीणों के अनुसार नए गैस सिलेंडर 2 हजार से 3 हजार रुपये तक की अवैध वसूली की जा रही है। गरीब परिवार मजबूरी में ऊंची कीमत चुकाने को विवश हैं।

सबसे गंभीर बात यह है कि केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, जिसका उद्देश्य गरीब और वनवासी परिवारों को धुएं से मुक्ति दिलाना है, वह चिल्फी क्षेत्र में अधिकारियों की उदासीनता के कारण दम तोड़ती नजर आ रही है। बड़ी संख्या में पात्र हितग्राही आज भी योजना के लाभ से वंचित हैं। कई महिलाओं को आज भी लकड़ी और गोबर के चूल्हों पर खाना बनाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, जिससे उनके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों का कहना है कि यदि समय रहते गैस एजेंसी का संचालन पुनः प्रारंभ नहीं किया गया तो यह मामला बड़े जनआंदोलन का रूप ले सकता है। लोगों का सवाल है कि जब क्षेत्र में हजारों उपभोक्ता मौजूद हैं तो आखिर गैस एजेंसी को बंद रखने का लाभ किसे मिल रहा है और क्या जिम्मेदार अधिकारियों की चुप्पी ब्लैक मार्केटिंग को संरक्षण देने का संकेत नहीं है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन, खाद्य विभाग और सहकारिता विभाग से मांग की है कि पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच कर तत्कालीन प्रबंधक की जवाबदेही तय की जाए। साथ ही चिल्फी क्षेत्र में गैस एजेंसी का संचालन पुनः शुरू कर पात्र परिवारों को उज्ज्वला योजना के तहत नए कनेक्शन उपलब्ध कराए जाएं। फिलहाल सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर कब तक चिल्फी के वनवासी परिवार धुएं में जिंदगी बिताते रहेंगे और जिम्मेदार अधिकारी आंखें मूंदे बैठे रहेंगे। पर्यटन के नाम पर पहचान बना चुके चिल्फी में बुनियादी सुविधा का यह संकट प्रशासनिक उदासीनता की एक बड़ी तस्वीर पेश कर रहा है।

संक्षिप्त खबरें

बेमेतरा में देशी कट्टा लहराकर लोगों को डराने वाले 2 आरोपी गिरफ्तार

विश्व केसरी

बेमेतरा। जिले के ग्राम खुड़मुड़ी में गौठान के पास बाजार चौक में देशी कट्टा लहराकर लोगों को डराने-धमकाने के मामले में सिटी कोतवाली पुलिस ने 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों के पास से एक देशी कट्टा भी बरामद किया गया है।

पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि खुड़मुड़ी गाँव में एक व्यक्ति काले रंग का देशी कट्टा लहराकर आम लोगों को धमका रहा है। पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल के निर्देश पर अतिरिक्त एसपी हरीश यादव और एसडीओपी भूषण एक्का के मार्गदर्शन में सिटी कोतवाली थाना प्रभारी सोनल ग्वाला के नेतृत्व में टीम गठित की गई। मौके पर पहुँचकर पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ा, जिसने अपना नाम तुषार निषाद (23 वर्ष, निवासी खुड़मुड़ी) बताया। पूछताछ में सामने आया कि यह कट्टा उसे नवागाँव निवासी प्रतीक वैष्णव उर्फ दद्दू ने दिया था। तुषार के पास से करीब 30,000 रुपये कीमत का एक देशी कट्टा जब्त किया गया, जिसका उसके पास कोई वैध दस्तावेज नहीं था। दूसरे आरोपी प्रतीक वैष्णव को भी हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, जिसमें उसने बताया कि कट्टा उसे अपने खेत की मेढ़ के पास कनेर के पेड़ के नीचे पड़ा मिला था, जो उसने तुषार को दे दिया।

बस्तर विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार की बस्तर से तय हुई विदाई

विश्व केसरी

जगदलपुर। बस्तर विश्वविद्यालय में भर्ती प्रक्रिया में भ्रष्टाचार का आरोप लगने के बाद चल रही हलचल के बीच बड़ा प्रशासनिक फैसला सामने आया है, मौजूदा रजिस्ट्रार राजेश कुमार लालवानी की बस्तर से विदाई तय हो गई है। उन्हें अब छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय (सीएसवीटीयू), भिलाई भेजा जा रहा है। दिलचस्प बात यह है कि लालवानी का प्रोबेशन भी अभी पूरा नहीं हुआ था, इसी दौरान उनका तबादला ऐसे वक्त में किया गया है, जब बस्तर विश्वविद्यालय में बड़े पैमाने पर भर्ती प्रक्रिया चल रही है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार उनकी कार्यशैली को लेकर राजभवन और उच्च शिक्षा विभाग तक शिकायतें पहुंची थीं। वहीं कुलपति के साथ उनके संबंधों को लेकर भी लगातार चर्चा रही। हालांकि सरकार या उच्च शिक्षा विभाग ने तबादले की वजह पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। अब सबसे ज्यादा चर्चा इस बात की है कि शिकायतों के बावजूद लालवानी को प्रदेश के सबसे महत्वपूर्ण तकनीकी विश्वविद्यालय सीएसवीटीयू भिलाई में नई जिम्मेदारी क्यों दी गई।

खाद घोटाले पर बड़ी कार्रवाई, 5,636 बोरी गायब, 65.92 लाख की गड़बड़ी

विश्व केसरी

सक्ती। खरीफ सीजन 2026-27 से पहले सहकारिता विभाग ने सक्ती जिले की 2 सेवा सहकारी समितियों में खाद गबन का बड़ा खुलासा किया है। भौतिक सत्यापन में चंद्रपुर और कलमा समिति से कुल 5,636 बोरी रासायनिक खाद का हिसाब नहीं मिला। अनुमानित गड़बड़ी 65.92 लाख रुपये की है।

भौतिक सत्यापन में क्या निकला ?

सक्ती जिले की चंद्रपुर और कलमा सेवा सहकारी समितियों में हुए भौतिक सत्यापन के दौरान कुल 5,636 बोरी खाद के रिकार्ड में अंतर मिलने का दावा किया गया है। विभाग के अनुसार इसकी अनुमानित कीमत 65,92,460.50 रुपये है।

1. चंद्रपुर सेवा सहकारी समिति

3,850 बोरी खाद का रिकॉर्ड संदिग्ध, पॉश मशीन में दर्ज स्टॉक से 3,377 बोरी कम मिलीं, पिछले साल का 473 बोरी बचत खाद भी स्टॉक में नहीं जोड़ी गई, अनुमानित राशि: 43.67 लाख रुपये, कार्रवाई: प्रभारी प्रबंधक पीताम्बर निषाद को सेवा नियम 2018 के तहत सेवा से पृथक करने के निर्देश दिए।

2. कलमा सेवा सहकारी समिति

प्रभारी प्रबंधक केशव प्रसाद निषाद को कारण बताओ नोटिस जारी। व्यक्तिगत रूप से स्पष्टीकरण मांगा गया।

कड़ी कार्रवाई की चेतावनी

सहायक आयुक्त सहकारिता एवं सहायक पंजीयक मनीष खोबरागड़े ने बताया कि जांच प्रतिवेदन और स्पष्टीकरण के आधार पर आगे कार्रवाई होगी।

चंद्रपुर समिति के प्रभारी से पहले स्पष्टीकरण मांगा गया था, जवाब असंतोषजनक पाए जाने पर सेवा से पृथक करने का आदेश दिया गया।

विभाग ने समितियों को चेताया है कि यदि आदेश का पालन नहीं हुआ तो छत्तीसगढ़ सहकारी सोसायटी नियम, 1962 के तहत समिति के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। डेमोग्राफिक्स

किसानों पर असर, सिस्टम पर सवाल

किसानों के लिए रखे गए खाद में इतनी बड़ी गड़बड़ी सामने आने के बाद सहकारिता विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। वहीं अफसर का कहना है कि अभी जांच जारी है।

मां-बेटी की निर्मम हत्या, इलाके में तनाव

विश्व केसरी

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में एक बार फिर डबल मर्डर की वारदात हुई है। मां और उसकी 10 महीने की मासूम बेटी की हत्या कर दी गई। दोनों पर किसी भारी वस्तु से सिर और चेहरे पर वार किए जाने की आशंका है। बोर घर में खून से लथपथ दोनों के शव मिले हैं। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची, अज्ञात आरोपी के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामला लैलूंगा थाना क्षेत्र के छापरपानी गांव का है।

पुलिस के अनुसार, बरत कुमारी (40) के पति की करीब 4-5 साल पहले मौत हो चुकी थी। इसके बाद उसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं रहती थी। वह इधर-उधर भटक कर अपना जीवन यापन कर रही थी। 10 महीने पहले उसने एक बच्ची को जन्म दिया। हालांकि, इसकी जानकारी नहीं है कि बच्ची का पिता कौन है। इसके बाद वह अपनी बच्ची को लेकर प्रहलाद बेहरा के खेत में बने बोर घर में रहने लगी। बुधवार को बरत कुमारी को सुकवास गांव से चावल लेकर लौटते हुए देखा गया था। गुरुवार सुबह ग्रामीण ननकूराम ने बोर घर में बरत कुमारी को गंभीर रूप से घायल अवस्था में देखा और इसकी सूचना उसके परिजनों को दी। मौके पर पहुंचे परिजनों ने देखा कि महिला के सिर और चेहरे पर किसी भारी वस्तु से हमला किया गया था। उसके शरीर से काफी खून बह चुका था। वहीं, पास में उसकी 10 महीने की बेटी परी भी मृत अवस्था में पड़ी थी, जिसके सिर पर भी गंभीर चोट के निशान मिले।

अजगरबहार के नर्मदा गांव में गोवंश के अवशेष मिलने से वनांचल में सनसनी

विश्व केसरी

कोरबा (बबलू श्रीवास)। बालको थाना क्षेत्र के वनांचल ग्राम पंचायत अजगरबहार के नर्मदा गांव में कथित गोवंश वध की घटना सामने आने से क्षेत्र में तनाव का माहौल बन गया। शुक्रवार देर रात गोवंश को काटे जाने की सूचना शनिवार सुबह फैलते ही बजरंग दल के कार्यकर्ता और बालको थाना पुलिस मौके पर पहुंची।

घटनास्थल पर गोवंश का सिर, खाल तथा मांस के टुकड़े पड़े होने की बात सामने आई, जिसे देखकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश फैल गया। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण और बजरंग दल के कार्यकर्ता मौके पर एकत्र हो गए।

इस दौरान जमकर नारेबाजी और हंगामा हुआ स्थिति को देखते हुए पुलिस ने तत्काल मोर्चा संभालते हुए लोगों को शांत कराया और घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस ने मामले में त्वरित

कार्रवाई करते हुए एक संदिग्ध व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। घटना के पीछे के कारणों और इसमें शामिल अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। इस घटना के बाद पूरे क्षेत्र में तनावपूर्ण माहौल बना हुआ है।

बकरी को बचाने पुलिया से टकराई बाइक, एक ही परिवार के तीन लोग घायल

विश्व केसरी

कसडोल (प्रवीण कुमार)। सुबह करीब 11:00 बजे थाना कसडोल क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम सुकदा (तुरतुरिया के पास) मुख्य मार्ग पर एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। इस दुर्घटना में मोटरसाइकिल के सामने अचानक एक बकरी आ जाने से उसे बचाते समय बाइक अनियंत्रित होकर पुलिया से जा टकराई। हादसे में एक ही परिवार के तीन सदस्य घायल हो गए, जिनमें बाइक चालक को गंभीर चोटें आई हैं। सूचना मिलते ही कसडोल डायल 112 की टीम ने तत्परता दिखाते हुए सभी घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कसडोल में भर्ती कराया।

परिचित के घर जा रहा था परिवार, सुकदा के पास अनियंत्रित हुई बाइक-कंट्रोल रूम से सुबह 11:00 बजे सूचना प्राप्त होते ही डायल 112 वाहन में तैनात आरक्षक आशुतोष बंजारे और वाहन चालक नेतराम पटेल बिना कोई समय गंवाए तत्काल घटनास्थल ग्राम सुकदा के लिए रवाना हुए। घटनास्थल पर पहुंचने पर देखा कि तीन लोग सड़क किनारे घायल अवस्था में पड़े थे। पूछताछ में घायलों की पहचान रामनारायण वर्मा (पिता तुलसी राम वर्मा, उम्र 55 वर्ष), रेवती बाई वर्मा (पति रामनारायण वर्मा, उम्र 50 वर्ष) और घायल की बेटी के रूप में हुई। यह सभी ग्राम जंगलोर थाना पलारी के रहने वाले हैं और एक ही परिवार के सदस्य हैं। यह परिवार अपनी मोटरसाइकिल से जंगलोर से अर्जुनी (बलदाकछार) अपने एक परिचित के घर जा रहा था, तभी ग्राम सुगदा के पास यह हादसा हो गया।

चालक को आई गंभीर चोटें, डायल 112 स्टाफ ने दिखाई संवेदनशीलता- टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक चालक रामनारायण वर्मा के सिर, कमर, पीठ, पैर और घुटने में गंभीर चोटें आईं। साथ ही उनका दाहिना सोल्डर (कंधा) और दाहिने हाथ की कलाई दो जगहों से फ्रैक्चर हो गई, जिससे वे अत्यधिक दर्द से तड़प रहे थे। वहीं उनकी पत्नी रेवती बाई और 14 वर्षीय को कमर, पीठ और हाथ में सामान्य चोटें आई थीं। आरक्षक आशुतोष बंजारे और चालक नेतराम पटेल ने बेहद सावधानीपूर्वक तीनों घायलों को डायल 112 सरकारी वाहन में शिफ्ट किया और तुरंत सीएचसी कसडोल लेकर पहुंचे। अस्पताल में डॉक्टरों से मिलकर तीनों को आपातकालीन उपचार हेतु भर्ती कराया गया।

नंबर न होने पर सरपंच के माध्यम से परिजनों तक पहुंचाई सूचना- घायलों के पास परिवार का कोई मोबाइल नंबर उपलब्ध न होने के कारण डायल 112 की टीम ने तत्परता दिखाते हुए उनके गृह ग्राम जंगलोर के सरपंच से संपर्क साधा। टीम ने सरपंच को हादसे की पूरी जानकारी देते हुए घायलों के घर-परिवार तक तुरंत सूचना पहुंचाने का निवेदन किया, ताकि परिजन समय पर अस्पताल पहुंच सकें।

बुजुर्ग माता-पिता की सुरक्षा सर्वोपरि : ट्रिब्यूनल

विश्व केसरी

बिलासपुर (अमित मिश्रा)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों को लेकर एक अहम फैसला सुनाते हुए स्पष्ट किया है कि माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम-2007 के तहत गठित मेंटेनेंस ट्रिब्यूनल को आवश्यकता पड़ने पर बुजुर्गों की सुरक्षा और सम्मानजनक जीवन सुनिश्चित करने के लिए उनके ही घर से बेटे या अन्य रिश्तेदार को बेदखल करने का अधिकार है।

हाईकोर्ट ने कहा कि यह कानून केवल भरण-पोषण तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों को सुरक्षित, सम्मानजनक और शांतिपूर्ण जीवन उपलब्ध कराना भी है।

बेटे की याचिका हाईकोर्ट ने की खारिज

जस्टिस अमितेंद्र किशोर प्रसाद की एकलपीठ ने रायगढ़ जिले के घरघोड़ा तहसील के ग्राम कंचनपुर निवासी रामदयाल साहू की याचिका खारिज कर दी। अदालत ने मेंटेनेंस ट्रिब्यूनल और अपीलीय प्राधिकरण के आदेश को सही ठहराते हुए उसमें हस्तक्षेप से इनकार कर दिया। रामदयाल साहू ने उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उन्हें अपनी मां हेमकुंवर के नाम से बने प्रधानमंत्री आवास योजना के मकान को खाली कर उसका कब्जा वापस सौंपने के निर्देश दिए गए थे।

प्रधानमंत्री आवास पर था बेटे का कब्जा

रिकॉर्ड के अनुसार, हेमकुंवर के नाम पर खसरा नंबर 321/46 की 299 वर्गमीटर आबादी भूमि का पट्टा है। इसी जमीन पर प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान बनाया गया था। जांच में सामने आया कि मकान पर बेटे रामदयाल साहू का कब्जा था। इसके बाद मेंटेनेंस ट्रिब्यूनल ने 12 नवंबर 2021 को आदेश जारी कर मकान का कब्जा बुजुर्ग मां को दिलाने के निर्देश दिए थे। जब आदेश का पालन नहीं हुआ तो हेमकुंवर ने दोबारा ट्रिब्यूनल का रुख किया। इसके बाद 15 मई 2024 को ट्रिब्यूनल ने दोबारा आदेश जारी कर पहले के फैसले को लागू करने और मकान का कब्जा मां को दिलाने के निर्देश दिए।

अपील भी हुई खारिज

रामदयाल साहू ने ट्रिब्यूनल के आदेश के खिलाफ अपील दायर की, लेकिन 7 अगस्त 2024 को अपीलीय प्राधिकरण ने भी ट्रिब्यूनल का फैसला बरकरार रखा। साथ ही रामदयाल साहू और उनके दो भाइयों को अपनी मां को 1,500-1,500 रुपये प्रतिमाह भरण-पोषण राशि देने का भी निर्देश दिया गया। इसके बाद रामदयाल साहू ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया और दलील दी कि संपत्ति पैतृक है तथा उसके स्वामित्व और बंटवारे को लेकर सिविल कोर्ट में मामला लंबित है। इसलिए ट्रिब्यूनल को बेदखली का आदेश देने का अधिकार नहीं था।

हाईकोर्ट ने क्या कहा?

हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि यदि कोई बेटा या रिश्तेदार बुजुर्ग माता-पिता के शांतिपूर्ण और सुरक्षित जीवन में बाधा बनता है, तो मेंटेनेंस ट्रिब्यूनल उसे घर खाली करने का आदेश दे सकता है। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि ट्रिब्यूनल संपत्ति के मालिकाना हक का फैसला नहीं करता। उसका अधिकार केवल वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा और उनके रहने के अधिकार की रक्षा तक सीमित है। कोर्ट ने कहा कि यदि संपत्ति को लेकर सिविल कोर्ट में मुकदमा लंबित है, तब भी उससे ट्रिब्यूनल की कार्रवाई प्रभावित नहीं होती। मालिकाना हक और हिस्सेदारी का अंतिम निर्णय सिविल कोर्ट ही करेगा। इस आधार पर हाईकोर्ट ने मेंटेनेंस ट्रिब्यूनल और अपीलीय प्राधिकरण के आदेश को वैध मानते हुए याचिका खारिज कर दी।

कोंडागांव चर्च पास्टर विवाद में इसाई समाज दो गुटों में बंटा

विश्व केसरी

कोंडागांव। जिले के द डेनियल मेथाडिस्ट चर्च में पास्टर को लेकर विवाद से समाज दो गुटों में बंट गया है, जिसमें एक पक्ष नए पास्टर का समर्थन कर रहा है, जबकि दूसरा पुराने पास्टर को ही पद पर बनाए रखने की मांग कर रहा है। यह मामला अब कोंडागांव सिटी कोतवाली तक पहुंच गया है। दोनों पक्षों ने अपनी-अपनी मांगों और आपत्तियों के साथ पुलिस को आवेदन सौंपे हैं। हालांकि विवाद के बावजूद अब तक स्थिति शांतिपूर्ण बनी हुई है। पुलिस ने कानूनी कार्रवाई से पहले आपसी सहमति से समाधान निकालने की पहल की है। टीआई उपाध्याय ने कहा कि यह मामला किसी एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि पूरे समाज से जुड़ा है। कोतवाली प्रभारी के अनुसार पुलिस की पहली प्राथमिकता दोनों पक्षों के बीच संवाद स्थापित कर विवाद का शांतिपूर्ण समाधान कराना है। उन्होंने बताया कि दोनों पक्षों को आज रविवार को बातचीत के लिए बुलाया गया, ताकि आपसी सहमति से विवाद का निपटारा हो।

भारतीय शेयर बाजार की शीर्ष 10 में से पांच कंपनियों का मार्केटकैप 1.54 लाख करोड़ रुपए बढ़ा

विश्व केसरी ■

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार की शीर्ष 10 में से पांच कंपनियों का मार्केटकैप बीते एक हफ्ते में 1.54 लाख करोड़ रुपए बढ़ा है। इसमें सबसे अधिक फायदा टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और आईसीआईसीआई बैंक को हुआ है।

टीसीएस के वैल्यूएशन में सबसे अधिक बढ़ोतरी हुई है। इस दौरान कंपनी का मार्केटकैप 72,072.3 करोड़ रुपए बढ़कर 8,20,672.70 करोड़ रुपए हो गया।

यह उछाल तब आया जब देश की सबसे बड़ी आईटी सर्विस कंपनी ने जून तिमाही में अपने कंसोलिडेटेड मुनाफे में सालाना आधार पर 4.61 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की है और निवेशकों को भरोसा जताया कि पश्चिम एशिया संकट से प्रभावित मांग मौजूदा तिमाही में बेहतर होगी।

आईसीआईसीआई बैंक का मार्केटकैप 29,062.06 करोड़ रुपए बढ़कर 10,34,441.77 करोड़ रुपए हो गया है, जबकि रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केटकैप इस दौरान 23,884.93 करोड़ रुपए बढ़ा है, जिससे कंपनी का मार्केट वैल्यूएशन

17,95,091.26 करोड़ रुपए हो गया है।

बजाज फाइनेंस का मार्केटकैप 21,946.2 करोड़ रुपए बढ़कर 6,57,274.28 करोड़ रुपए हो गया है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) का मार्केटकैप 7,338.34 करोड़ रुपए बढ़कर 9,63,768.78 करोड़ रुपए हो गया है।

दूसरी तरफ, एलएंडटी का मार्केटकैप 18,097.72 करोड़ रुपए कम होकर 5,24,840.68 करोड़ रुपए हो गया है। एलआईसी का बाजार पूंजीकरण 12,080.75 करोड़ रुपए कम होकर 5,48,124.30 करोड़ रुपए हो गया है।

भारती एयरटेल का मार्केटकैप 7,706.45 करोड़ रुपए घटकर 11,91,067.77 करोड़ रुपए हो गया, जबकि एचडीएफसी बैंक की वैल्यूएशन में 7,084.61 करोड़ रुपए की कमी आई, जिससे उसका मार्केट कैपिटलाइजेशन 12,62,369.81 करोड़ रुपए हो गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर की वैल्यूएशन में भी 1,221.79 करोड़ रुपए की मामूली गिरावट आई और यह 5,03,775.86 करोड़ रुपए पर आ गया है।

हफ्ते के आखिर में, रिलायंस इंडस्ट्रीज भारत की सबसे अधिक वैल्यूएशन वाली लिस्टेड कंपनी बनी रही। इसके बाद एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, टीसीएस, बजाज फाइनेंस, एलआईसी, लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) और हिंदुस्तान यूनिलीवर का नंबर रहा।

भारतीय शेयर बाजार के लिए बीता एक हफ्ता मुनाफे वाला रहा है। इस दौरान सेंसेक्स 582.06 अंक या 0.75 प्रतिशत की मजबूती के साथ 78,151.45 और निफ्टी 127.40 अंक या 0.53 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,334.30 पर था।

13-17 जुलाई के सत्र में निफ्टी आईटी 4.34 प्रतिशत की तेजी के साथ टॉप गेनर था। इसके अलावा, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 3.11 प्रतिशत, निफ्टी मीडिया 2.50 प्रतिशत, निफ्टी प्राइवेट बैंक 1.51 प्रतिशत, निफ्टी ऑयल एंड गैस 1.08 प्रतिशत, निफ्टी ऑटो 0.89 प्रतिशत, निफ्टी

जम्मू-कश्मीर से सिंगापुर को प्रीमियम अरेको चेरी और सेंटरोज प्लम की खेप का निर्यात हुआ, किसानों की आय बढ़ाने में मिलेगी मदद

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। केंद्र सरकार किसानों की आय लगातार बढ़ाने का प्रयास कर रही है। इसकी क्रम में जम्मू-कश्मीर के शोपियां और पुलवामा से सिंगापुर को प्रीमियम अरेको चेरी और सेंटरोज प्लम की पहली खेप का निर्यात हुआ है। यह जानकारी वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को दी।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में गोयल ने कहा, 'शोपियां और पुलवामा के बागवानों के लिए ये खबर किसी खुशखबरी से कम नहीं है। एपीडा के सहयोग से प्रीमियम अरेको चेरी और सेंटरोज प्लम की पहली खेप सिंगापुर रवाना हुई। यह पहल किसानों को बेहतर दाम, वैश्विक बाजारों तक सीधी पहुंच और भारत के कृषि निर्यात को नई मजबूती प्रदान करेगी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने कहा कि उसके आधीन कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने शोपियन और पुलवामा से सिंगापुर के लिए प्रीमियम अरेको चेरी (उच्च घनत्व वाली यूरोपीय मीठी चेरी) और सेंटरोज प्लम की पहली खेप के

निर्यात की सुविधा प्रदान की है। यह उपलब्धि इस क्षेत्र से संयुक्त अरब अमीरात के अबू धाबी और दुबई को ताजी चेरी और प्लम के सफल निर्यात के बाद हासिल हुई है, जिससे कश्मीर के प्रीमियम शीतोष्ण फलों की वैश्विक उपस्थिति और भी बढ़ गई है। मंत्रालय ने बताया कि एपीडा ने मेसर्स ओसुम फूड सॉल्यूशंस एलएलपी और मेसर्स फ्रूट मास्टर एग्रो फ्रेश प्राइवेट लिमिटेड, पुलवामा के सहयोग से 16 जुलाई 2026 को सिंगापुर को पहले निर्यात खेप के लिए फ्लैग-ऑफ समारोह का आयोजन किया। मंत्रालय ने कहा कि जम्मू और कश्मीर, जो अपनी अनुकूल कृषि-जलवायु परिस्थितियों के लिए जाना जाता है, उत्कृष्ट स्वाद, बनावट और लंबे समय तक टिकने वाले उच्च गुणवत्ता वाले शीतोष्ण फल पैदा करता है। निर्यात खेप की कटाई, ग्रेडिंग, पैकिंग और परिवहन वैज्ञानिक तरीके से किया गया था, और सिंगापुर पहुंचने पर ताजगी और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा और पौध स्वच्छता मानकों का पालन करते हुए एक कुशल कोल्ड चेन के माध्यम से इसे पहुंचाया गया था।

सेबी ने सूचीबद्ध कंपनियों के फोरेंसिक ऑडिट के लिए 18 और फर्मों को किया पैनल में शामिल

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने सूचीबद्ध कंपनियों के वित्तीय विवरणों के फोरेंसिक ऑडिट के लिए अपने पैनल का विस्तार करते हुए 18 अतिरिक्त फर्मों को शामिल किया है। इनमें अर्न्स्ट एंड यंग (ईएंडवाई) एलएलपी, केपीएमजी एश्योरेंस एंड कंसल्टिंग सर्विसेज एलएलपी, जेडएक्स ग्रांट थॉर्नटन भारत एलएलपी और नांगिया एंड कंपनी एलएलपी शामिल हैं।

यह कदम नवंबर 2025 में सेबी द्वारा जारी पब्लिक प्रोक्योरमेंट नोटिस के तहत शुरू की गई चयन प्रक्रिया के बाद उठाया गया है।

नियामक द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, नई फर्मों को अप्रैल 2025 में प्रकाशित फोरेंसिक ऑडिटरों की मौजूदा सूची में जोड़ा गया है।

इन फर्मों का पैनल में शामिल

होना नवीनतम सूची के प्रकाशन की तारीख से तीन वर्षों तक वैध रहेगा।

बिग फोर से जुड़ी फर्मों और नांगिया एंड कंपनी एलएलपी के अलावा, नई सूची में जे.सी. काबरा एंड एसोसिएट्स, जे. मंडल एंड कंपनी एलएलपी, जे. सिंह एंड एसोसिएट्स, जैन जगावत कामदार एंड कंपनी, पिपारा एंड कंपनी एलएलपी, आर. काबरा एंड कंपनी एलएलपी, आर.एस. पटेल एंड कंपनी, रवि राजन एंड कंपनी एलएलपी, एस.एस. पेरीवाल एंड कंपनी, सारथ एंड एसोसिएट्स, एसकेवीएम एंड कंपनी, वी. सिंघी एंड एसोसिएट्स, एएसए एंड एसोसिएट्स एलएलपी और सीएलए इंडस वैल्यू कंसल्टिंग भी शामिल हैं।

सेबी के फोरेंसिक ऑडिट पैनल में वे फर्में शामिल होती हैं जिन्हें सूचीबद्ध कंपनियों में वित्तीय अनियमितताओं की आशंका वाले मामलों में फोरेंसिक ऑडिट करने के लिए अधिकृत किया जाता है।

इस तरह की ऑडिट का उद्देश्य पूंजी बाजार की निष्पक्षता और विश्वसनीयता को मजबूत करना, कॉरपोरेट पारदर्शिता बढ़ाना तथा निवेशकों के हितों की रक्षा करना है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए नांगिया एंड कंपनी एलएलपी के फोरेंसिक एडवाइजरी के वरिष्ठ साझेदार श्रीनिवास राव ने कहा कि यह चयन फर्म की फोरेंसिक जांच में विशेषज्ञता और भारत के पूंजी बाजार में पारदर्शिता को बढ़ावा देने की उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

उन्होंने कहा, 'सेबी के पैनल में शामिल होना हमारे लिए बेहद गर्व की बात है। यह हमारी टीम की गहरी विशेषज्ञता और फोरेंसिक उत्कृष्टता के प्रति अटूट समर्पण का प्रमाण है।

पहली तिमाही के नतीजे, अमेरिका-ईरान तनाव और घरेलू आर्थिक आंकड़ों से तय होगा शेयर बाजार का रुझान

विश्व केसरी ■

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार के लिए अगला कारोबारी हफ्ता काफी अहम होने वाला है। घरेलू आर्थिक आंकड़े जैसे पीएमआई, अमेरिका-ईरान तनाव और वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही के नतीजे बाजार की चाल निर्धारित करेंगे।

सरकार की ओर से पीएमआई के आंकड़े 24 जुलाई को जारी किए जाएंगे। पीएमआई औद्योगिक क्षेत्र में गतिविधियों को दर्शाता है और इससे देश में आर्थिक गतिविधियों के बारे में सटीक जानकारी मिलती है। वहीं, अमेरिका-ईरान तनाव बाजार की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएगा। ईरानी हमलों में दो अमेरिकी सैनिकों की मौत के बाद दोनों देश के बीच तनाव और बढ़ गया है। अमेरिका ने भी ईरान पर नई एयर स्ट्राइक की हैं।

मध्य पूर्व संघर्ष के कारण कच्चा तेल भी बाजार में अहम भूमिका निभाएगा। अमेरिका-ईरान

तनाव बढ़ने से इसमें दोबारा उछाल आने लगा है। शुक्रवार के सत्र में बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 4.59 प्रतिशत की तेजी के साथ 88.10 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड भी 4.48 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8.49 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ। 20-24 जुलाई के बीच बजाज हेल्थकेयर, इंडियन ओवरसीज बैंक,अल्ट्राटेक सीमेंट, अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस, बजाज ऑटो, जेएसडब्ल्यू इन्फ्रा, एमएंडएम फाइनेंस, अदाणी ग्रीन, अदाणी पावर, बीपीसीएल, जेएसडब्ल्यू एनर्जी, इन्फोसिस और इंडिगो जैसी कंपनियों की ओर से वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही के नतीजे जारी किए जाएंगे।

भारतीय शेयर बाजार के लिए बीता एक हफ्ता मुनाफे वाला रहा है। इस दौरान सेंसेक्स 582.06 अंक या 0.75 प्रतिशत की मजबूती के साथ 78,151.45 और निफ्टी 127.40 अंक या 0.53 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,334.30 पर था।

13-17 जुलाई के सत्र में निफ्टी आईटी 4.34 प्रतिशत की तेजी के साथ टॉप गेनर था। इसके अलावा, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 3.11 प्रतिशत, निफ्टी मीडिया 2.50 प्रतिशत, निफ्टी प्राइवेट बैंक 1.51 प्रतिशत, निफ्टी ऑयल एंड गैस 1.08 प्रतिशत, निफ्टी ऑटो 0.89 प्रतिशत, निफ्टी सर्विसेज 0.87 प्रतिशत, निफ्टी पीएसई 0.28 प्रतिशत और निफ्टी एनर्जी 0.09 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुआ। निफ्टी रियल्टी 2.12 प्रतिशत, निफ्टी मेटल 1.99 प्रतिशत, निफ्टी इंडिया डिफेंस 1.48 प्रतिशत, निफ्टी एफएमसीजी 1.14 प्रतिशत, निफ्टी पीएसयू बैंक 0.83 प्रतिशत, निफ्टी कमोडिटीज 0.60 प्रतिशत और निफ्टी हेल्थकेयर 0.34 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ।

बाजार की पाठशाला : पहली बार भरने जा रहे हैं आईटीआर? रिटर्न फाइल करने से पहले जान लें ये जरूरी बातें

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली । अगर आप भी पहली बार इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने जा रहे हैं, तो कुछ जरूरी बातों की जानकारी होना बेहद जरूरी है। आयकर विभाग ने वित्त वर्ष 2025-26 (आकलन वर्ष 2026-27) के लिए आईटीआर-1 (सहज), आईटीआर-2, आईटीआर-3, आईटीआर-4 (सुगम), आईटीआर-5 और आईटीआर-7 के ऑनलाइन फॉर्म और एक्सेल यूटिलिटी उपलब्ध करा दी है। एक्सेल यूटिलिटी की मदद से करदाता ऑफलाइन अपनी जानकारी भरकर बाद में उसे आयकर विभाग के ई-फाइलिंग पोर्टल पर अपलोड कर सकते हैं। वहीं, सीधे ऑनलाइन भी रिटर्न दाखिल किया जा सकता है।

इस बार बिना लेट फीस के आयकर रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 अगस्त 2026 तय की गई है। अंतिम समय में वेबसाइट पर अधिक ट्रैफिक, तकनीकी दिक्कतों या गणना संबंधी गलतियों से बचने के लिए विशेषज्ञ समय रहते रिटर्न दाखिल करने की सलाह दे रहे हैं।

आयकर नियमों के अनुसार, यदि आपकी कुल आय निर्धारित सीमा से अधिक है तो आपको आईटीआर दाखिल करना अनिवार्य है। इसके अलावा, यदि आपके पास भारत या विदेश में संपत्ति है, शेयर बाजार या ईएसओपी में निवेश किया है, बैंक खातों में निर्धारित सीमा से अधिक राशि जमा है, सालाना बिजली बिल 1 लाख रुपए से ज्यादा है, विदेश यात्रा पर 2 लाख रुपए से अधिक खर्च किया है या आपके कारोबार की बिक्री 60 लाख रुपए से ज्यादा है, तब भी रिटर्न दाखिल करना जरूरी हो सकता है।

आपकी टैक्स योग्य आय वेतन, बैंक एफडी के ब्याज, शेयरों से आय और अन्य स्रोतों से होने वाली कुल कमाई को जोड़कर निकाली जाती है। इसके बाद पीपीएफ, राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस), जीवन बीमा, होम लोन और अन्य टैक्स बचत निवेशों पर मिलने वाली छूट को घटाया जाता है। बची हुई राशि पर आयकर की गणना की जाती है।

पुरानी और नई टैक्स व्यवस्था में से कौन-सी आपके लिए बेहतर होगी, यह आपकी आय और टैक्स बचाने वाले निवेशों पर निर्भर करता है। यदि आपने पीपीएफ, एनपीएस, बीमा, होम लोन या अन्य टैक्स सेविंग निवेश किए हैं तो पुरानी व्यवस्था फायदेमंद हो सकती है। वहीं, कम निवेश करने वाले लोगों के लिए नई टैक्स व्यवस्था बेहतर साबित हो सकती है। रिटर्न भरने से पहले ऑनलाइन टैक्स कैलकुलेटर की मदद लेना या चार्टर्ड अकाउंटेंट से सलाह लेना उपयोगी रहेगा।

पहली बार रिटर्न दाखिल करने वाले लोगों को कुछ जरूरी दस्तावेज पहले से तैयार रखने चाहिए, जिसमें पैन कार्ड, आधार कार्ड (दोनों लिंक होना जरूरी), फॉर्म-16, बैंक खाते की जानकारी, निवेश से जुड़े दस्तावेज, पीपीएफ और एनपीएस निवेश का विवरण, होम लोन इंटरेस्ट सर्टिफिकेट और बीमा प्रीमियम की रसीदें शामिल हैं।

मानसून सत्र में सरकार पेश करेगी 5 नए विधेयक, आयकर और एमएसएमई सुधार होंगे प्रमुख

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली । केंद्र सरकार सोमवार से शुरू हो रहे संसद के मानसून सत्र में पांच नए विधेयक पेश करने जा रही है। इनमें आयकर और एमएसएमई सुधार, सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने और जन्म-मृत्यु पंजीकरण कानून में बदलाव से जुड़े प्रस्ताव शामिल हैं।

18वीं लोकसभा के आठवें सत्र के दौरान सरकार आयकर (संशोधन) विधेयक, 2026 और सुप्रीम कोर्ट (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन विधेयक, 2026 पेश करेगी। इन दोनों विधेयकों के जरिए पहले जारी अध्यादेशों की जगह कानून बनाया जाएगा। इसके

अलावा सरकार जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) विधेयक, 2026, राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयक, 2026 और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विकास (संशोधन) विधेयक, 2026 भी सदन में पेश करेगी।

आयकर (संशोधन) विधेयक, 2026 का उद्देश्य पहले जारी अध्यादेश का स्थान लेना है। इसे भारत के सॉवरेन डेट मार्केट को मजबूत करने, वैश्विक पूंजी निवेश आकर्षित करने और वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव तथा आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान के बीच बाजार में तरलता बढ़ाने के लिए पेश किया जा रहा है।

पिछले महीने सरकार ने पश्चिम एशिया संकट के कारण रुपए पर बढ़ते दबाव को कम करने के लिए विदेशी पूंजी आकर्षित करने हेतु अध्यादेश जारी किया था। इसके तहत विदेशी निवेशकों को सरकारी प्रतिभूतियों से मिलने वाले ब्याज और पूंजीगत लाभ पर आयकर से छूट दी गई थी।

सुप्रीम कोर्ट (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन विधेयक, 2026 के जरिए भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) को छोड़कर सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या 33 से बढ़ाकर 37 करने का प्रस्ताव है। इसका उद्देश्य लंबित मामलों के शीघ्र निपटारे में मदद करना है।

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विकास (संशोधन) विधेयक, 2026 का उद्देश्य एमएसएमई क्षेत्र में 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' और भरोसे पर आधारित नियामकीय व्यवस्था को बढ़ावा देना।

तेलंगाना : आरएफसीएल में एक हफ्ते से ज्यादा समय के बाद यूरिया का उत्पादन फिर से शुरू हुआ

विश्व केसरी ■

हैदराबाद। तेलंगाना के पेड्डापल्ली जिले में रामागुंडम फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड (आरएफसीएल) ने अमोनिया पाइपलाइन में लीकेज और तकनीकी समस्याओं के कारण एक सप्ताह से अधिक समय तक बंद रहने के बाद उत्पादन फिर से शुरू कर दिया है।

रिपेयर के बाद प्लांट के फिर से खुलने के साथ, पब्लिक सेक्टर कंपनी में यूरिया का प्रोडक्शन फिर से शुरू हो गया है।

अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने यह पक्का करने के लिए सभी कदम उठाए हैं कि टेक्निकल प्रॉब्लम दोबारा न हों।

उन्होंने कहा कि वे मौजूदा खेती के मौसम में यूरिया की डिमांड को पूरा करने के लिए प्रोडक्शन बढ़ाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं।

लीकेज की वजह से, 9 जुलाई को प्लांट की सभी यूनिट्स के बंद होने के बाद यूरिया का प्रोडक्शन रुक गया था। क्योंकि प्रॉब्लम ठीक नहीं हो सकी, इसलिए प्लांट को बंद कर दिया गया।

अधिकारियों ने कहा था कि प्रोडक्शन फिर से शुरू होने में कम से कम एक हफ्ता लग सकता है।

इस शटडाउन से तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और पांच दूसरे राज्यों में फर्टिलाइजर की सप्लाई रुक गई है, जिससे मौजूदा खरीफ फसल के मौसम में किसानों को सप्लाई को लेकर चिंता बढ़ गई है।

इस साल यह दूसरी बार था जब अमोनिया लीक की वजह से आरएफसीएल प्लांट को बंद करना पड़ा।

मार्च में प्लांट एक हफ्ते के लिए बंद रहा था। प्लांट की कैपेसिटी 3,850 टन हर दिन है, लेकिन मिडिल ईस्ट में चल रहे झगड़े की वजह से गैस की कमी के कारण यह कुछ समय से 50 परसेंट कैपेसिटी पर काम कर रहा था।

आरएफसीएल तेलंगाना के लिए एकमात्र सोर्स है, इसलिए राज्य सरकार मांग कर रही है कि केंद्र प्लांट से होने वाला पूरा यूरिया तेलंगाना को दे।

पेड्डापल्ली के एमपी गदम वामसी ने केंद्र पर आरएफसीएल को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया है।

उन्होंने आरएफसीएल के कॉर्पोरेट ऑफिस को नोएडा (उत्तर प्रदेश) से रामागुंडम में शिफ्ट करने की भी मांग की है।

उन्होंने कहा कि रामागुंडम कोर ऑपरेशनल बेस होने और ज्यादातर मैनपावर और टेक्निकल वर्कफोर्स के रामागुंडम में तैनात होने के बावजूद, कॉर्पोरेट ऑफिस को शिफ्ट करने का प्रपोजल टाल दिया गया है।

कांग्रेस सांसद ने कहा कि तेलंगाना, और खासकर रामागुंडम को उसके सही एडमिनिस्ट्रेटिव और इंस्टीट्यूशनल हिस्से से वंचित किया जा रहा है।

घर पर बनाएं केरल का फेमस मालाबार पराठा, परतें होंगी इतनी क्रिस्पी कि हर बाइट में आएगा स्वाद

केरल का मालाबार पराठा अपनी कुरकुरी परतों और नरम बनावट के लिए मशहूर है. थोड़ी सी मेहनत और सही तरीके से आटा बेलने पर इसे घर पर आसानी से तैयार किया जा सकता है.

केरल का मालाबार पराठा सिर्फ एक आम पराठा नहीं, बल्कि इसकी हर परत में छिपा है दक्षिण भारत का खास स्वाद. बाहर से हल्का कुरकुरा और अंदर से नरम, यह पराठा किसी भी साधारण खाने को खास बना देता है. खासकर जब इसे गर्मागर्म वेजिटेबल स्टू, चिकन करी या किसी मसालेदार ग्रेवी के साथ परोसा जाए, तो इसका स्वाद और भी बढ़ जाता है. हालांकि इसे देखकर कई लोगों को लगता है कि घर पर इतनी सारी परतें बनाना मुश्किल होगा, लेकिन सही तरीका पता हो तो काम उतना कठिन नहीं है. आटा गूंथने से लेकर परतें तैयार करने तक कुछ छोटी बातों का ध्यान रखकर आप घर में ही स्वादिष्ट Malabar Paratha बना सकते हैं.

मालाबार पराठा बनाने के लिए चाहिए ये सामग्री

आटा तैयार करने का तरीका– इसके लिए मैदा, नमक, थोड़ा चीनी, तेल और पानी की जरूरत होगी. कुछ लोग आटे में दूध भी मिलाते हैं, जिससे पराठा थोड़ा ज्यादा नरम बनता है. सबसे पहले मैदा में नमक और चीनी मिलाएं. अब इसमें तेल डालकर अच्छी तरह मिक्स करें और धीरे-धीरे पानी डालते हुए नरम आटा गूंथ लें. आटा न ज्यादा सख्त हो और न ही बहुत ढीला. गूंथे हुए आटे पर थोड़ा तेल लगाकर इसे ढक दें और कम से कम 30 मिनट के लिए आराम करने दें. यही छोटा सा स्टेप पराठे की बनावट में बड़ा फर्क डालता है. अगर आटा अच्छी तरह रेस्ट करेगा, तो इसे फैलाना आसान होगा और परतें भी बेहतर बनेंगी

इस तरह तैयार करें मालाबार पराठे की परतें

बेलने से ज्यादा जरूरी है आटे को फैलाना– अब आटे की छोटी-छोटी लोइयां बना लें. एक लोई को लेकर चिकनी सतह पर रखें और हाथों से जितना हो सके पतला फैलाएं. इसके ऊपर तेल लगाएं और हल्का सूखा मैदा छिड़कें. अब इसे मोड़ते हुए लंबी पट्टी जैसा बनाएं और फिर गोल घुमाकर पेच की तरह तैयार कर लें. तैयार लोई को कुछ मिनट के लिए फिर से रेस्ट दें. इसके बाद इसे हल्के हाथों से बेलें. बहुत ज्यादा दबाव डालने से परतें चिपक सकती हैं, इसलिए धीरे-धीरे पराठे को फैलाना बेहतर रहता है. अब तवे को गर्म करें और पराठे को दोनों तरफ से सेंकें. किनारों पर थोड़ा तेल या घी लगाएं और तब तक पकाएं, जब तक सतह पर सुनहरे धब्बे दिखाई न देने लगें।

टमाटर के पौधे पर फूल आते ही कर दें यह जरूरी काम, बड़े, लाल और रसीले टमाटरों से भर सकती है पूरी बेल, जानिए सीक्रेट

टमाटर के पौधे पर फूल आने के बाद सही देखभाल करना बहुत जरूरी होता है. इस समय जरूरत से ज्यादा सकर्स हटाने से पौधे की ऊर्जा फूलों और फलों तक पहुंचने में मदद मिल सकती है. संतुलित जैविक खाद, पर्याप्त धूप और सही मात्रा में पानी भी अच्छी पैदावार के लिए जरूरी हैं. पौधे को मजबूत सहारा देने से शाखाएं टूटने से बच सकती हैं. नियमित देखभाल से बड़े, स्वस्थ और ज्यादा टमाटर मिलने की संभावना बढ़ सकती है.

घर की छत, बालकनी या छोटे से किचन गार्डन में टमाटर उगाना आजकल बहुत से लोगों का पसंदीदा शौक बन गया है. अपने हाथों से उगाए गए ताजे और ऑर्गेनिक टमाटर का स्वाद ही अलग होता है. लेकिन कई बार ऐसा होता है कि पौधा खूब हरा-भरा दिखाई देता है, उस पर ढेर सारे पीले फूल भी आते हैं, फिर भी टमाटर नहीं बनते. कई बार कुछ फल बन भी जाते हैं, लेकिन उनका आकार बहुत छोटा रह जाता है या फिर फूल जल्दी झड़ जाते हैं. ऐसे में लोग बार-बार खाद बदलते हैं, पानी की मात्रा बढ़ा देते हैं या नए फर्टिलाइजर खरीद लेते हैं, लेकिन फिर भी मनचाहा रिजल्ट नहीं मिलता. गार्डनिंग एक्सपर्ट्स का कहना है कि कई बार समस्या खाद की कमी नहीं बल्कि पौधे की गलत ग्रोथ होती है.

अगर फूल आने के समय पौधे की सही देखभाल की जाए और एक छोटा सा काम समय रहते कर दिया जाए, तो पौधे की ऊर्जा सही दिशा में लगती है. इससे पौधा मजबूत रहता है और फूलों से अच्छे आकार के टमाटर बनने की संभावना बढ़ जाती है. आइए जानते हैं वह आसान तरीका जो हर होम गार्डनर को पता होना चाहिए.

फूल आने के बाद पौधे की जरूरत बदल जाती है

जब टमाटर के पौधे पर फूल आने शुरू हो जाते हैं, तब उसकी जरूरत सिर्फ पत्तियां बढ़ाने की नहीं रहती. इस समय पौधे को अपनी पूरी ताकत फूलों और फलों के विकास में लगानी होती है. अगर पोषण सही जगह तक पहुंचे, तो फूल मजबूत रहते हैं और उनसे अच्छे आकार के टमाटर बनने लगते हैं.

सकर्स क्या होते हैं

टमाटर के पौधे में मुख्य तने और पत्ती वाली शाखा के बीच छोटे-छोटे नए अंकुर निकलने लगते हैं. इन्हें गार्डनिंग की भाषा में सकर्स कहा जाता है. शुरुआत में ये बहुत छोटे होते हैं, लेकिन तेजी से बढ़ते हैं और नई शाखा का रूप ले लेते हैं. अगर इन्हें समय पर न हटाया जाए, तो पौधे की काफी ऊर्जा इन्हीं की ग्रोथ में खर्च होने लगती है.

फूल आने पर सकर्स हटाना क्यों जरूरी माना जाता है

कई गार्डनिंग एक्सपर्ट मानते हैं कि जब पौधे पर फूल आ जाएं, तब जरूरत से ज्यादा सकर्स हटाने से पौधे की ऊर्जा फल बनने वाले हिस्सों तक पहुंचने में मदद मिल सकती है. इससे पौधा नई बेकार शाखाएं बनाने की बजाय फूलों और फलों के विकास पर ज्यादा ध्यान देता है. हालांकि यह तरीका खास तौर पर इंडिटरमिनेट यानी लगातार बढ़ने वाली टमाटर की किस्मों में ज्यादा अपनाया जाता है.

सकर्स हटाने का सही तरीका

अगर सकर्स बहुत छोटे हैं, तो उन्हें हाथ की उंगलियों से धीरे-धीरे तोड़कर हटाया जा सकता है. अगर वे बड़े हो गए हों।

कम उम्र में बाल हो रहे हैं सफेद? डॉक्टर ने बताए विटामिन की कमी के बड़े संकेत

अगर कम उम्र में आपके बाल सफेद होने लगे हैं, तो इसकी वजह सिर्फ तनाव या खराब लाइफस्टाइल नहीं हो सकती. आयुष विशेषज्ञ के अनुसार विटामिन B12, विटामिन ष्ठ, आयरन, जिंक, कॉपर और फोलिक एसिड की कमी भी समय से पहले बाल सफेद होने का कारण बन सकती है. सही खानपान और पोषण पर ध्यान देकर इस समस्या के जोखिम को कम किया जा सकता है.

आजकल कम उम्र में बालों का सफेद होना एक आम समस्या बनती जा रही है. पहले जहां सफेद बालों को बढ़ती उम्र की निशानी माना जाता था, वहीं अब 20 से 30 साल के युवाओं में भी यह परेशानी तेजी से देखने को मिल रही है. कई लोग इसे सिर्फ तनाव या खराब लाइफस्टाइल का असर मानकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन हर बार इसकी वजह यही नहीं होती. कई मामलों में शरीर में जरूरी विटामिन और मिनरल्स की कमी भी बालों के समय से पहले सफेद होने की वजह बन सकती है. ऐसे में सिर्फ हेयर डाई से सफेद बाल छिपाने के बजाय यह समझना ज्यादा जरूरी है कि आखिर शरीर किस चीज का संकेत दे रहा है.

लोकल 18 के साथ बातचीत के दौरान डॉ राजकुमार (आयुष) ने बताया कि हमारे बालों का प्राकृतिक रंग मेलेनिन नाम के पिगमेंट की वजह से होता है. जब शरीर में मेलेनिन बनने की प्रक्रिया प्रभावित होने लगती है, तो बाल धीरे-धीरे अपना प्राकृतिक रंग खोने लगते हैं. यह बदलाव कई कारणों से हो सकता है, लेकिन सबसे बड़ा कारण शरीर को सही पोषण न मिलना भी हो सकता है।

पहाड़ों पर चढ़ते ही कान क्यों बंद हो जाते हैं? घूमने जाएं तो जरूर बैग में रखें ये चीजें, ट्रेकिंग में मिलेगी राहत

अगर आपने कभी मनाली, लेह, मसूरी, नैनीताल या किसी दूसरे पहाड़ी इलाके की यात्रा की है, तो शायद आपने महसूस किया होगा कि ऊंचाई बढ़ते ही कान बंद होने लगते हैं या सुनाई कम देने लगता है. यह कोई बीमारी नहीं, बल्कि शरीर की एक सामान्य वैज्ञानिक प्रतिक्रिया है. आइए जानते हैं कि ऐसा क्यों होता है और इससे राहत कैसे मिल सकती है.

पहाड़ों की यात्रा अपने आप में एक शानदार अनुभव होती है. ठंडी हवा, खूबसूरत घाटियां और बादलों के बीच सफर हर किसी को पसंद आता है. लेकिन कई लोगों के साथ एक अजीब समस्या भी होती है. जैसे-जैसे गाड़ी ऊंचाई की ओर बढ़ती है, कान बंद होने लगते हैं, आवाजें धीमी सुनाई देने लगती हैं या कानों में दबाव महसूस होता है. कई बार ऐसा लगता है जैसे किसी ने कान के अंदर रुई भर दी हो.

अच्छी बात यह है कि ज्यादातर मामलों में यह कोई गंभीर समस्या नहीं होती. इसका संबंध हमारे कान की बनावट और बदलते वायुदाब (Air Pressure) से होता है. यही वजह है कि पहाड़ों के अलावा हवाई जहाज के टेकऑफ और लैंडिंग के दौरान भी कई लोगों को ऐसी ही परेशानी महसूस होती है.

कान बंद होने के पीछे क्या है वैज्ञानिक कारण?

हमारे कान के बीच वाले हिस्से (Middle Ear) में हवा भरी रहती है. इस हिस्से का दबाव बाहर के वातावरण के बराबर बनाए रखने का काम यूस्टेशियन ट्यूब (Eustachian Tube) करती है. यह एक पतली नली होती है, जो कान को गले के पिछले हिस्से से जोड़ती है.

जब आप पहाड़ पर तेजी से ऊपर चढ़ते हैं, तो वातावरण का वायुदाब तेजी से कम होने लगता है. लेकिन कान के अंदर का दबाव तुरंत नहीं बदलता. बाहर और अंदर के दबाव में अंतर आने पर कान के पर्दे (Eardrum) पर खिंचाव पड़ता है. इसी कारण कान बंद होने, हल्का दर्द, आवाज कम सुनाई देने या 'पॉप' जैसी आवाज महसूस होने लगती है.

कुछ लोगों को ज्यादा परेशानी क्यों होती है?

अगर किसी व्यक्ति को सर्दी, एलर्जी, साइनस इंफेक्शन या नाक बंद रहने की समस्या है, तो यूस्टेशियन ट्यूब ठीक से काम नहीं कर पाती. ऐसे में कान के अंदर और बाहर का दबाव जल्दी बराबर नहीं हो पाता और परेशानी ज्यादा महसूस हो सकती है. छोटे बच्चों में यह समस्या अपेक्षाकृत अधिक होती है, क्योंकि उनकी यूस्टेशियन ट्यूब वयस्कों की तुलना में छोटी और संकरी होती है.

क्या यह खतरनाक है?

अधिकांश मामलों में नहीं. जैसे ही शरीर बाहरी दबाव के अनुसार खुद को ढाल लेता है, कान सामान्य हो जाते हैं. हालांकि अगर तेज दर्द, चक्कर, कान से खून आना, सुनाई देना लगातार कम होना या कई घंटों तक परेशानी बनी रहे, तो ईएनटी विशेषज्ञ से सलाह लेना जरूरी है.

यात्रा के दौरान राहत पाने के आसान तरीके

अगर म तो बार-बार निगलने (Swallowing), जम्हाई लेने (Yawning) या च्युइंग गम चबाने से राहत मिल सकती है. ये क्रियाएं यूस्टेशियन ट्यूब को खोलने में मदद करती हैं, जिससे कान के अंदर और बाहर का दबाव बराबर होने लगता है. आप धीरे-धीरे मुंह बंद करके नाक को हल्के से दबाएं और बहुत हल्के दबाव से सांस बाहर निकालने की कोशिश करें. इसे Valsalva Maneuver कहा जाता है।

चटपटा और मसालेदार भरवां बैंगन बनाने के लिये अपनाइए ये तरीका, हर दिन होगी इसकी फरमाइश

भरवां बैंगन बनाने की आसान रेसिपी. मूंगफली और मसालों से तैयार यह डिश रोटी, पराठे या दाल-चावल के साथ परोस सकते हैं. इसको एक बार खाकर बार-बार बनाना चाहेंगे आप.

भारतीय रसोई में बैंगन की कई स्वादिष्ट डिशेज बनाई जाती हैं, लेकिन भरवां बैंगन (Stuffed Brinjal) का स्वाद सबसे खास माना जाता है. मसालों से भरे छोटे-छोटे बैंगन जब धीमी आंच पर पकते हैं तो उनका जायका और भी बढ़ जाता है. यह रेसिपी राजस्थान, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र सहित कई राज्यों में अलग-अलग तरीके से बनाई जाती है. आप इसे रोटी, पराठे या दाल-चावल के साथ परोस सकते हैं.

आवश्यक सामग्री

8-10 छोटे बैंगन,2 बड़े चम्मच मूंगफली (भुनी हुई),1 बड़ा चम्मच सफेद तिल,1 बड़ा चम्मच धनिया पाउडर,1 छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर, छोटा चम्मच हल्दी पाउडर,1 छोटा चम्मच सौंफ पाउडर, छोटा चम्मच गरम मसाला,1 छोटा चम्मच अमचूर पाउडर

नमक स्वादानुसार,3-4 बड़े चम्मच तेल,बारीक कटा हरा धनिया, मसाला तैयार करने की विधि

सबसे पहले एक पैन में तिल और मूंगफली को हल्का भून लें. ठंडा होने पर इन्हें मिक्सर में दरदरा पीस लें. अब इसमें धनिया पाउडर, लाल मिर्च, हल्दी, सौंफ, अमचूर, गरम मसाला और नमक मिलाएं. चाहें तो मसाले को बांधने के लिए एक छोटा चम्मच तेल भी मिला सकते हैं. इससे मसाला बैंगन के अंदर अच्छी तरह भर जाएगा।

मानसून में वायरल फीवर से कैसे बचें? जानिए इस मौसम में इंफेक्शन से बचाव, मजबूत इम्युनिटी और स्वस्थ रहने के तरीके

मानसून में वायरल फीवर का खतरा बढ़ जाता है, इसलिए सावधानी रखना बहुत जरूरी है. हाथों की सफाई, साफ पानी और संतुलित खानपान संक्रमण से बचाव में मदद कर सकते हैं. इम्युनिटी मजबूत रखने के लिए मौसमी फल, सब्जियां और प्रोटीन वाली चीजें खाएं. बारिश में भीगने के बाद गीले कपड़े तुरंत बदलें और शरीर को अच्छी तरह सुखाएं. अगर तेज बुखार या लक्षण लंबे समय तक बने रहें, तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लें।

बारिश का मौसम अपने साथ ठंडी हवाएं और सुहाना माहौल लेकर आता है, लेकिन यही मौसम कई तरह के वायरल इंफेक्शन और बुखार का खतरा भी बढ़ा देता है. मौसम में नमी बढ़ने, जगह-जगह पानी जमा होने और तापमान में बार-बार बदलाव होने की वजह से वायरस तेजी से फैल सकते हैं. यही कारण है कि मानसून में कई लोगों को अचानक बुखार, गले में दर्द, खांसी, जुकाम, शरीर में दर्द और कमजोरी जैसी समस्याएं होने लगती हैं. बच्चों, बुजुर्गों और पहले से किसी बीमारी से जूझ रहे लोगों में यह खतरा और ज्यादा हो सकता है. हालांकि कुछ आसान आदतों को अपनाकर वायरल फीवर से बचाव किया जा सकता है.

साफ-सफाई का ध्यान रखना, संतुलित खाना खाना, पर्याप्त पानी पीना और शरीर की इम्युनिटी मजबूत रखना इस मौसम में सबसे जरूरी माना जाता है. अगर शुरुआत से ही थोड़ी सावधानी बरती जाए, तो बारिश का आनंद भी लिया जा सकता है और बार-बार बीमार पड़ने की परेशानी से भी बचा जा सकता है. आइए जानते हैं मानसून में वायरल फीवर से बचने के आसान और असरदार तरीके.

वायरल फीवर क्यों तेजी से फैलता है

मानसून के दौरान हवा में नमी बढ़ जाती है और कई जगह पानी जमा हो जाता है. ऐसे माहौल में वायरस और दूसरे रोग पैदा करने वाले जीवाणु ज्यादा सक्रिय हो सकते हैं. भीड़ वाली जगहों पर संक्रमण एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक आसानी से फैल सकता है. इसलिए इस मौसम में थोड़ी सी लापरवाही भी बीमारी का कारण बन सकती है.

हाथों की सफाई का रखें खास ध्यान

वायरल संक्रमण से बचने के लिए हाथों की सफाई सबसे जरूरी आदतों में से एक है. बाहर से घर आने के बाद, खाना खाने से पहले और शौचालय इस्तेमाल करने के बाद हाथों को साबुन और पानी से अच्छी तरह धोएं. अगर साबुन और पानी उपलब्ध न हो, तो हैंड सैनिटाइजर का इस्तेमाल किया जा सकता है. बिना हाथ धोए आंख, नाक और मुंह को छूने से बचें.

इम्युनिटी मजबूत रखना जरूरी

बारिश के मौसम में शरीर की रोगों से लड़ने की क्षमता मजबूत रहना बहुत जरूरी है. अपनी डाइट में मौसमी फल, हरी सब्जियां, दालें, दही और प्रोटीन वाली चीजें शामिल करें. विटामिन सी और दूसरे जरूरी पोषक तत्व शरीर को संक्रमण से लड़ने में मदद करते हैं. जरूरत से ज्यादा तला-भुना और जंक फूड खाने से बचें.

उबला या साफ पानी ही पिएं

मानसून में दूषित पानी की वजह से कई तरह के संक्रमण फैल सकते हैं. इसलिए हमेशा साफ, फिल्टर या उबला हुआ पानी पीना बेहतर माना जाता है. बाहर खुले में मिलने वाले पेय पदार्थों से बचें. शरीर में पानी की कमी न होने दें, क्योंकि अच्छी तरह हाइड्रेट रहने से शरीर बेहतर तरीके से काम करता है.

बारिश में भीगने के बाद क्या करें

अगर आप बारिश में भीग गए हैं, तो घर पहुंचते ही गीले कपड़े बदल लें. शरीर और बालों को अच्छी तरह सुखाएं. लंबे समय तक गीले कपड़ों में रहने से शरीर का तापमान बदल सकता है और संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है. जरूरत हो तो हल्का गर्म पानी पी सकते हैं ।

नेशनल अवॉर्ड की घोषणा में अपना नाम सुनकर खुशी से झूम उठे कार्तिक आर्यन, मां का रिएक्शन वायरल

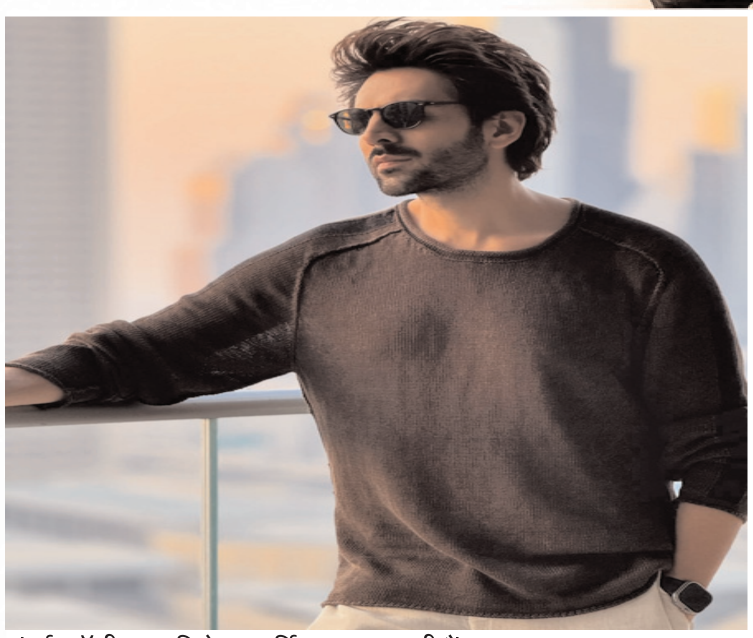

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन को फिल्म 'चंदू चैंपियन' के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता चुना गया। इस खास उपलब्धि की घोषणा के दौरान का एक वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें उनकी मां के रिएक्शन ने लोगों को ध्यान खींचा है।

दरअसल, इस वीडियो में अपने नाम का ऐलान सुनते ही कार्तिक खुशी से झूम उठते हैं, जबकि उनकी मां भावुक होकर उन्हें गले लगा लेती हैं और प्यार से गाल पर किस करती नजर आती हैं।

कार्तिक आर्यन ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो साझा किया है, जिसमें वह अपने परिवार के साथ 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों की लाइव घोषणा देख रहे हैं। जैसे ही 'चंदू चैंपियन' के लिए उनके नाम का ऐलान बेस्ट एक्टर के रूप में होता है, कार्तिक खुशी से उछल पड़ते हैं और जोर से चिल्लाते हुए अपनी खुशी जाहिर करते हैं। इसके बाद वह तुरंत अपने माता-पिता को गले लगाते हैं। वीडियो में पूरे परिवार के चेहरे पर गर्व और खुशी नजर आता है। सबसे भावुक पल तब आता है, जब कार्तिक की मां उनके गाल पर प्यार से किस करती हैं। यह पल सोशल मीडिया पर लोगों का दिल जीत रहा है।

इस वीडियो को शेयर करते हुए कार्तिक ने बेहद भावुक शब्दों में अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने लिखा, 'अब भी यकीन नहीं हो रहा... कुछ पल ऐसे होते हैं जिन्हें शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता और यह उन्हीं में से एक है। वर्षों से देखा गया मेरा सपना आखिरकार सच हो गया। हमेशा विनम्र रहूंगा, हमेशा आभारी रहूंगा। सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय पुरस्कार।'

उनका यह पोस्ट सामने आते ही लाखों लोगों ने उन्हें बधाई दी। फैंस के साथ-साथ फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े कई कलाकारों और दोस्तों ने भी इस उपलब्धि पर उन्हें शुभकामनाएं दीं।

बता दें कि सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने 18 जुलाई को नई दिल्ली में 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों के विजेताओं की घोषणा की। इस बार सर्वश्रेष्ठ अभिनेता (लीडिंग रोल) का राष्ट्रीय पुरस्कार संयुक्त रूप से मलयालम सिनेमा के दिग्गज अभिनेता ममूटी और कार्तिक आर्यन को दिया गया। ममूटी को उनकी फिल्म 'ब्रमायुगम' के लिए सम्मानित किया गया, जबकि कार्तिक आर्यन को 'चंदू चैंपियन' में शानदार अभिनय के लिए यह प्रतिष्ठित सम्मान मिला।

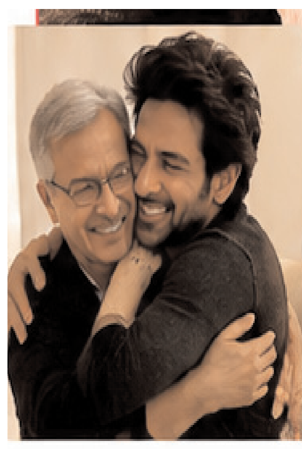

जूही बब्बर: फैशन डिजाइनिंग से शुरू हुआ सफर, थिएटर में मिली असली पहचान

विश्व केसरी ■

मुंबई । जूही बब्बर का जन्म 20 जुलाई 1976 को लखनऊ में हुआ था। दिग्गज अभिनेता राज बब्बर और प्रख्यात थिएटर हस्ती नादिरा बब्बर की बेटी होने के नाते, जूही बब्बर को कला और साहित्य विरासत में मिला। उनके नाना-नानी, सैयद सज्जाद जहीर और रजिया सज्जाद जहीर, उर्दू साहित्य के महान और प्रगतिशील लेखक थे। दिलचस्प बात यह है कि जूही बब्बर ने अभिनय का कोई पारंपरिक या औपचारिक प्रशिक्षण नहीं लिया। इसके बजाय, उन्होंने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (एनआईएफटी), मुंबई से फैशन डिजाइनिंग में स्नातक किया और अपनी कलात्मक यात्रा की शुरुआत नाटकों में एक कॉस्ट्यूम डिजाइनर के रूप में की।

जूही बब्बर ने 2003 में 'काश आप हमारे होते' से अमृता के रूप में बॉलीवुड डेब्यू किया। 2005 की पंजाबी फिल्म 'यारां नाल बहारां' में हरमन कौर का किरदार निभाया। 2009 में टीवी शो 'घर की बात है' में राधिका याग्निक बनीं। 2018 में 'अय्यारी' में कर्नल अभय सिंह की पत्नी की भूमिका निभाई। 2021 के नाटक 'विद लव, आपकी सैयारा' की लेखिका, निर्देशिका और मुख्य अभिनेत्री रहीं। 2023 में 'फराज' और 'फर्रे' में सिमीन तथा जोया की भूमिकाएं निभाईं।

जीवन हमेशा आसान या सीधा नहीं रहा। 27 जून 2007 को फिल्म निर्माता बिजॉय नांबियार के साथ उनका पहला विवाह हुआ, जो दुर्भाग्यवश वैचारिक मतभेदों के कारण जनवरी 2009 में टूट गया। एक टूटे हुए विवाह और फिल्म उद्योग की अनिश्चितताओं ने उन्हें तोड़ा नहीं, बल्कि उनकी कलात्मक धार को और तेज कर दिया। वर्ष 2011 में अनूप सोनी के साथ दूसरी शादी की। जूही बब्बर का एक बेटा है, जिसका नाम इमान सोनी है।

आज जूही बब्बर भारतीय रंगमंच की सबसे शक्तिशाली आवाजों में से एक मानी जाती हैं। उनका एकल नाटक, 'विद लव, आपकी सैयारा,' एक आधुनिक भारतीय महिला की पहचान, उसके तलाक, सपनों, व्यवसाय और सामाजिक बंधनों पर इतनी गहराई से दिखाता है ।

यश ने 'रामायण' इवेंट में हिंदी में की बात, बोले- इस फिल्म ने मुझे कई यादगार अनुभव दिए

नई दिल्ली। कन्नड़ सुपरस्टार यश का कहना है कि 'रामायण' फिल्म में काम करना कई तरह से एक फायदेमंद अनुभव रहा है।

दिल्ली में हुए ट्रेलर लॉन्च के दौरान उन्होंने कहा कि इस बड़े पौराणिक प्रोजेक्ट (रामायण) ने न सिर्फ उन्हें एक अहम किरदार निभाने का मौका दिया, बल्कि हिंदी सीखने में भी मदद की। प्रोड्यूसर नमित मल्होत्रा ? ?का शुक्रिया अदा करते हुए यश ने उन्हें इस प्रोजेक्ट से जोड़ने का श्रेय दिया और कहा कि यह प्रोजेक्ट उनके लिए प्रोफेशनल एवं पर्सनल, दोनों ही तरह से एक यादगार सफर रहा है। खास बात यह है कि 'केजीएफ: चैप्टर 1' के एक्टर ने इवेंट के दौरान हिंदी में बात करने की कोशिश भी की।

उन्होंने कहा, 'मैं इस अद्भुत परियोजना का हिस्सा बनकर वास्तव में खुश हूं। यहां सब हिंदी में बात कर रहे हैं। मैं भी कोशिश करूंगा। इस मुकाम तक पहुंचने के लिए सारा श्रेय नमित मल्होत्रा ? ?को जाता है। उन्होंने मुझे ये किरदार निभाने का अवसर दिया, उनके लिए मैं उनको धन्यवाद कहता हूं। हिंदी सीखने का भी मौका मिला। यश ने आगे कहा, 'यह भारत का सपना है। हम सभी एक सोच और एक पक्के इरादे के साथ अपनी कहानी को ग्लोबल मंच पर ले जाने के लिए एकजुट हुए हैं, इसलिए हम सबने अपने निजी हितों को एक तरफ रख दिया है। हमारा मकसद बस एक ही है, प्रभु श्रीराम की कहानी दुनिया भर के लोगों तक पहुंचाना और अपने देश में भी उनका गुणगान करना।

रणदीप हुड्डा की बेटी न्योमिका की पहली चावल रस्म, परिवार के साथ मनाया खास जश्न

विश्व केसरी ■

मुंबई। अभिनेता रणदीप हुड्डा ने अपनी बेटी न्योमिका की जिंदगी के एक बेहद खास पड़ाव की खूबसूरत झलकियां अपने फैंस के साथ भी शेयर कीं। रणदीप ने सोशल मीडिया पर बेटी की पहली चावल रस्म यानी 'चाकुम्बा' समारोह की तस्वीरें शेयर कीं और इसे बेहद खास पल बताया।

रणदीप हुड्डा ने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें साझा करते हुए लिखा कि कुछ पल ऐसे होते हैं, जिन्हें इंसान हमेशा के लिए अपने पास संभालकर रखना चाहता है। उन्होंने कहा कि न्योमिका का चाकुम्बा समारोह भी उनके लिए ऐसा ही एक यादगार पल था। उन्होंने अपनी बेटी के जीवन के इस नए पड़ाव पर आशीर्वाद देने वाले सभी लोगों के प्रति आभार जताया।

अभिनेता ने लिखा, 'कुछ पल ऐसे होते हैं जिन्हें आप हमेशा के लिए संजोकर रखना चाहते हैं। न्योमिका का चाकुम्बा उनमें से एक था।

उसका पहली बार चावल चखना और उन सभी लोगों के प्रति दिल से आभार जिन्होंने उसे आशीर्वाद दिया।' शेयर की गई तस्वीरों में रणदीप हुड्डा अपनी पत्नी लिन लैशराम और बेटी न्योमिका के साथ नजर आए। पहली तस्वीर में रणदीप अपनी पत्नी के साथ बैठे दिखाई दे रहे हैं, जहां लिन ने बेटी को अपनी गोद में लिया हुआ है। इसके अलावा अभिनेता ने अपने माता-पिता और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ बिताए खूबसूरत पलों को भी साझा किया।

एक तस्वीर में लिन लैशराम अपनी बेटी को गोद में लिए नजर आ रही हैं, जबकि रणदीप अपनी बेटी के साथ प्यार भरे अंदाज में समय बिताते दिखाई दे रहे हैं। वहीं, एक अन्य तस्वीर में समारोह में शामिल मेहमान जमीन पर बैठकर पारंपरिक भोजन का आनंद लेते नजर आए। इन तस्वीरों में परिवार की खुशियां और पारंपरिक माहौल साफ दिखाई दे रहा है। इस खास अवसर पर रणदीप हुड्डा पारंपरिक सफेद कुर्ता और धोती पहने नजर आए। वहीं, उनकी पत्नी लिन लैशराम ने खूबसूरत गुलाबी साड़ी और मैचिंग शॉल पहन रखा था। दोनों पारंपरिक परिधान में बेहद आकर्षक लग रहे थे और परिवार के साथ इस खास दिन को यादगार बनाते दिखाई दिए। बता दें कि चाकुम्बा मणिपुरी मैतेई समुदाय की एक पारंपरिक रस्म है। यह समारोह बच्चे के जीवन में एक महत्वपूर्ण पड़ाव माना जाता है। इस रस्म के दौरान बच्चे को पहली बार ठोस आहार, खासकर चावल खिलाया जाता है।

मां बनने के बाद कैटरीना कैफ का पहला बर्थडे रहा बेहद खास, बेटे विहान संग शेयर किए अनदेखे पल

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री कैटरीना कैफ अपनी फिल्मों के साथ-साथ निजी जिंदगी को लेकर भी अक्सर चर्चा में रहती हैं। मां बनने के बाद उनकी जिंदगी में कई खूबसूरत बदलाव आए, जिसकी झलक वह समय-समय पर अपने फैंस के साथ साझा करती रहती हैं।

इस बार भी उन्होंने अपने जन्मदिन को बेहद खास अंदाज में मनाया और पहली बार मां बनने के बाद के इस खास पल की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कीं। इन तस्वीरों में उनके बेटे विहान और पति विक्की कौशल के साथ बिताए गए

यादगार पल देखने को मिले।

कैटरीना कैफ ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर कई तस्वीरें साझा की हैं। इन तस्वीरों में सबसे ज्यादा ध्यान उस फोटो ने खींचा, जिसमें वह अपने बेटे विहान को गोद में उठाए हुए हैं और उसके नन्हे हाथ पर प्यार से किस करती नजर आ रही हैं। इसके अलावा, उन्होंने कुछ ऐसी तस्वीरें भी शेयर की हैं, जिनमें वह पति विक्की कौशल के साथ बेहद खुश नजर आ रही हैं।

कैटरीना ने अपने जन्मदिन की कुछ सोलो तस्वीरें भी साझा की हैं। इनमें एक ब्लैक एंड व्हाइट में कटरीना मस्ती भरे अंदाज में नजर आ रही हैं, जबकि उनके बेटे का छोटा सा हाथ उनकी नाक पर रखा हुआ है।

उर्वशी रौतेला की टॉम हिडलेस्टन से मुलाकात, विंबलडन में जमी बॉलीवुड-हॉलीवुड की जुगलबंदी

विश्व केसरी ■

मुंबई । अभिनेत्री उर्वशी रौतेला ने हाल ही में 'विंबलडन 2026 मेन्स फाइनल' में हॉलीवुड स्टार टॉम हिडलेस्टन से मुलाकात की। अभिनेत्री ने इस मुलाकात का जिक्र करते हुए बताया कि उन्होंने और हॉलीवुड स्टार ने सिनेमा के बारे में काफी दिलचस्प बातें कीं।

अभिनेत्री ने बताया, ' 'विंबलडन 2026 मेन्स फाइनल' में जाना मेरे लिए एक यादगार अनुभवों में से एक था। इटैलियन टेनिस प्लेयर जैनिक सिनर और जर्मन टेनिस प्लेयर अलेक्जेंडर जेवरेव को सबसे ऊंचे लेवल पर मुकाबला करते देखना सच में प्रेरणा देने वाला था।

अभिनेत्री ने दोनों खिलाड़ियों के बारे में बात करते हुए बताया, 'उनके जुनून, अनुशासन और खेल भावना ने सभी को याद दिलाया कि विंबलडन टेनिस का शिखर क्यों बना हुआ है। जैनिक को शानदार जीत और अलेक्जेंडर को शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई।

अभिनेत्री ने बातचीत में जोड़ा कि टॉम हिडलेस्टन से मिलकर यह दिन और भी यादगार बन गया। उन्होंने कहा, 'हमने पारंपरिक विंबलडन स्ट्रॉबेरी और क्रीम का मजा लेते हुए सिनेमा के बारे में बहुत अच्छी बातचीत की। मैंने हमेशा उनके काम की तारीफ की है, खासकर 'लोकी' का उनका किरदार और उन्हें कैरेक्टर के विकास, उनके क्रिएटिव प्रोसेस और हर रोल के प्रति उनके डेडिकेशन के बारे में बोलते हुए

सुनना बहुत दिलचस्प था।

अभिनेत्री ने बताया, 'हमने मार्वल के अलावा उनके कुछ बेहतरीन कामों पर भी बात की, जिसमें द नाइट मैनेजर, क्रिमसन पीक, और उनके मशहूर थिएटर परफॉर्मेंस शामिल हैं। उनकी विनम्रता, समझदारी, और कहानी कहने के जुनून ने मुझ पर गहरी छाप छोड़ी। यह लंदन की एक खूबसूरत दोपहर थी जिसमें एक ही जगह पर खेल, सिनेमा, और कल्चर का जश्न मनाया गया। विंबलडन सच में एक टाइमलेस अनुभव है, और यह एक ऐसा दिन है, जिसे मैं हमेशा याद रखूंगी।

अभिनेत्री हाल ही में बहुप्रतीक्षित एक्शन-कॉमेडी फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' में नजर आई थी। यह 'वेलकम' फ्रेंचाइजी की तीसरी किस्त है।

किर्गिस्तान में एससीओ संस्कृति मंत्रियों की बैठक, भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे गजेंद्र सिंह शेखावत

विश्व केसरी■

बिश्केक। केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत रविवार को किर्गिस्तान के चोलपोन-अता में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) संस्कृति मंत्रियों की 23वीं बैठक में शामिल हुए। पहले दिन, बैठक में सदस्य देशों के बीच सांस्कृतिक सहयोग को मजबूत करने और साझा विरासत के संरक्षण पर चर्चा की जा रही है।

शनिवार को बिश्केक हवाई अड्डे पर किर्गिस्तान के सांस्कृतिक एवं भौतिक विरासत विभाग के प्रमुख चिनारबेक झोलदोशेव और किर्गिस्तान में भारत के राजदूत बीरेंद्र सिंह यादव ने केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत का गर्मजोशी से स्वागत किया। किर्गिस्तान स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के 18 से 20 जुलाई तक चोलपोन-अता में आयोजित एससीओ सदस्य देशों की बैठक में शामिल होने की जानकारी दी थी।

वर्तमान में किर्गिस्तान वर्ष 2025-26 के लिए एससीओ की अध्यक्षता कर रहा है। किर्गिस्तान के राष्ट्रपति सदिर जापारोव ने अपनी अध्यक्षता का विषय 'एससीओ के 25 वर्ष: सतत शांति, विकास और समृद्धि की ओर साथ मिलकर' निर्धारित किया है। इससे पहले अप्रैल में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बिश्केक में आयोजित एससीओ रक्षा मंत्रियों की बैठकमें भाग लिया था। इस दौरान उन्होंने आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए सदस्य देशों से सामूहिक और बिना किसी समझौते वाले दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया था। राजनाथ सिंह ने अपने संबोधन में कहा था कि 'ऑपरेशन सिंदूर' ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत आतंकवाद के खिलाफ कड़ा रुख अपनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और आतंकवाद के केंद्र अब दंड से नहीं बच सकते। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को राज्य प्रायोजित सीमा पार आतंकवाद के खतरे को गंभीरता से लेना चाहिए, क्योंकि यह देशों की संप्रभुता को कमजोर करता है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में दोहरा मापदंड या चयनात्मक रवैया अपनाने की कोई गुंजाइश नहीं होनी चाहिए।

रक्षा मंत्री ने एससीओ से उन देशों और संगठनों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करने की अपील की जो आतंकवादियों को समर्थन, शरण या किसी भी प्रकार की सहायता प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद के खिलाफ बिना किसी अपवाद के कार्रवाई ही क्षेत्रीय सुरक्षा, शांति और समृद्धि की आधारशिला बन सकती है। राजनाथ सिंह ने यह भी कहा कि आतंकवाद के खिलाफ संघर्ष एससीओ के मूल सिद्धांतों में शामिल है ।

पाकिस्तान में पानी को लेकर बढ़ा विवाद, सिंध पर बलूचिस्तान का हक छीनने का आरोप

विश्व केसरी■

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में जल बंटवारे को दो प्रांतों के बीच विवाद गहराता जा रहा है। सिंध और बलूचिस्तान आमने-सामने आ गए हैं। बलूचिस्तान सरकार के तीन मंत्रियों ने सुक्कुर बैराज पर किसानों के प्रदर्शन में हिस्सा लेते हुए सिंध पर बलूचिस्तान के हिस्से का पानी अवैध रूप से मोड़ने का आरोप लगाया। मंत्रियों ने कहा कि लगातार पानी की कमी के कारण किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, बलूचिस्तान के मंत्रियों ने सिंध सरकार से मांग की कि वह राज्य के भीतर बने कथित अवैध जल मार्गों के जरिए बलूचिस्तान के हिस्से का पानी चोरी किए जाने पर तत्काल कार्रवाई करे। शनिवार को लरकाना डिवीजन के कई इलाकों के किसानों ने बलूचिस्तान के किसानों के साथ मिलकर पानी की कमी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। इस मुद्दे को लेकर बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने तीन सदस्यीय समिति का गठन किया है। इस समिति में मंत्री मुहम्मद सादिक उमरानी, सलीम अहमद खोसो और मुहम्मद खान लेहरी शामिल हैं। समिति का उद्देश्य सिंध सरकार के समक्ष बलूचिस्तान की जल संबंधी चिंताओं को उठाना है। प्रदर्शन को संबोधित करते हुए मंत्री मुहम्मद सादिक उमरानी ने कहा कि बलूचिस्तान केवल 1991 के जल समझौते के तहत अपना वैध हिस्सा चाहता है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रांत को खिरथर नहर से मिलने वाले 2,400 क्यूसेक और पट फीडर से मिलने वाले 6,700 क्यूसेक पानी का पूरा हिस्सा नहीं मिल रहा है।

उमरानी ने कहा कि पानी की कमी के कारण किसान फसल बुवाई के महत्वपूर्ण समय में सिंचाई नहीं कर पा रहे हैं, जिससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

वहीं, मंत्री सलीम अहमद खोसो ने कहा कि सिंध सिंचाई विभाग का दावा है कि बलूचिस्तान को उसके हिस्से से अधिक पानी मिल रहा है, लेकिन समिति ने इस दावे को पूरी तरह खारिज कर दिया है।

संक्षिप्त खबर

ईरान के खुजेस्तान प्रांत में भूकंप : तीव्रता 5.0 दर्ज, आपात सेवाएं अलर्ट पर

विश्व केसरी■

तेहरान। ईरान के दक्षिण-पश्चिमी प्रांत खुजेस्तान में रविवार सुबह 5.0 तीव्रता का भूकंप आया। इसके बाद प्रशासन ने पूरे क्षेत्र में आपात सेवाओं को हाई अलर्ट पर कर दिया है। प्रांत के गवर्नर सैयद मोहम्मद रजा मौलाइजादेह ने कहा कि उन्होंने बचाव और राहत कार्यों में जुटी सभी एजेंसियों को पूरी तरह सक्रिय रहने के निर्देश जारी कर दिए हैं। साथ ही, किसी भी संभावित आपात स्थिति से निपटने के लिए सभी संबंधित विभागों को तैयार रहने को कहा गया है। ईरान के सरकारी प्रसारक आईआरआईबी ने तेहरान विश्वविद्यालय के भूकंप विज्ञान केंद्र के हवाले से बताया कि यह भूकंप लगभग 12 किलोमीटर (7.5 मील) की गहराई में आया। झटके महसूस होने के बाद स्थानीय प्रशासन ने तुरंत राहत और बचाव टीमों को प्रभावित इलाकों में भेज दिया, ताकि स्थिति का जल्द से जल्द आकलन किया जा सके। गवर्नर मौलाइजादेह ने बताया कि विभिन्न क्षेत्रों में सर्वेक्षण दल लगातार निरीक्षण कर रहे हैं और अब तक किसी भी स्थान से जनहानि या बड़े पैमाने पर संपत्ति के नुकसान की सूचना नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित कार्यकारी संस्थाएं पूरी सतर्कता के साथ काम कर रही हैं और हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है। यह भूकंप ऐसे समय में आया है जब ईरान और अमेरिका के बीच तनाव चरम पर है।

वैश्विक एआई शासन को नई दिशा दे रहा है 'चीनी समाधान'

विश्व केसरी■

बीजिंग। 17 से 20 जुलाई तक पूर्वी चीन के महानगर शांगहाई में 2026 विश्व कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) सम्मेलन (डब्ल्यूएआईसी) और एआई वैश्विक शासन पर उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की जा रही है। 17 जुलाई को उद्घाटन समारोह में चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने मुख्य भाषण देते हुए निष्पक्ष और संतुलित वैश्विक एआई शासन प्रणाली के निर्माण के लिए मिलकर काम करने का आह्वान किया। उन्होंने एआई के तेज विकास से पैदा हो रही चुनौतियों पर विस्तार से बात की और वैश्विक एआई शासन के लिए चार प्रमुख सुझाव पेश किए। राष्ट्रपति शी के भाषण को सम्मेलन में मौजूद प्रतिनिधियों की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली और इसने अंतर्राष्ट्रीय समुदाय का भी व्यापक ध्यान आकर्षित किया। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आम राय है कि चीन समावेशी, न्यायसंगत, सुरक्षित, नियंत्रित और मानव हित केंद्रित एआई के विकास की वकालत कर रहा है, जो एक प्रमुख शक्ति के रूप में उसकी जिम्मेदारी को भी दर्शाता है। अपने संबोधन में शी चिनफिंग ने कई अहम सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जब मशीनें सोचने लगें, एल्गोरिदम फैसलों में भाग लेने लगें और नई प्रौद्योगिकी नैतिक मूल्यों को चुनौती देने लगे, तब मानव समाज को किस तरह संतुलित शासन व्यवस्था विकसित करनी चाहिए।

लेबनान के राष्ट्रपति आउन पहुंचे वाशिंगटन, ट्रंप से हिज्बुल्लाह और इजरायल के मुद्दे को लेकर करेंगे चर्चा

विश्व केसरी■

वाशिंगटन। लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ आउन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निमंत्रण पर वाशिंगटन पहुंचे हैं। आउन व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति से मुलाकात करेंगे। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच हिज्बुल्लाह के हथियार डालने और लेबनान से इजरायली सेना की वापसी सुनिश्चित करने की योजना पर चर्चा होगी।

लेबनान के राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी दी गई, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निमंत्रण पर अमेरिका के आधिकारिक दौरे की शुरुआत में, रिपब्लिक के प्रेसिडेंट जनरल जोसेफ आउन और फर्स्ट लेडी नायमा आउन वाशिंगटन में एंड्रयूज एयर फोर्स बेस पहुंचे। अमेरिकी अधिकारियों ने राष्ट्रपति आउन और लेबनान की फर्स्ट लेडी का एयरपोर्ट पर स्वागत किया। लेबनान के आधिकारिक बयान के अनुसार, राष्ट्रपति आउन और फर्स्ट लेडी का स्वागत करने वालों में अमेरिकी राज्य विभाग की प्रोटोकॉल प्रमुख, बेस कमांडर, अमेरिका में लेबनान की राजदूत नाडा हरदिनी मालूफ, संयुक्त राष्ट्र में लेबनानी मिशन के प्रमुख राजदूत अहमद अराफा, लेबनानी दूतावास में मिलिट्री अटैची (सशस्त्र बल का सदस्य) ब्रिगेडियर जनरल ओलिवियर हकमेह, कॉन्सुल वासिम बुट्रोस, दूतावास स्टाफ और वाशिंगटन मिडिल ईस्ट स्टेशन चीफ अदीब अल-कोसी शामिल थे।

लेबनान के राष्ट्रपति कार्यालय ने बताया कि थोड़े समय के आराम के बाद लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ आउन, उनकी पत्नी और उनके साथ आए प्रतिनिधिमंडल ने आधिकारिक आवास का रुख किया। वहां उन्होंने अमेरिका में लेबनान के राजदूत मुअल्लफ, दूतावास के राजनयिक एवं प्रशासनिक अधिकारियों से मुलाकात की। इस दौरान उन्हें दूतावास के कामकाज, अमेरिका में रह रहे लेबनानी समुदाय की स्थिति और राष्ट्रपति की यात्रा से जुड़े अन्य विषयों की जानकारी दी गई।

राष्ट्रपति आउन सोमवार (स्थानीय समय) से अपनी आधिकारिक बैठकों की शुरुआत करेंगे। सबसे पहले उनकी अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से साथ बैठक होगी। इसके बाद मंगलवार दोपहर से पहले व्हाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप उनका औपचारिक स्वागत करेंगे। अपने दौरे के दौरान राष्ट्रपति आउन अमेरिकी सीनेट के कई सदस्यों और अमेरिकी प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ भी अलग-अलग बैठकें करेंगे।

दक्षिण कोरिया : लगभग आधे कर्मचारियों को नहीं मिल पा रही पैरेंटल लीव, सर्वे में खुलासा

विश्व केसरी■

सोल। पिछले साल (2025) दक्षिण कोरिया से एक ऐसी खबर आई जो इस देश के लिए राहत भरी थी। आंकड़ों में पैरेंटल लीव की कहानी थी। देश ने कहा कि बर्थरेट बढ़ने की वजह से 2024 मेंआंकड़ा बढ़ा है। जन्मदर में 2023 के मुकाबले 3.6 प्रतिशत की वृद्धि थी। सरकार ने अपनी पीठ थपथपाते हुए कहा कि ऐसा उसकी पॉलिसी की वजह से संभव हो पाया है। लेकिन 2026 में एक सर्वे सरकारी दावों की हवा निकालता है।

ये बताता है कि दक्षिण कोरिया में कामकाजी लोगों के लिए मातृत्व और पैरेंटल लीव (बच्चों की देखभाल के लिए अवकाश) का लाभ उठाना आसान नहीं है। एक नए सर्वेक्षण में सामने आया है कि देश के करीब आधे कर्मचारी जरूरत पड़ने पर भी स्वतंत्र रूप से पैरेंटल लीव या बच्चों की देखभाल के लिए कम कार्य घंटे की सुविधा का उपयोग नहीं कर पाते। योनहाप न्यूज एजेंसी के अनुसार, यह सर्वे 1 जून से 9 जून के बीच 19 वर्ष या उससे अधिक आयु के 1,000 कार्यालय कर्मचारियों पर किया गया। सर्वेक्षण गैपजिल 119 नामक नागरिक संगठन की ओर से कराया गया, जो कार्यस्थलों पर वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा शक्ति के दुरुपयोग को रोकने के लिए काम करता है। इसे ग्लोबल रिसर्च एजेंसी ने संचालित किया।

सर्वे के अनुसार, 46.7 प्रतिशत कर्मचारियों ने कहा कि वे जरूरत पड़ने पर भी स्वतंत्र रूप से पैरेंटल लीव नहीं ले सकते। यह आंकड़ा बताता है कि कानूनी प्रावधान होने के बावजूद कई कर्मचारियों को कार्यस्थल पर ऐसी सुविधाओं का लाभ लेने में व्यावहारिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

ईरान ने डिसैलिनेशन प्लांट को बनाया निशाना, जाने खाड़ी देशों के लिए इतने अहम क्यों?

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया के हालात बेहद संवेदनशील हैं। अमेरिका-ईरान में संघर्ष विराम की उम्मीद हर गुजरते दिन के साथ धुंधलाती जा रही है। अमेरिका ने लगातार आठ रातों तक ईरान के सैन्य ठिकानों और प्रमुख केंद्रों को निशाना बनाया। इसमें एक बीजी डिसैलिनेशन (अलवणीकरण) प्लांट भी शामिल था। ईरान ने कहा कि हमले के बाद 20 गांवों के करीब 10 हजार लोगों को पीने का पानी नहीं मिल पाएगा। फिर जवाब में ईरान ने भी कुवैत के ऐसे ही प्लांट को निशाना बनाया।

कुवैत ने कहा कि ईरान ने दूसरे दिन उसके पानी के प्लांट को निशाना बनाया। कहा गया कि इससे छोटे रेगिस्तानी देश में जीवन के लिए, खतरा पैदा हो सकता है। कुवैत ही नहीं गल्फ के छह देश डिसैलिनेशन प्लांट पर ही निर्भर हैं। ये प्लांट उनके लिए किसी लाइफलाइन से कम नहीं हैं।

ये वो संयंत्र हैं जो समुद्र के खारे पानी को साफ कर उन्हें मीठा या पीने योग्य बनाते हैं। जिन देशों में प्राकृतिक मीठे पानी की कमी होती है, वहां यह तकनीक पानी का सबसे बड़ा स्रोत है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से लेकर कुवैत तक, खाड़ी के तटों पर 400 से अधिक डिसैलिनेशन संयंत्र स्थित हैं, जो दुनिया के सबसे अधिक जल-संकटग्रस्त क्षेत्रों को पानी उपलब्ध कराते हैं।

अरब सेंटर वॉशिंगटन डीसी द्वारा प्रकाशित 2023 के एक शोध पत्र के अनुसार, खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के छह सदस्य देश दुनिया की लगभग 60 प्रतिशत डिसैलिनेशन क्षमता रखते हैं और विश्व स्तर पर उत्पादित कुल शुद्ध जल का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा तैयार करते हैं।

'नेतन्याहू न्यूयॉर्क आए तो उनकी गिरफ्तारी होनी चाहिए,' ममदानी के बयान पर इजरायली नेताओं का फूटा गुस्सा

विश्व केसरी■

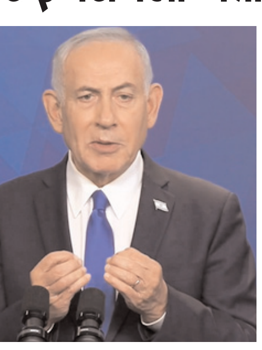

न्यूयॉर्क। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोहरान ममदानी ने एक इंटरव्यू में इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को लेकर कुछ ऐसा कहा है, जिस पर इजरायली नेताओं ने उन्हें चौतरफा घेर लिया। अमेरिका में इजरायली राजदूत माइक वॉल्ट्ज ने ममदानी पर पलटवार करते हुए कहा कि नेतन्याहू को गिरफ्तार करने की आपकी मंशा कभी पूरी नहीं होगी।

अमेरिकी और इजरायली मीडिया के अनुसार, न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोहरान ममदानी ने शनिवार को छपे एक इंटरव्यू में कहा कि उनका मानना है कि अगर प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू सितंबर में संयुक्त राष्ट्र महासभा के लिए शहर आते हैं तो उन्हें युद्ध अपराध के लिए गिरफ्तार किया जाना चाहिए, लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि ऐसा करने के लिए वे कानूनों में बदलाव करने की कोशिश नहीं करेंगे। मेयर ममदानी ने कहा, 'मेरा मानना है कि प्रधानमंत्री नेतन्याहू को हेग में रहना चाहिए। वह एक युद्ध अपराधी हैं जिन पर इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट ने आरोप लगाया है। आप पाएंगे कि यह एक ऐसी राय है जो कई लोगों की है, सिर्फ इसलिए क्योंकि पिछले कई सालों में उनके कामों ने ऐसा किया है।' अपनी धमकी को लेकर कोई कार्रवाई न करने का संकेत देते हुए उन्होंने कहा, 'मैंने यह भी कहा है कि मैं न्यूयॉर्क शहर में कानूनों का पालन करूंगा, क्योंकि मेरा मानना है कि हमारे शहर को चलाने वाले नेता के तौर पर कानून का पालन करना जरूरी है।' 'अपने इरादों के बारे में पूछे जाने पर ममदानी ने कहा कि न्यूयॉर्क शहर में कानून मुझे जो भी करने की इजाजत देगा, हम वही करेंगे, लेकिन हम इसके लिए अपना कानून नहीं लिखेंगे।

जब उनसे पूछा गया कि क्या कानून इजाजत देते हैं तो उन्होंने कहा कि कानूनी विभाग के साथ इस संबंध में हमारी एक्टिव बातचीत हुई है।

ममदानी ने न्यूयॉर्क पुलिस डिपार्टमेंट को इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट द्वारा वॉन्टेड नेताओं के खिलाफ अरेस्ट वारंट लागू करने के लिए भेजने का वादा किया था। इसमें नेतन्याहू और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी शामिल हैं।

मॉस्को में यूक्रेन का ड्रोन अटैक, एक की मौत, 61 घायल

विश्व केसरी■

मॉस्को। रूस के मॉस्को इलाके में यूक्रेन ने ड्रोन हमले किए, जिसमें एक शख्स की मौत हो गई, जबकि 61 लोग घायल हो गए। रिजनल गवर्नर आंद्रेई वोरोब्योव ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी।

वोरोब्योव ने शनिवार को बताया कि ड्रोन हमले में घायल हुए 20 लोगों को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, नौ अन्य लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है, जबकि 31 लोगों की स्थिति स्थिर है। घायलों को उपचार के लिए डॉक्टरों की निगरानी में रखा गया है। अधिकांश पीड़ितों को छर्रे और विस्फोट से चोटें आई हैं, साथ ही मस्तिष्क में गंभीर चोटें, हड्डियां टूटना, जलने और धुएं के कारण सांस लेने में तकलीफ जैसी समस्याएं भी हुई हैं।

वोरोब्योव ने कहा कि मॉस्को से लगभग 60 किलोमीटर पूर्व में स्थित इलेक्ट्रोस्टल शहर सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ, जहां 57 लोग घायल हुए, जबकि नोगिन्स्क में चार अन्य लोग घायल हुए। इससे पहले शनिवार को वोरोब्योव ने कहा था कि इलेक्ट्रोस्टल में एक गोदाम के परिसर में ड्रोन गिरने से 24 लोग घायल हो गए थे।

उत्तर कोरिया की विदेश मंत्री का रूस दौरा, किम जोंग-उन की संभावित मास्को यात्रा पर अटकलें तेज

विश्व केसरी■

सोल। उत्तर कोरिया की विदेश मंत्री चोए सोन-हुई रूस के आधिकारिक दौरे पर मास्को पहुंच चुकी हैं। उत्तर कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी केसीएनए ने रविवार को इसकी पुष्टि की, हालांकि रूसी विदेश मंत्रालय ने शनिवार को ही इसकी जानकारी दे दी थी। यह दौरा ऐसे समय हो रहा है जब उत्तर कोरिया और रूस के बीच रणनीतिक और सैन्य संबंध लगातार मजबूत होते जा रहे हैं।

केसीएनए के अनुसार, चोए सोन-हुई शनिवार को अपने आधिकारिक विमान से प्योंगयांग से रूस के लिए रवाना हुईं। यह यात्रा रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के निमंत्रण पर हो रही है। हालांकि, उत्तर कोरियाई मीडिया ने इस दौरे के उद्देश्य या उनके कार्यक्रम से जुड़ी कोई विस्तृत जानकारी साझा नहीं की। इस बीच, रूस के विदेश मंत्रालय ने शनिवार (स्थानीय समयानुसार) बताया कि चोए सोन-हुई आधिकारिक यात्रा पर मास्को पहुंच चुकी हैं। हालांकि, रूसी पक्ष ने भी बैठक के एजेंडे या संभावित समझौतों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। यह अक्टूबर के बाद चोए सोन-हुई की रूस की पहली यात्रा है। इससे पहले उन्होंने मास्को का कार्यकारी दौरा किया था और बेलारूस में आयोजित एक वैश्विक सुरक्षा सम्मेलन में भी हिस्सा लिया था।

विश्लेषकों के हवाले से योनहाप न्यूज एजेंसी ने बताया कि इस बार का दौरा उत्तर कोरिया के सर्वोच्च नेता किम जोंग-उन की संभावित रूस यात्रा की तैयारियों से जुड़ा हो सकता है। दोनों देशों के बीच फिलहाल कोई बड़ा राजनयिक कार्यक्रम या वर्षगांठ निर्धारित नहीं है, इसलिए माना जा रहा है कि मास्को में संभावित शिखर बैठक की रूपरेखा पर चर्चा हो सकती है।

उत्तर कोरिया और रूस के संबंध जून 2024 में उस समय और अधिक मजबूत हुए थे, जब किम जोंग-उन और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 'व्यापक रणनीतिक साझेदारी संधि' पर हस्ताक्षर किए थे। इसके बाद राष्ट्रपति पुतिन ने किम को मास्को आने और शिखर वार्ता में भाग लेने का निमंत्रण भी दिया था। इस समझौते के बाद उत्तर कोरिया ने यूक्रेन युद्ध में रूस के समर्थन में हजारों सैनिक भेजे हैं।

मध्य प्रदेश कैबिनेट ने नौ अहम विधेयकों को दी मंजूरी, मानसून सत्र में पेश होंगे विधेयक

विश्व केसरी

भोपाल। मुख्यमंत्री मोहन यादव की अध्यक्षता में भोपाल के जगदीशपुर में आयोजित मध्य प्रदेश कैबिनेट की विशेष बैठक में नौ महत्वपूर्ण विधेयकों को मंजूरी दी गई। ये सभी विधेयक 20 जुलाई से शुरू होने वाले विधानसभा के मानसून सत्र में पेश किए जाएंगे। राज्य सरकार का कहना है कि इन फैसलों का उद्देश्य शासन व्यवस्था को आधुनिक बनाना, नियमों को सरल करना और शिक्षा, उद्योग, श्रम तथा जनकल्याण के क्षेत्र में व्यापक सुधार लाना है।

सबसे अहम 'मध्य प्रदेश समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक, 2026' को मंजूरी दी गई है। इस विधेयक के तहत सभी धर्मों के लिए विवाह, तलाक, गोद लेने और उत्तराधिकार से जुड़े मामलों के लिए एक समान कानूनी व्यवस्था लागू करने का प्रस्ताव है। इसमें लिव-इन रिलेशनशिप का पंजीकरण अनिवार्य किया गया है और महिलाओं व पुरुषों को संपत्ति में समान अधिकार देने का प्रावधान किया गया है। हालांकि, जनजातीय समुदायों को इसके दायरे से बाहर रखा गया है। इस कदम के साथ, मध्य प्रदेश उन चुनिंदा राज्यों में शामिल हो गया है, जिन्होंने इस तरह का व्यापक नागरिक सुधार आगे बढ़ाया है।

कैबिनेट ने 'निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) संशोधन विधेयक, 2026' को भी मंजूरी दी। इसके तहत विश्वविद्यालय खोलने के लिए पहले अनिवार्य 25 एकड़ भूमि की शर्त हटाकर 'पर्याप्त भूमि' का प्रावधान किया गया है। इससे शहरों और उनके आसपास बहुमंजिला परिसर बनाकर विश्वविद्यालय स्थापित किए जा सकेंगे। यह फैसला नई शिक्षा नीति के अनुरूप माना जा रहा है, और इससे निजी निवेश तथा उच्च शिक्षा के अवसर बढ़ने की उम्मीद है। 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस अधिनियम, 2026' को भी ज्यादा मजबूत बनाया गया है। इसके तहत मध्य प्रदेश औद्योगिक विकास निगम के अंतर्गत एक विशेष ईओडीबी सचिवालय बनाया जाएगा। यह सिंगल विंडो व्यवस्था निवेशकों को स्व-घोषणा के आधार पर 'लेटर ऑफ एस्टैब्लिशमेंट' जारी करेगी। साथ ही शुरुआती चरण में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के प्रमाणपत्र की अनिवार्यता खत्म कर दी गई है, जिससे उद्योग लगाने में लगने वाला समय काफी कम होगा। शिक्षा क्षेत्र में 'मध्य प्रदेश निजी कोचिंग संस्थान (पंजीकरण एवं विनियमन) विधेयक, 2026' को मंजूरी मिली है।

कर्नाटक के सीएम डीके शिवकुमार ने राज्य भर में मौजूदा सूखे की स्थिति की समीक्षा की

विश्व केसरी

बेंगलुरू। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने रविवार को विधान सौधा में जिला पंचायतों के उपायुक्तों और मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) की एक बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें राज्य भर में मौजूदा सूखे की स्थिति की समीक्षा की गई और इससे उत्पन्न प्रमुख चुनौतियों से निपटने के उपायों पर चर्चा की गई।

मीटिंग में पीने के पानी की सप्लाई, जानवरों के लिए चारे की उपलब्धता, खेती-बाड़ी के काम, रोजगार पैदा करने और सूखे से प्रभावित इलाकों में लागू किए जाने वाले दूसरे राहत उपायों से जुड़े मुद्दों पर फोकस किया गया।

उपमुख्यमंत्री जी. परमेश्वर, मंत्री केजे जॉर्ज, रामलिंगा रेड्डी, ईश्वर खंड्रे और यतींद्र सिद्धारमैया मीटिंग में शामिल हुए। चीफ सेक्रेटरी शालिनी रजनीश, मुख्यमंत्री के इकोनॉमिक एडवाइजर एलके अतीक, एडिशनल चीफ सेक्रेटरी तुषार गिरिनाथ और गौरव गुप्ता के साथ-साथ सीनियर सरकारी अधिकारी भी मौजूद थे।

रिव्यू के दौरान मुख्यमंत्री ने डिप्टी कमिश्नर और जिला पंचायत चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर्स को टीम कर्नाटक के तौर पर काम करने और पूरे राज्य में सूखे से राहत के उपायों को असरदार तरीके से लागू करने का निर्देश दिया। विधान सौधा के कॉन्फ्रेंस हॉल में सूखे की स्थिति पर एक मीटिंग को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वह कागजी कामों के बजाय फील्ड रिपोर्ट पर भरोसा करेंगे और अधिकारियों को लापरवाही के खिलाफ चेतावनी दी। उन्होंने कहा, 'अगर फील्ड रिपोर्ट और अधिकारियों की जमा की गई रिपोर्ट में कोई अंतर पाया गया तो कार्रवाई की जाएगी।' सीएम ने कहा कि कर्नाटक में अभी 60 प्रतिशत बारिश की कमी है, जिससे 178 तालुका प्रभावित हुए हैं। उन्होंने जिला प्रशासन से अगले 15 दिनों के अंदर पूरा डेटा इकट्ठा करने को कहा, ताकि केंद्र को सूखे की रिपोर्ट जमा करने में आसानी हो।

संक्षिप्त खबर

पति ने पत्नी को कैंची से गोदकर मार डाला, आरोपी गिरफ्तार

विश्व केसरी

नई दिल्ली। दिल्ली के गौतमपुरी में गली नंबर 9 की तीसरी मंजिल पर महिला की हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने पत्नी की हत्या में शामिल पति को 48 घंटे के अंदर गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पति मुरादाबाद से पकड़ा गया है। पुलिस के अनुसार, 16 जुलाई को शाम लगभग 7:32 बजे, सीलमपुर पुलिस स्टेशन को दिल्ली के गौतमपुरी में गली नंबर 9, तीसरी मंजिल पर एक महिला की हत्या की सूचना मिली थी। पुलिस टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची, जहां 45 वर्षीय महिला गंभीर रूप से घायल अवस्था में खून से लथपथ पड़ी मिली। उसे तुरंत जेपीसी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। क्राइम टीम और एफएसएल की टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और बारीकी से सबूत इकट्ठा किए। शव को पोस्टमार्टम के लिए जीटीबी अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। शुरुआती जांच के दौरान और घटना के तुरंत बाद मृतका का पति सलीम घर से गायब पाया गया, जिससे वह मुख्य संदिग्ध बन गया। मामले की जांच के लिए एक टीम का गठन किया गया। कई जगहों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए, तकनीकी सबूतों की जांच की गई, ह्यूमन इंटेलिजेंस से मिली जानकारी की पुष्टि की और अलग-अलग जगहों पर संदिग्ध की गतिविधियों को ट्रैक किया गया ।

दिल्ली के जहांगीरपुर में पिता पर 13 साल की नाबालिग बेटी के यौन उत्पीड़न का आरोप, आरोपी की तलाश

विश्व केसरी

नई दिल्ली। दिल्ली के जहांगीरपुरी इलाके में एक व्यक्ति पर अपनी ही 13 साल की बेटी के यौन उत्पीड़न करने का आरोप है। पुलिस फरार आरोपी की तलाश कर रही है। पुलिस के मुताबिक, किशोरी की मां की शिकायत पर महिंद्रा पार्क पुलिस स्टेशन में पोक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। इसके बाद आरोपी पिता के फरार होने की खबर मिली। किशोरी ने बताया कि उसके पिता शाकिर अली उसकी दादी के साथ बादली गांव में रहते हैं, जबकि वह अपनी मां और अपने 10 साल के भाई के साथ जहांगीरपुरी में रहती है। 7 जुलाई को जब उसकी मां और भाई घर पर नहीं थे तो उसके पिता उनके घर आए। पुलिस ने कहा कि इस दौरान उसने कथित तौर पर उसकी मर्जी के खिलाफ उसके साथ जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाए और किसी को भी इस बारे में बताने पर उसे और उसकी मां को जान से मारने की धमकी दी। आरोपी फरार है और उसे ढूंढने और पकड़ने की कोशिश की जा रही है। इस मामले में और जानकारी का इंतजार है। इसी तरह का एक मामला कुछ माह पूर्व राजधानी दिल्ली से प्रकाश में आया था। यहां एक सौतेले पिता पर बेटी की इज्जत लूटने का आरोप लगा था। नाबालिग लड़की अपने सौतेले पिता के इस घिनौने जुर्म के बाद प्रेग्नेंट हो गई थी। पुलिस ने इस मामले में शिकायत दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया था।

अहमदाबाद पटाखा फैक्ट्री में हुए धमाके में नौ लोगों की मौत का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

विश्व केसरी

अहमदाबाद। अहमदाबाद के रामोल इलाके में जिस अवैध पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट हुआ था, उसके कथित ऑपरेटर को गिरफ्तार कर लिया गया है। फैक्ट्री में हुए धमाके में नौ लोगों की मौत हो गई थी। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने जांच तेज कर दी है और बिना जरूरी लाइसेंस और सेफ्टी अप्रूवल के यूनिट चलाने के आरोपियों के खिलाफ क्रिमिनल केस दर्ज किया है। रविवार को यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में अहमदाबाद पुलिस कमिश्नर अनुपम सिंह गहलोत ने कहा कि क्राइम ब्रांच ने मुख्य आरोपी मेहुल डोडिया को साबरमती इलाके से गिरफ्तार किया है, जब वह धमाके में घायल होने के बावजूद मौके से भाग गया था। गहलोत ने कहा कि मेहुल धमाके के समय फैक्ट्री में मौजूद था।

उन्होंने कहा, 'वह भी घायल हो गया और घटना के बाद मौके से भाग गया। 'पुलिस ने मेहुल की मां रमीला डोडिया, जो फैक्ट्री चलाती थी और उसके कथित पार्टनर सादिक सैयद को भी गिरफ्तार किया है। धमाके में रमीला के कान का पर्दा फट गया था। कमिश्नर के मुताबिक, फैक्ट्री को पहले 4 मार्च को लाइसेंस खत्म होने के बाद बंद कर दिया गया था और उसे रिन्यू नहीं किया गया था।

हालांकि, धमाके से करीब 20 से 25 दिन पहले गणेश त्योहार के ऑर्डर के लिए पटाखे बनाने के लिए इसने फिर से काम शुरू कर दिया था। काम के लिए दाहोद जिले से मजदूरों को अहमदाबाद लाया गया था। गहलोत ने कहा, 'शुरुआती जांच से पता चलता है कि साइट पर दो या तीन छोटे स्ट्रक्चर थे। जब वे पटाखे बना रहे थे और अंदर भरने का काम कर रहे थे, तो लगता है कि चिंगारियां वहीं से निकलीं। 'उन्होंने आगे कहा कि जांच करने वालों को मेहुल से पूछताछ के बाद घटनाओं का सही क्रम पता चलने की उम्मीद है।

उन्होंने कहा कि फोरेंसिक एक्सपर्ट्स और एक्सप्लोसिव स्पेशलिस्ट्स ने साइट से सबूत इकट्ठा किए हैं और पूरी तरह से नियम तोड़ने का पता लगाया है।

राजारहाट विस्फोट मामले में एक और गिरफ्तारी, अब तक दो आरोपी गिरफ्तार; एनआईए कर रही जांच

विश्व केसरी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के बाहरी इलाके राजारहाट में शुक्रवार रात हुए घर में विस्फोट के मामले में पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार कर ली है। इसके साथ ही इस मामले में गिरफ्तार आरोपियों की संख्या बढ़कर दो हो गई है। वहीं एक नाबालिग और मकान मालिक को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। मामले की जांच अब राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) कर रही है।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार किए गए दूसरे आरोपी की पहचान शहंशाह के रूप में हुई है। वह एक ब्रोकर है, जिस पर मुख्य आरोपी मोहम्मद शमीम को फर्जी पहचान के जरिए किराए पर कमरा दिलाने का आरोप है। मुख्य आरोपी मोहम्मद शमीम को शनिवार को उत्तर 24 परगना जिले के सोदपुर से गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने बताया कि शहंशाह को कई घंटों की लंबी पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया गया। वहीं एक नाबालिग और मकान मालिक जुल्फिकार अली को भी पूछताछ के लिए हिरासत में रखा गया है। इसके अलावा इस घटना में शामिल एक अन्य संदिग्ध की तलाश लगातार जारी है। यह विस्फोट शुक्रवार देर रात राजारहाट के दक्षिण नारायणपुर स्थित सुपारी बागान इलाके में एक मकान में हुआ था। विस्फोट में एक व्यक्ति घायल हो गया था। घटना की सूचना मिलते ही नारायणपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। बम निरोधक दस्ते ने मौके से दो और जिंदा बम बरामद किए, जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गईं। बाद में इस मामले की जांच एनआईए को सौंप दी गई। वहीं फोरेंसिक विशेषज्ञों की टीम भी घटनास्थल पर पहुंची और विस्फोट के वास्तविक कारण तथा इसके स्रोत का पता लगाने के लिए जांच शुरू की। जांच में पुलिस को पता चला कि जिस मकान में विस्फोट हुआ ।

निर्मोही अखाड़े की याचिका पर संतों में मतभेद, किसी ने किया समर्थन तो किसी ने जताई आपत्ति

विश्व केसरी

अयोध्या। अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से जुड़े चढ़ावा चोरी के आरोपों और जांच को लेकर विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। इस मामले में सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में होने वाली सुनवाई में निर्मोही अखाड़े की याचिका भी शामिल है। निर्मोही अखाड़े ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर ट्रस्ट के आय-व्यय का फॉरेंसिक ऑडिट कराने, ट्रस्ट को सार्वजनिक ट्रस्ट के रूप में पुनर्गठित करने और रामानंदी परंपरा के अनुसार पूजा-पाठ व्यवस्था बहाल करने की मांग की है। निर्मोही अखाड़े की इस याचिका पर अयोध्या के धार्मिक नेताओं की अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं।

महामंडलेश्वर विष्णुदास ने निर्मोही अखाड़े की याचिका का समर्थन करते हुए कहा कि राम मंदिर से जुड़े चढ़ावे में कथित चोरी करोड़ों रामभक्तों की आस्था से जुड़ा विषय है। इससे श्रद्धालुओं की भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने मांग की कि मौजूदा ट्रस्ट को पूरी तरह भंग किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब तक ट्रस्ट में बदलाव नहीं होगा, तब तक श्रद्धालुओं के मन में विश्वास को लेकर सवाल बने रहेंगे। उन्होंने कहा कि निर्मोही अखाड़े ने जो याचिका दाखिल की है, उसका उद्देश्य भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकना है। उन्होंने अखाड़े के इस कदम को सही बताते हुए समर्थन जताया।

वहीं, साकेत भवन के महंत सीताराम दास ने निर्मोही अखाड़े की मांग पर असहमति जताई। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट को भंग करने की मांग करना शर्मनाक और निंदनीय है। उनके अनुसार, अगर किसी कर्मचारी से कोई गलती हुई है तो उसकी जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए, लेकिन इसके लिए पूरे ट्रस्ट को खत्म करने की मांग उचित नहीं है। सीताराम दास ने कहा कि ट्रस्ट के पदाधिकारियों पर सीधे आरोप लगाना सही नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर किसी पदाधिकारी की जिम्मेदारी में कमी सामने आती है तो उस पर कार्रवाई की जा सकती है, लेकिन पूरी व्यवस्था को समाप्त करने की मांग करना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि देश संविधान और कानून के अनुसार चलता है और हर मुद्दे को लेकर सीधे सुप्रीम कोर्ट पहुंचना सही तरीका नहीं है।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में अचानक आई बाढ़ से 10 लोगों की मौत, कई लापता

विश्व केसरी

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के पुंछ और राजौरी जिलों में अचानक आई बाढ़ से भारी तबाही हुई है, जिसमें कम से कम दस लोगों की मौत हो गई और कई लोग लापता हैं।

पुंछ जिले की सुरनकोट तहसील के बुफलियाज इलाके में अचानक आई बाढ़ की चपेट में आने से 10 लोगों की मौत हो गई। सुरनकोट के ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉ. मोहम्मद यूसुफ चौधरी ने बताया कि अब तक आठ शव बरामद किए जा चुके हैं, जबकि अन्य लोग अभी भी लापता हैं। घटनास्थल पर खोज और बचाव अभियान चल रहा है। मरने वाले दस लोगों में से आठ की पहचान कर ली गई है। नूर सफिया (59), सज्जाद अहमद (16), हकनवाज अहमद (10), शाहनवाज अहमद (10), खालिदा कौसर (25), सोफयान (2), बानो बी (60) और मोहम्मद अकरम (7) की मौत हो गई है। अधिकारियों ने बताया कि पुंछ जिले के कई बाढ़ प्रभावित इलाकों में बिजली के खंभे उखड़ गए और मोबाइल नेटवर्क सेवाएं बाधित हो गईं। पुलिस, सिविल प्रशासन और स्थानीय लोग मौके पर मौजूद हैं। अधिकारियों ने बताया कि मुगल रोड और राजौरी-पुंछ हाईवे पर ट्रैफिक जारी है।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पुंछ में अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन से हुई मौतों पर गहरा दुख जताया है। उन्होंने पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की और घायलों के जल्द ठीक होने की कामना की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रशासन, स्टेट डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स, पुलिस और अन्य सभी संबंधित एजेंसियां बचाव व राहत कार्यों में पूरी तरह से जुटी हुई हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि प्रभावित परिवारों तक बिना किसी देरी के हरसंभव मदद पहुंचाई जाए।

ग्वालियर में रिटेनिंग वॉल गिरने से तीन दबे, महिला की दर्दनाक मौत

विश्व केसरी

ग्वालियर। एमपी के ग्वालियर जिले में पहाड़ी के किनारे बनी एक दीवार ढह जाने से तीन लोग मलबे में दब गए। सभी घायलों को निकालकर अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई। अधिकारी मलबे को हटाकर देख रहे हैं कि कहीं कोई फंसा तो नहीं है।

आईएएनएस से बातचीत करते हुए एसडीएम ने बताया कि 'इस सड़क पर नगर निगम की ओर से रिटेनिंग वॉल बनाई गई थी, जो गिर गई। दीवार के किनारे कुछ सब्जी और ठेले वाले थे, जिनमें में तीन लोग दीवार के नीचे दब गए थे। उनको निकालकर अस्पताल पहुंचा दिया गया है। दीवार के मलबे की वजह से सड़क जाम हो गई थी, उसको खुलवाया गया है।' उन्होंने बताया कि सपना नामक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई और बाद में उसकी मौत हो गई जबकि बाकी दो लोगों को चोटें आई हैं।

ग्वालियर के एएसपी शिवेश सिंह ने बताया, 'रविवार सुबह 7 बजे सूचना मिली कि यहां एक रिटेनिंग वॉल गिर गई है और कुछ लोगों के उसके नीचे दबे होने की खबर थी।

उत्तराखंड एसटीएफ ने नकली दवाइयों की फैक्ट्री पकड़ी, भारी मात्रा में अवैध शराब भी बरामद

विश्व केसरी

देहरादून। उत्तराखंड स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) और औषधि प्रशासन विभाग की संयुक्त टीम ने ऊधमसिंहनगर के बाजपुर स्थित औद्योगिक क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए नकली एलोपैथिक दवाइयों के एक बड़े सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया।

टीम ने कोविल बायोटैक पर छापेमारी कर अवैध रूप से प्रतिष्ठित कंपनियों के नाम से बनाई जा रही नकली दवाइयों का जखीरा बरामद किया। मौके से बुलंदशहर (उत्तर प्रदेश) निवासी धीरेंद्र पुत्र ब्रह्म सिंह को गिरफ्तार किया गया। जांच में सामने आया कि आरोपी आयुर्वेदिक एवं फूड लाइसेंस की आड़ में स्टैडमेड, मैकलियोड्स, इंटास और सन फार्मा सहित कई नामी कंपनियों के नाम से नकली एलोपैथिक एवं जीवन रक्षक दवाइयों का निर्माण कर बाजार में सप्लाई कर रहा था। छापेमारी में करीब एक लाख टैबलेट और 15 हजार सिरप की बोतलें बरामद हुई हैं, जिनका उपयोग अम्लता, एंटीबायोटिक, दर्द, नसों की बीमारी, प्रोस्टेट, कैल्शियम एवं आयरन की कमी जैसे उपचारों में किया जाता है। एसटीएफ ने आरोपी की निशानदेही पर एनएच-74 स्थित गोदाम में भी छापा मारा, जहां से भारी मात्रा में तैयार नकली दवाइयों के साथ अवैध शराब, उत्तराखंड आबकारी के होलोग्राम, रैपर, ढक्कन और पैकिंग सामग्री भी बरामद हुई। आरोपी ने पूछताछ में हरियाणा से अवैध शराब मंगाकर उत्तराखंड में सप्लाई करने की बात भी स्वीकार की है।

कार्रवाई के दौरान अल्कासोल, सेफीफीन-200, सनक्लेव, गैबैपिन, वेल्टम, रुबर्ड सस्पेंशन, ऑस्टोकैल्शियम बी12 और सोमप्राज सहित बड़ी मात्रा में नकली दवाइयां, पैकेजिंग मशीनें, एसएस टैंक, फिलिंग, सीलिंग और लेबलिंग मशीनें बरामद की गईं। वहीं, 1,632 क्वार्टर मैकडॉवेल नंबर-1, 1,016 बोतल तृतीय आरसीएस शराब, 1,000 खाली कांच की बोतलें और उत्तराखंड आबकारी के होलोग्राम भी जब्त किए गए।

मजबूत इकोसिस्टम और एआई तय करेंगे भारत में जीसीसी का अगला दौर: गिफ्ट सिटी सीईओ

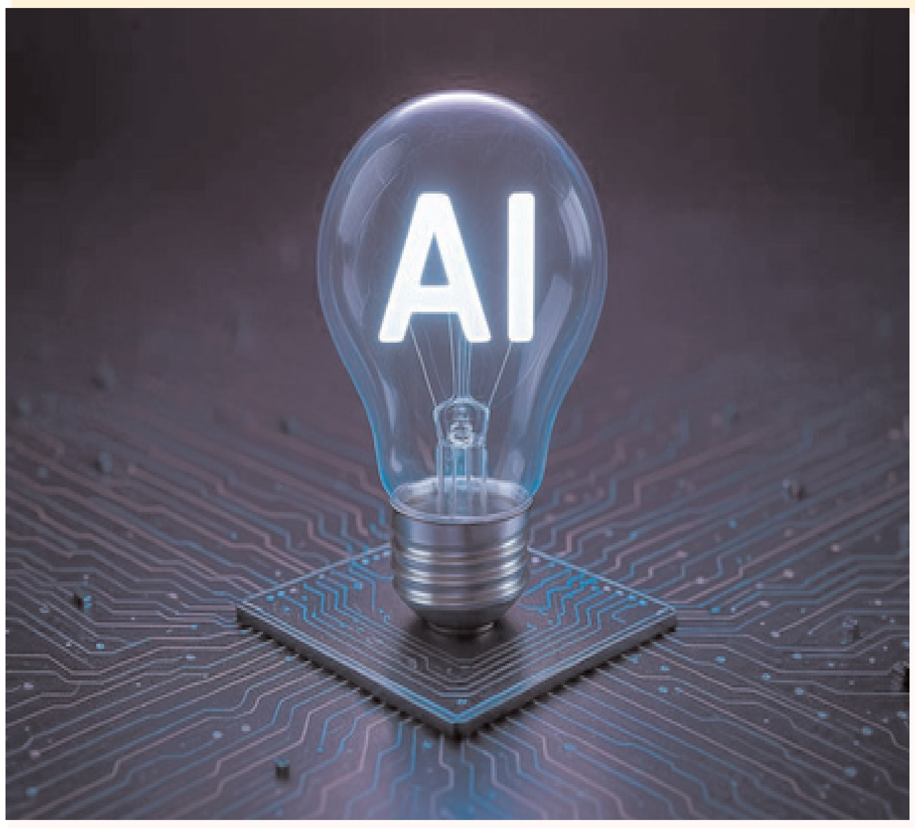

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। गिफ्ट सिटी के ग्रुप सीईओ और प्रबंध निदेशक संजय कौल ने गुरुवार को कहा कि भारत में ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) का अगला चरण केवल लोकेशन या टैक्स प्रोत्साहनों (इंसेंटिव) पर नहीं, बल्कि मजबूत इकोसिस्टम पर आधारित होगा। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते इस्तेमाल के साथ अब मजबूत डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, बेहतर कनेक्टिविटी और नवाचार को बढ़ावा देने वाला नियामकीय ढांचा पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गया है।

राष्ट्रीय राजधानी में भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा आयोजित दूसरे राष्ट्रीय जीसीसी बिजनेस समिट के दौरान 'द इवॉल्विंग जीसीसी इकोसिस्टम: की इनसाइट्स' विषय पर आयोजित सत्र में संजय कौल ने कहा कि एआई के लगभग हर उद्योग में प्रवेश करने के साथ एक मजबूत और समग्र इकोसिस्टम की जरूरत बढ़ गई है।

उन्होंने कहा, 'एआई अब लगभग हर उद्योग का हिस्सा बन चुका है। ऐसे में मजबूत कनेक्टिविटी और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर वाला इकोसिस्टम जरूरी है। साथ ही ऐसा नियामकीय ढांचा भी होना चाहिए, जहां नवाचार को बढ़ावा मिले। गिफ्ट सिटी में ऐसी सुविधाएं उपलब्ध हैं।'

संजय कौल ने कहा कि यदि देश के अन्य हिस्सों में भी इसी तरह का इकोसिस्टम विकसित किया जाता है तो जीसीसी क्षेत्र को और तेजी से बढ़ने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि भविष्य में वैश्विक कंपनियां केवल कर प्रोत्साहनों या लोकेशन को नहीं देखेंगी, बल्कि ऐसे स्थानों को प्राथमिकता देंगी जहां पूरा कारोबारी इकोसिस्टम एक-दूसरे को मजबूती देता हो।

उन्होंने कहा, 'अगली पीढ़ी के जीसीसी केवल लोकेशन या इंसेंटिव के आधार पर फैसला नहीं करेंगे। वे ऐसे मजबूत इकोसिस्टम की तलाश करेंगे, जहां हर व्यवस्था एक-दूसरे का सहयोग करे और पूरा सिस्टम एक सतत श्रृंखला की तरह काम करे।

कौल ने कहा कि शुरुआत में वैश्विक कंपनियां भारत में बड़ी संख्या में उपलब्ध प्रतिभाशाली पेशेवरों (टैलेंट पूल) की वजह से आई थीं, लेकिन अब वे भारत की बढ़ती क्षमताओं और नवाचार को समर्थन देने वाले व्यापक इकोसिस्टम से भी आकर्षित हो रही हैं, जिससे भारत वैश्विक कंपनियों के लिए पहले से अधिक पसंदीदा गंतव्य बन गया है।

उनके अनुसार, अब कंपनियां ऐसे स्थानों को प्राथमिकता दे रही हैं जहां उच्च गुणवत्ता वाला इंफ्रास्ट्रक्चर, बेहतर डिजिटल कनेक्टिविटी, स्थिर और पारदर्शी नियम, अच्छी जीवनशैली और नवाचार के अवसर उपलब्ध हों, न कि केवल कर रियायतें।

इस सत्र में विशेषज्ञों ने इस बात पर भी चर्चा की कि भारत अब दुनिया का सबसे बड़ा जीसीसी केंद्र बनकर उभर रहा है। उनका कहना था कि भारत केवल कम लागत (कॉस्ट आर्बिट्राज) का केंद्र नहीं रहा, बल्कि अब क्षमता आधारित प्रतिस्पर्धा (कैपेबिलिटी आर्बिट्राज) से आगे बढ़कर 'कंट्रोल आर्बिट्राज' के दौर में प्रवेश कर चुका है। इसका मतलब है कि वैश्विक कंपनियां अब भारतीय जीसीसी को केवल परिचालन कार्य ही नहीं, बल्कि रणनीतिक फैसलों और पूरे संगठन के परिवर्तन (एंटरप्राइज ट्रांसफॉर्मेशन) की जिम्मेदारी भी सौंप रही हैं।

विशेषज्ञों ने कहा कि जीसीसी अब केवल काम पूरा करने वाले केंद्र नहीं रह गए हैं। वे तेजी से इनोवेशन और एआई ट्रांसफॉर्मेशन हब में बदल रहे हैं।

गट बैक्टीरिया पर असर डाल सकते हैं लो-कैलोरी स्वीटनर्स, कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी की स्टडी में खुलासा

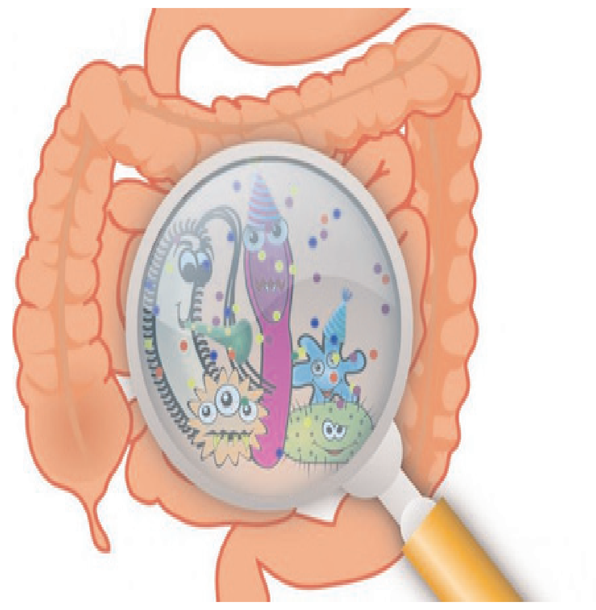

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। अक्सर लोग चीनी से बचने के लिए डाइट ड्रिंक, शुगर-फ्री मिठाइयों या कम कैलोरी वाले प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं। इन्हें सेहत के लिए बेहतर विकल्प माना जाता है, लेकिन अब यूनिवर्सिटी ऑफ कैम्ब्रिज के वैज्ञानिकों की एक स्टडी बताती है कि ये स्वीटनर्स हमारी आंतों में रहने वाले अच्छे बैक्टीरिया पर असर डाल सकते हैं।

हमारी आंतों में करोड़ों सूक्ष्म जीव रहते हैं, जिन्हें मिलाकर 'गट माइक्रोबायोम' कहा जाता है। ये बैक्टीरिया सिर्फ खाना पचाने में ही मदद नहीं करते, बल्कि ब्लड शुगर को नियंत्रित रखने, इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने और शरीर की कई जरूरी प्रक्रियाओं में भी अहम भूमिका निभाते हैं। इसलिए अगर इन बैक्टीरिया का संतुलन बिगड़ता है, तो इसका असर हमारी सेहत पर भी पड़ सकता है।

कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी के मेडिकल रिसर्च काउंसिल (एमआरसी) टॉक्सिकोलॉजी यूनिट के वैज्ञानिकों ने यह जानने की कोशिश की कि बाजार में इस्तेमाल होने वाले आम स्वीटनर्स सीधे गट बैक्टीरिया पर क्या असर डालते हैं। इसके लिए उन्होंने लैब में 25 तरह के गट बैक्टीरिया को अलग-अलग विकसित किया। इनमें कुछ फायदेमंद थे, कुछ सामान्य और कुछ ऐसे भी थे जो नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसके बाद इन बैक्टीरिया को 39 अलग-अलग आर्टिफिशियल और लो-कैलोरी स्वीटनर्स के संपर्क में लाया गया।

रिसर्च में सामने आया कि करीब 75 प्रतिशत स्वीटनर्स ने कम से कम एक तरह के बैक्टीरिया की ग्रोथ को प्रभावित किया। कुछ स्वीटनर्स ने ऐसे बैक्टीरिया की बढ़त को धीमा कर दिया जो स्वस्थ आंतों के लिए जरूरी माने जाते हैं।

वैज्ञानिकों ने यह भी देखा कि जब इन स्वीटनर्स को दूसरी चीजों जैसे कैफीन, वनीला एक्सट्रैक्ट, दूसरे स्वीटनर्स और कुछ आम दवाओं के साथ मिलाया जाता है, तब क्या होता है। इस दौरान उन्हें 100 से ज्यादा ऐसे मामले मिले, जहां स्वीटनर का असर अकेले इस्तेमाल करने की तुलना में बदल गया। कुछ मामलों में असर और ज्यादा बढ़ गया, जबकि कुछ में कम हो गया।

सबसे चौंकाने वाला नतीजा एक खास स्वीटनर आइसोस्टेवियोल और एंटीडिप्रेसेंट डुलोक्सेटीन से मिला। वैज्ञानिकों ने पाया कि जब दोनों को एक साथ इस्तेमाल किया गया, तो उन्होंने दो महत्वपूर्ण गट बैक्टीरिया रोजबुरिया इंटेस्टाइनलिस और पैराबैक्टेरॉइड्स मर्डे की ग्रोथ को काफी हद तक रोक दिया।

ये दोनों बैक्टीरिया ब्लड शुगर को संतुलित रखने, पाचन तंत्र को स्वस्थ बनाए रखने और शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

तनाव, गैस और सूजन से बढ़ता है माइग्रेन, जानें अजवाइन कैसे करता है असर

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। माइग्रेन का दर्द सामान्य सिरदर्द से अलग होता है। इसमें सिर के एक हिस्से में तेज दर्द महसूस हो सकता है, जो कई घंटों तक बना रहता है। दवाएं इस समस्या के इलाज का मुख्य तरीका हैं, लेकिन वैज्ञानिक शोध यह भी बताते हैं कि कुछ प्राकृतिक उपाय लक्षणों को कम करने में मदद कर सकते हैं। इन्हीं घरेलू उपायों में अजवाइन भी शामिल है।

माइग्रेन एक न्यूरोलॉजिकल समस्या है। इसमें दिमाग की नसों और उनसे जुड़े रसायनों में बदलाव होने लगता है, जिससे दर्द की प्रक्रिया शुरू होती है। कई बार यह दर्द 4 घंटे से लेकर 72 घंटे तक भी रह सकता है। कुछ लोगों में हार्मोनल बदलाव, तनाव, भूखे रहना, कम पानी पीना या कुछ खाद्य पदार्थ भी माइग्रेन को ट्रिगर कर सकते हैं। यही वजह है कि माइग्रेन के इलाज में केवल दवा ही नहीं, बल्कि जीवनशैली में सुधार भी उतना ही जरूरी माना जाता है।

अजवाइन में सबसे महत्वपूर्ण तत्व थाइमोल है। शोध के अनुसार, थाइमोल में सूजन कम करने, बैक्टीरिया से लड़ने और दर्द की तीव्रता घटाने वाले गुण पाए जाते हैं। जब शरीर में सूजन बढ़ती है, तो वह कई बार माइग्रेन के दर्द को भी बढ़ा सकती है। ऐसे में थाइमोल सूजन की प्रक्रिया को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है। हालांकि यह माइग्रेन का इलाज नहीं है, लेकिन कुछ लोगों में दर्द की तीव्रता कम करने में सहायक हो सकता है।

आयुर्वेद में भी अजवाइन को पाचन सुधारने वाला और वात-कफ को संतुलित करने वाला बताया गया है।

पाचन तंत्र और दिमाग के बीच एक गहरा संबंध होता है। इसे गट-ब्रेन कनेक्शन कहा जाता है। कई लोगों में गैस, अपच और पेट फूलने जैसी समस्याएं माइग्रेन को बढ़ा सकती हैं। अजवाइन पाचन को बेहतर बनाने और गैस कम करने में मदद करती है। जब पाचन तंत्र सामान्य रहता है, तो माइग्रेन के कुछ ट्रिगर भी कम हो सकते हैं।

अजवाइन में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट भी शरीर के लिए फायदेमंद माने जाते हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार, ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस कोशिकाओं को प्रभावित कर सकते हैं। एंटीऑक्सीडेंट इन हानिकारक तत्वों के असर को कम करने में मदद करते हैं। इसी कारण माना जाता है कि अजवाइन शरीर में होने वाले तनाव और सूजन को कुछ हद तक नियंत्रित करने में सहायक हो सकती है।

हेयर स्टाइलिंग के शौक में बालों को न करें खराब, इन टूल्स का ज्यादा इस्तेमाल पड़ सकता है भारी

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आज के समय में हर कोई अपने बालों को खूबसूरत और स्टाइलिश दिखाना चाहता है। किसी खास मौके पर जाना हो या रोजाना का लुक बदलना हो, लोग अलग-अलग तरह के हेयरस्टाइल बनाते हैं। बालों को सीधा करने के लिए स्ट्रेटनर, घुंघराले बनाने के लिए कर्लिंग मशीन, बालों को जल्दी सुखाने के लिए हेयर ड्रायर और बालों को घना दिखाने के लिए एक्सटेंशन का इस्तेमाल आम हो गया है। ये चीजें कुछ मिनटों में बालों को आकर्षक बना देती हैं, लेकिन अगर इनका इस्तेमाल सही तरीके से न किया जाए तो धीरे-धीरे बालों की मजबूती कम हो सकती है।

डर्मेटोलॉजिस्ट के अनुसार, बालों की बाहरी परत जिसे क्यूटिकल कहा जाता है, वह बालों को सुरक्षित रखने का काम करती है। जब बार-बार तेज गर्मी, खिंचाव या भारी एक्सेसरीज का इस्तेमाल किया जाता है तो यह सुरक्षा परत कमजोर होने लगती है, जिससे बाल रूखे, बेजान, कमजोर और टूटते हैं।

हेयर स्ट्रेटनर, कर्लिंग आयरन, और ब्लो ड्रायर सबसे ज्यादा इस्तेमाल किए जाने वाले टूल्स हैं। इनसे बाल तुरंत सुंदर दिखने लगते हैं, लेकिन ज्यादा गर्मी बालों की अंदरूनी नमी को कम कर देती है। बालों में मौजूद प्राकृतिक प्रोटीन कमजोर होने लगते हैं, जिससे बालों की चमक कम हो सकती है और दोमुंहे बालों की समस्या बढ़ सकती है। ब्लो ड्रायर की गर्म हवा सीधे स्कैल्प पर पड़ने से सिर की त्वचा में सूखापन भी बढ़ सकता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि अगर हीट स्टाइलिंग टूल्स का इस्तेमाल करना जरूरी हो तो बालों पर पहले हीट प्रोटेक्शन प्रोडक्ट लगाना बेहतर होता है। साथ ही तापमान को जरूरत से ज्यादा बढ़ाने से बचना चाहिए। रोजाना इन टूल्स का इस्तेमाल करने के बजाय बीच-बीच में बालों को प्राकृतिक रूप से आराम देना जरूरी है।

बालों को कसकर बांधने की आदत भी धीरे-धीरे नुकसान पहुंचा सकती है। कई लोग लंबे समय तक टाइट पोनीटेल, कसी हुई चोटी, या बहुत खिंची हुई हेयरस्टाइल रखते हैं। इससे बालों की जड़ों पर लगातार दबाव पड़ता है। मेडिकल भाषा में इसे ट्रैक्शन एलोपेसिया कहा जाता है, जिसमें बार-बार खिंचाव के कारण बालों की जड़ें कमजोर होकर झड़ने लगती हैं। खासतौर पर माथे के पास और किनारों के बाल इससे ज्यादा प्रभावित हो सकते हैं।

बाल बांधते समय मुलायम कपड़े वाले हेयर बैंड या ढीली हेयर स्टाइल का इस्तेमाल करना बेहतर माना जाता है। रोज एक ही तरह से बाल बांधने के बजाय अलग-अलग स्टाइल अपनाने से बालों पर दबाव कम पड़ता है।

हेयर क्लिप और पिन भी बालों की सेहत को प्रभावित कर सकते हैं। भारी मेटल क्लिप या बहुत ज्यादा टाइट पिन लगाने से बाल खिंच सकते हैं और स्कैल्प पर दबाव पड़ सकता है। लंबे समय तक ऐसा करने से सिर की त्वचा में दर्द, जलन और बाल टूटने की समस्या हो सकती है। इसलिए हल्की और आरामदायक क्लिप का इस्तेमाल करना बेहतर विकल्प माना जाता है।

आयकर विभाग की वॉकथॉन 2026 में पहुंचे रणदीप हुड्डा, बोले- वॉकिंग है बेस्ट एक्सरसाइज

विश्व केसरी ■

मुंबई । महाराष्ट्र में 167वें आयकर दिवस को लेकर आयकर विभाग, मुंबई की ओर से रविवार को 'वॉकथॉन 2026' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को स्वास्थ्य, फिटनेस और आयकर विभाग के प्रति जागरूकता का संदेश देना था। कार्यक्रम में अभिनेता रणदीप हुड्डा, विजय वर्मा, आकाश शिंदे और गॉडफ्रे परेरा समेत कई हस्तियां मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं।

इस मौके पर अभिनेता रणदीप हुड्डा ने मीडिया से बातचीत में कहा कि उन्होंने अपने जीवन में कई तरह की एक्सरसाइज, जिम और खेलों का अभ्यास किया है, लेकिन समय के साथ उन्हें महसूस हुआ कि वॉकिंग सबसे आसान और प्रभावी व्यायाम है।

रणदीप हुड्डा ने कहा कि अगर कोई व्यक्ति अन्य व्यायाम नहीं कर पा रहा है, तो भी रोजाना आधे घंटे से 45 मिनट तक पैदल चलना स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद हो सकता है। उन्होंने बताया कि नियमित वॉक करने से शरीर की अतिरिक्त चर्बी कम करने में मदद मिलती है और यह दिल की सेहत के लिए भी अच्छी मानी जाती है।

उन्होंने फिटनेस का एक आसान फॉर्मूला बताते हुए कहा कि सामान्य वॉक के दौरान हार्ट रेट को नियंत्रित रखना जरूरी है।

उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपनी दिनचर्या में पैदल चलने को शामिल करें, क्योंकि यह लंबे समय तक फिट रहने में मदद कर सकता है।

आयकर दिवस के महत्व पर बात करते हुए रणदीप हुड्डा ने कहा कि 167वां आयकर दिवस हर साल 24 जुलाई को मनाया जाता है। उन्होंने बताया कि यह दिन 1860 में भारत में आयकर व्यवस्था की शुरुआत से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजनों के जरिए फिटनेस के साथ-साथ लोगों में जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है।

दही, प्रोबायोटिक्स और प्रीबायोटिक्स से घट सकता है कोलोरेक्टल कैंसर का खतरा, नई स्टडी में बड़ा खुलासा

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। खाने-पीने की आदतों का हमारी सेहत पर सीधा असर पड़ता है। अब एक नई रिसर्च में सामने आया है कि दही, प्रोबायोटिक्स और प्रीबायोटिक्स जैसे खाद्य पदार्थ आंतों की सेहत को बेहतर रखने में मदद कर सकते हैं और इनका सेवन कोलोरेक्टल कैंसर (आंत और मलाशय का कैंसर) के खतरे को कम कर सकता है।

यह शोध चंग शान मेडिकल यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल रिसर्च प्रोग्राम के सहयोग से किया गया था। इस स्टडी में 50 साल या उससे ज्यादा उम्र के लोगों पर ध्यान दिया गया। शोधकर्ताओं ने अमेरिका के नेशनल हेल्थ एंड न्यूट्रिशन एग्जामिनेशन सर्वे (एनएचएएनएस) के साल 2001 से 2020 तक के आंकड़ों का अध्ययन किया। इसमें करीब 9,405 लोगों को शामिल किया गया, जो अमेरिका की लगभग 3.7 करोड़ वयस्क आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं।

शोधकर्ताओं ने लोगों की डाइट, सप्लीमेंट लेने की आदतों और कोलोरेक्टल कैंसर के इतिहास से जुड़ी जानकारी का विश्लेषण किया। इसके अलावा उम्र, लिंग, खान-पान की दूसरी आदतें, धूम्रपान, वजन, शारीरिक स्थिति और अन्य स्वास्थ्य संबंधी कारकों को भी ध्यान में रखा गया, ताकि परिणाम ज्यादा सटीक हो सकें।

स्टडी में पाया गया कि जिन लोगों ने प्रोबायोटिक्स, प्रीबायोटिक्स या दही का सेवन किया, उनमें कोलोरेक्टल कैंसर की संभावना लगभग 50 प्रतिशत तक कम देखी गई। शोधकर्ताओं के अनुसार, इसका एक कारण आंतों में मौजूद माइक्रोबायोटा यानी अच्छे और खराब बैक्टीरिया के संतुलन पर इन खाद्य पदार्थों का सकारात्मक असर हो सकता है।

प्रोबायोटिक्स ऐसे जीवित सूक्ष्मजीव होते हैं जो शरीर में अच्छे बैक्टीरिया को बढ़ाने में मदद करते हैं। वहीं, प्रीबायोटिक्स ऐसे फाइबर होते हैं जो इन अच्छे बैक्टीरिया के लिए भोजन का काम करते हैं। दही जैसे फर्मेंटेड फूड्स में भी ऐसे तत्व पाए जाते हैं, जो पाचन तंत्र के लिए फायदेमंद माने जाते हैं।

गर्मियों में टैनिंग से बचने को सिर्फ सनस्क्रीन काफी नहीं, त्वचा को सुरक्षित रखने के लिए अपनाएं ये आसान आदतें

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। गर्मियों का मौसम आते ही तेज धूप और बढ़ती गर्मी का असर हमारी त्वचा पर भी दिखाई देने लगता है। बाहर निकलते ही सूरज की तेज किरणें त्वचा को नुकसान पहुंचा सकती हैं, जिससे टैनिंग, रूखापन और त्वचा का रंग फीका पड़ने जैसी समस्याएं होने लगती हैं। खासतौर पर यूवी किरणें त्वचा के लिए ज्यादा नुकसानदायक मानी जाती हैं। यही वजह है कि लोग गर्मियों में सनस्क्रीन का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन त्वचा विशेषज्ञों के अनुसार सिर्फ सनस्क्रीन लगाना ही काफी नहीं होता। त्वचा को धूप से बचाने के लिए रोज की कुछ छोटी-छोटी आदतों को बदलना भी जरूरी होता है। डॉक्टरों के अनुसार, टैनिंग तब होती है जब हमारी त्वचा तेज धूप से बचने के लिए ज्यादा मात्रा में मेलेनिन बनाने लगती है। मेलेनिन त्वचा को रंग देने वाला एक प्राकृतिक तत्व है, जो सूरज की किरणों से बचाने में मदद करता है।

लेकिन जब धूप ज्यादा तेज हो जाती है और त्वचा लंबे समय तक उसके संपर्क में रहती है, तो त्वचा का रंग गहरा होने लगता है। इसके अलावा, ज्यादा धूप से त्वचा पर समय से पहले उम्र के निशान, झुर्रियां और दाग-धब्बे भी नजर आ सकते हैं।

त्वचा विशेषज्ञों का कहना है कि सनस्क्रीन लगाना जरूरी है, लेकिन इसे सही तरीके से इस्तेमाल करना उससे भी ज्यादा जरूरी है। कई लोग घर से निकलते समय आखिरी मिनट पर सनस्क्रीन लगाते हैं, जबकि इसे बाहर जाने से कुछ समय पहले लगाना बेहतर माना जाता है।

पीवी सिंधु ने जीता जापान ओपन का खिताब, फाइनल में अकाने यामागुची को हराया

विश्व केसरी

टोक्यो । पूर्व वर्ल्ड चैंपियन और दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट शटलर पीवी सिंधु ने रविवार को जापान ओपन सुपर 750 के खिताब को अपने नाम किया। दो साल में यह सिंधु का पहला बीडब्ल्यूएफ टूर खिताब है।

पीवी सिंधु ने फाइनल मुकाबले में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अपनी जानी-पहचानी प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी अकाने यामागुची को शिकस्त दी। सिंधु ने टोक्यो मेट्रोपॉलिटन जिम्नेजियम में चार बार की चैंपियन यामागुची को 21-17, 21-17 से हराया। इसके साथ ही, सिंधु जापान ओपन जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गई हैं।

यह पूर्व वर्ल्ड चैंपियन का दिसंबर 2024 में सैयद मोदी टूर्नामेंट जीतने के बाद पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब है। इसके साथ ही, इस जीत के साथ ही सिंधु का सुपर 750 या उससे ऊपर का खिताब जीतने का सात साल का इंतजार भी खत्म हो गया। सिंधु को शानदार प्रदर्शन के साथ-साथ किस्मत का भी साथ मिला। प्री-क्वार्टर फाइनल में सिंधु ने वर्ल्ड नंबर 5 हान यू को हराया, तो क्वार्टर फाइनल और फिर सेमीफाइनल में उनकी विपक्षी खिलाड़ी चोटिल होने की वजह से मैच से हट गईं।

सिंधु ने फाइनल मुकाबले की शुरुआत बेहद आक्रामक अंदाज में की। उन्होंने लगातार शुरुआती दो प्वाइंट हासिल किए और तीसरे प्वाइंट के लिए सफल चैलेंज लेकर 3-0 की बढ़त बना ली। हालांकि, जापान की अकाने यामागुची ने जल्द ही बेहतरीन वापसी करते हुए स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद सिंधु ने यामागुची की कुछ गलतियों का फायदा उठाया और 9-7 की बढ़त बनाई, लेकिन यामागुची ने दबाव में बेहतरीन खेल दिखाया और लगातार चार प्वाइंट जीतकर मुकाबले का रुख बदल दिया। मिड-गेम इंटरवल तक उन्होंने बढ़त हासिल कर ली।

खेल दोबारा शुरू होने के बाद सिंधु का अंदाज बिल्कुल अलग नजर आया। वह अपने अटैक में कहीं ज्यादा आक्रामक दिखीं; उन्होंने यामागुची को बैकफुट पर धकेला और अपनी बढ़त को 16-12 तक पहुंचाया। दोनों खिलाड़ियों में से कोई भी हार मानने को तैयार नहीं था और स्कोर 17-17 पर बराबर हो गया। हालांकि, भारतीय स्टार ने इसके बाद लगातार चार प्वाइंट हासिल करते हुए पहला गेम 21-17 से अपने नाम कर लिया।

सिंधु ने दूसरे गेम की शुरुआत भी शानदार ढंग से की। उन्होंने पहले 6-3 की बढ़त बनाई और फिर इस बढ़त को बढ़ाकर 8-3 कर दिया। जापानी शटलर ने लगातार चार प्वाइंट जीतकर सिंधु की रफ्तार को कुछ देर के लिए रोका, लेकिन आखिर में भारतीय खिलाड़ी 11-7 की बढ़त के साथ मिड-गेम ब्रेक में पहुंची।

ब्रेक के बाद पूर्व वर्ल्ड चैंपियन यामागुची थोड़ी दबाव में नजर आईं। सिंधु ने इसका पूरा फायदा उठाते हुए तेज खेल दिखाया और जल्द ही 14-7 की मजबूत बढ़त बना ली। इसके बाद भी उन्होंने अपनी लय बरकरार रखी और 16-12 के स्कोर के साथ मुकाबले में अपनी बढ़त कायम रखी। यामागुची ने पांच प्वाइंट जीतकर वापसी की कोशिश की

'ऐसी टीम के साथ काम करना गर्व की बात', इंग्लैंड के ब्रॉन्ज मेडल जीतने पर बोले कोच ट्यूशेल

विश्व केसरी

मियामी । इंग्लैंड के हेड कोच थॉमस ट्यूशेल ने तीसरे स्थान के लिए हुए मुकाबले में फ्रांस पर 6-4 की शानदार जीत के बाद टीम की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों ने मुश्किल हालात में जिस जज्बे और मानसिक मजबूती का परिचय दिया, वह काबिल-ए-तारीफ है।

ट्यूशेल के अनुसार, ऐसा लड़ने का जज्बा दिखाने वाली टीम को खेलते देखना किसी भी कोच के लिए गर्व की बात होती है। मियामी में खेले गए इस रोमांचक मुकाबले में इंग्लैंड ने पहले हाफ में ही 4-0 की मजबूत बढ़त बना ली थी। टीम की ओर से बुकायो साका ने शानदार हैट्रिक लगाई, जबकि बाकी खिलाड़ियों ने भी बेहतरीन प्रदर्शन किया।

दूसरे हाफ में फ्रांस ने जोरदार वापसी की। एम्बाप्पे ने टीम की ओर से दो गोल दागे, जबकि बारकोला और उस्मान डेम्बेल ने एक-एक गोल किया। हालांकि, इंग्लैंड ने जूड बेलिंगहम द्वारा इंजरी टाइम में किए गए छठे गोल की बदौलत मैच को आसानी से अपने नाम करते हुए ब्रॉन्ज मेडल पर कब्जा जमाया।

1966 में विश्व कप का खिताब जीतने के बाद यह इंग्लैंड का दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। इससे पहले, 1990 में इंग्लैंड चौथे स्थान पर रहा था, जबकि 2018 विश्व कप में भी टीम ने टूर्नामेंट का अंत चौथे स्थान पर रहते हुए ही किया था। मैच के बाद ट्यूशेल ने कहा कि पहले हाफ में उनकी टीम ने शानदार खेल दिखाया, लेकिन दूसरे हाफ में मुकाबला काफी कठिन हो गया था। उन्होंने बताया कि खिलाड़ियों पर लगातार मैच खेलने का असर साफ दिखाई दे रहा था और टीम शारीरिक रूप से काफी थकी हुई थी। इसके बावजूद प्लेयर्स ने हार नहीं मानी और अंत तक पूरे जोश के साथ खेलते रहे।

ट्यूशेल ने कहा कि फ्रांस को रिकवरी के लिए एक दिन ज्यादा मिला था और उन्हें इंग्लैंड की तुलना में कम यात्रा भी करनी पड़ी थी। वहीं, इंग्लैंड को पूरे टूर्नामेंट के दौरान गर्म मौसम, लंबी यात्राओं और कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ा।

दूसरे हाफ में कई खिलाड़ियों को थकान और क्रैम्प्स की परेशानी हुई, लेकिन किसी ने भी हिम्मत नहीं छोड़ी।

फीफा वर्ल्ड कप: बुकायो साका का कमाल, 60 साल बाद इंग्लैंड के लिए किया यह कारनामा

विश्व केसरी

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में इंग्लैंड ने तीसरे स्थान के लिए हुए मैच में फ्रांस को 6-4 से हराया। इंग्लैंड की इस जीत के नायक बुकायो साका रहे, जिन्होंने ब्रॉन्ज मेडल के लिए हुए मुकाबले में तीन गोल किए। साका ने हैट्रिक के साथ ही बड़ी उपलब्धि को अपने नाम कर लिया है।

बुकायो साका इंग्लैंड की ओर से फीफा विश्व कप के नॉकआउट मैच में गोलों की हैट्रिक लगाने वाले महज दूसरे खिलाड़ी बने हैं। इंग्लैंड के लिए उन्होंने यह कारनामा 60 साल बाद किया है। इंग्लिश टीम के लिए इससे पहले यह कारनामा सिर्फ सर ज्योफ हर्स्ट कर सके हैं। उन्होंने 1966 में खेले गए विश्व कप के फाइनल में तीन गोल दागे थे। बुकायो विश्व कप में इंग्लैंड की ओर से हैट्रिक लगाने वाले महज चौथे खिलाड़ी भी हैं। साका ने इस वर्ल्ड कप में इंग्लैंड के लिए कुल 3 गोल और तीन असिस्ट किए।

तीसरे स्थान के लिए हुए मैच में इंग्लैंड ने फ्रांस के मुकाबले दमदार खेल दिखाया। मैच की शुरुआत इंग्लैंड के लिए बेहद शानदार रही। मुकाबले के तीसरे ही मिनट में डेक्लान राइस ने लंबी दूरी से बेहतरीन शॉट लगाकर गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचाया और टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई। इसके बाद 18वें मिनट में एजरी कोन्सा ने राइस के कॉर्नर पर शानदार हेडर लगाकर इंग्लैंड की बढ़त 2-0 कर दी।

पहले हाफ में इंग्लैंड का दबदबा पूरी तरह कायम रहा। बुकायो साका ने टीम के लिए तीसरा गोल 37वें मिनट में दागा और फिर 43वें मिनट में अपना दूसरा तथा इंग्लैंड का चौथा गोल करके हाफ टाइम तक स्कोर 4-0 कर दिया। हालांकि, दूसरे हाफ में फ्रांस ने जोरदार वापसी की। कोच द्वारा किए गए चार बदलावों का असर साफ दिखाई दिया। 48वें मिनट में कप्तान किलियन एम्बाप्पे ने फ्रांस का पहला गोल किया। इसके बाद 58वें मिनट में ब्रैडली बारकोला ने गोल कर अंतर को 4-2 कर दिया। इसके बाद एम्बाप्पे ने मैच में अपना दूसरा और फ्रांस के लिए तीसरा गोल किया।

लॉर्ड्स में विराट कोहली के पास होगा विव रिचर्ड्स से आगे निकलने का सुनहरा मौका, इस मामले में बनेंगे नंबर वन

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच वनडे सीरीज का तीसरा और निर्णायक मुकाबला रविवार को लॉर्ड्स के मैदान पर खेला जाना है। इस मैच में विराट कोहली के पास वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज विव रिचर्ड्स को खास मामले में पीछे छोड़ने का सुनहरा मौका होगा।

दरअसल, इंग्लैंड के खिलाफ वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा अर्धशतक लगाने के मामले में विराट कोहली संयुक्त रूप से दूसरे नंबर पर हैं। कोहली और विव रिचर्ड्स ने इंग्लिश टीम के खिलाफ 14 अर्धशतक लगाए हैं। विराट दूसरे वनडे में विव रिचर्ड्स की पहले ही बराबरी कर चुके हैं। हालांकि, तीसरे वनडे में उनके पास वेस्टइंडीज के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज को पीछे छोड़ने का सुनहरा मौका होगा।

कोहली अगर तीसरे वनडे में अर्धशतक लगाने में सफल रहते हैं, तो वो श्रीलंका के पूर्व बल्लेबाज कुमार संगकारा की बराबरी भी कर लेंगे। इंग्लैंड के खिलाफ 50 ओवर के फॉर्मेट में सर्वाधिक अर्धशतक लगाने के मामले में संगकारा पहले स्थान पर काबिज हैं। उन्होंने इंग्लिश गेंदबाजी अटैक के खिलाफ 15 अर्धशतक लगाए हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे वनडे में विराट कोहली अच्छी लय में दिखाई दिए थे। कोहली ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 66 गेंदों में 65 रनों की दमदार पारी खेली थी। अपनी इस पारी में विराट ने 8 चौके लगाए थे। कोहली ने रोहित शर्मा और श्रेयस अय्यर संग मिलकर अहम साझेदारी भी निभाई थी। हालांकि, दूसरे वनडे में कोहली की दमदार पारी के बावजूद भारत की पूरी टीम सिर्फ 233 रन बनाकर ऑलआउट हो गई थी। इसके बाद टीम के गेंदबाज 234 रनों के लक्ष्य का बचाव करने में नाकाम रहे थे और इंग्लैंड ने 44.1 ओवर में 6 विकेट खोकर लक्ष्य को हासिल कर लिया था। इंग्लिश टीम की तरफ से जो रूट ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 133 गेंदों में 99 रनों की नाबाद पारी खेली थी। रूट के अलावा, विल जैक्स ने 30 रनों का योगदान दिया, जबकि सैम करन ने 26 रन बनाए। गेंदबाजी में इंग्लैंड की तरफ से जोफ्रा आर्चर और एटकिंसन ने तीन-तीन विकेट चटकाए।

'ऐतिहासिक जीत', जापान ओपन का खिताब जीतने पर पीवी सिंधु को मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री समेत अन्य नेताओं ने दी बधाई

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने रविवार को जापान ओपन सुपर 750 का खिताब जीतकर इतिहास रचा। वह इस खिताब को जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बनीं। उन्होंने फाइनल में अकाने यामागुची को 21-17, 21-17 से हराया। उनकी इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू, उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण समेत दिग्गज अन्य नेताओं ने बधाई दी है।

मुख्यमंत्री एन.चंद्रबाबू नायडू ने सिंधु को बधाई देते हुए अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'यामागुची के खिलाफ सीधे गेम में शानदार जीत (21-17, 21-17) हासिल करके जापान ओपन जीतने पर पीवी सिंधु को बहुत-बहुत बधाई। भारतीय बैडमिंटन के लिए यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। ओलंपिक्स के लिए बहुत-बहुत शुभकामनाएं,अम्मा।

वहीं, उपमुख्यमंत्री ने भारतीय महिला शटलर को बधाई देते हुए एक्स पर लिखा, 'जापान ओपन सुपर 750 में शानदार जीत के लिए पीवी सिंधु को बहुत-बहुत बधाई। अकाने यामागुची के घरेलू कोर्ट पर उनके खिलाफ आपका निडर प्रदर्शन, एक भारतीय चैंपियन के साहस, दृढ़ता और कभी न हार मानने वाले जज्बे का बेहतरीन उदाहरण था। चुनौतियों से पार पाकर और मजबूती से वापसी करते हुए शीर्ष स्थान हासिल करना इस जीत को और भी खास बनाता है। जापान में यह प्रतिष्ठित खिताब जीतने वाली पहली भारतीय बनकर आपने एक बार फिर हर भारतीय का मान बढ़ाया है।

आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ने आगे लिखा, 'आपका सफर लाखों युवा खिलाड़ियों को बड़े सपने देखने, कड़ी मेहनत करने और कभी हार न मानने के लिए प्रेरित करता रहेगा। यह शानदार उपलब्धि और भी कई ऐतिहासिक जीतों की शुरुआत बने, और आप विश्व मंच पर हमारे तिरंगे का मान बढ़ाती रहें। पूरा देश आपके साथ इस जीत का जश्न मना रहा है।

फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल: मनसुख मांडविया ने लोगों के साथ चलाई साइकिल

विश्व केसरी

नई दिल्ली । देशभर में फिटनेस और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' अभियान के तहत रविवार को केंद्रीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने साइकिल चालकों के साथ साइकिल चलाकर लोगों को फिट रहने का संदेश दिया।

इस अवसर पर मनसुख मांडविया ने कहा कि आज के 'संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम में आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के साथ बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। 'संडे ऑन साइकिल' का 82वां संस्करण है। उन्होंने कहा कि यह भले ही एक छोटा प्रयास है, लेकिन यही आगे चलकर बड़े बदलाव की शुरुआत बन सकता है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'जब भी आप साइकिल का पैडल चलाते हैं, तब आप प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फिट इंडिया मूवमेंट का हिस्सा बन जाते हैं। इस अभियान से जुड़कर आप खुद को स्वस्थ रखने का संकल्प लेते हैं। उन्होंने कहा कि जब व्यक्ति स्वयं स्वस्थ रहेगा, तभी समाज भी स्वस्थ बनेगा और स्वस्थ समाज ही समृद्ध राष्ट्र का निर्माण कर सकता है। आज साइकिल का लगाया गया हर एक पैडल विकसित भारत के निर्माण में प्रत्येक नागरिक का योगदान है, इसलिए सभी लोगों को हर रविवार साइकिल चलाने की आदत अपनानी चाहिए और खुद को फिट रखना चाहिए।

मनसुख मांडविया ने साइकिल चलाने के चार प्रमुख फायदे भी गिनाए। उन्होंने कहा कि साइकिलिंग सबसे बेहतर व्यायाम है, यह प्रदूषण कम करने का प्रभावी समाधान है, ईंधन की बचत करती है, और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह शरीर को फिट और स्वस्थ रखती है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'यह कार्यक्रम देश भर में लाखों आयुष्मान आरोग्य मंदिर कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर आयोजित किया गया। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि आज 15,000 से ज्यादा जगहों पर 'संडे ऑन साइकिल' का आयोजन किया गया, जहां स्वास्थ्य कर्मियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'संडे ऑन साइकिल' अभियान से जुड़कर स्वस्थ और फिट रहने का संदेश दिया। बता दें कि फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल अभियान को युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय ने देश में बढ़ते मोटापे की चुनौती से निपटने और जीरो-कार्बन लाइफस्टाइल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू किया गया है।

मेसी के साथ अर्जेंटीना का कद और भी बढ़ गया, वह टीम को एकजुट रखते हैं: शाजी प्रभाकरन

विश्व केसरी

नई दिल्ली । फीफा वर्ल्ड कप 2026 का फाइनल मुकाबला अर्जेंटीना और स्पेन के बीच रविवार को खेला जाना है। अर्जेंटीना को लगातार दूसरे विश्व कप के फाइनल तक पहुंचाने में कप्तान लियोनेल मेसी की भूमिका बेहद अहम रही है। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के पूर्व महासचिव शाजी प्रभाकरन का मानना है कि मेसी अर्जेंटीना की टीम को एकजुट रखने का काम करते हुए और टीम उनसे प्रेरित होकर मैदान पर दमदार प्रदर्शन करती है।

प्रभाकरन ने 'आईएएनएस' के साथ खास बातचीत में अर्जेंटीना टीम की विरासत और मेसी के प्रभाव पर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, 'मेसी के साथ अर्जेंटीना का कद और भी बढ़ गया है, क्योंकि अर्जेंटीना की फ़ुटबॉल विरासत बहुत बड़ी रही है। उन्होंने तीन वर्ल्ड कप जीते हैं, जिनमें से सिर्फ एक मेसी के साथ जीता है और वह भी पिछला वाला ही था। इससे पहले, माराडोना उनकी सबसे बड़ी विरासत में से एक थे। अब, जब मेसी अपना तीसरा फाइनल खेल रहे हैं और अर्जेंटीना के लिए लगातार दूसरा वर्ल्ड कप जीतने का मौका है, तो यह विरासत कई मायनों में बेमिसाल होगी।'

उन्होंने आगे कहा, 'इसी वजह से आज अगर हम अर्जेंटीना टीम के प्रदर्शन को देखें, तो मेसी ही सबसे अहम खिलाड़ी हैं; वही खेल को कंट्रोल करते हैं और खेल पर सबसे ज्यादा असर डालते हैं। अब तक खेले गए सभी मैचों में उन्होंने आठ गोल किए हैं, लेकिन उन आठ गोलों से कहीं अधिक, उन्होंने खेल और नतीजे में फर्क लाने वाला असर डाला है। हमने इंग्लैंड के खिलाफ भी यही देखा, जहां उनके दो असिस्ट की वजह से अर्जेंटीना ने सेमीफाइनल जीता और लगातार दूसरी बार फाइनल में जगह बनाई। इसलिए, मेसी निश्चित रूप से अर्जेंटीना के लिए सबसे अहम पहलू हैं। प्रभाकरन ने माना की मेसी अर्जेंटीना टीम को एकजुट रखते हैं। उन्होंने कहा, 'मेसी अर्जेंटीना को एक ऐसी एकता में बांधते हैं जो पहले कभी नहीं देखी गई। वह टीम में ऐसी भावना जगाते हैं जिससे ऐसा प्रदर्शन देखने को मिलता है।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रींटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415